শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 160 | गुवाहाटी | शनिवार, 31 दिसंबर, 2022 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

गणतंत्र दिवस को लेकर कामरूप जिला प्रशासन की बैठक पेज 3
प्रधानमंत्री मोदी ने पं. बंगाल को दी वंदे भारत समेत 7800 करोड़ की... पेज 4
उग्र में दुर्दांत और ड्रग माफिया पर तेजी से चला पुलिस का हंटर पेज 5
समस्या का जल्द होगा निपटारा, अभी संगठनात्मक नियुक्तियों पर है ध्यान पेज 8

मिजोरम में घुसे बांग्लादेश के विस्थापित भी

एजल। आर्थिक संकट से जूझ रहे मिजोरम की मुसीबत और बढ़ गई है। वह पहले से म्यांमार के कुकी-चिन शरणार्थियों के बोझ से दबा था और इस साल बांग्लादेश के चटगांव पहाड़ी इलाके (सीएचटी) के विस्थापितों का तांता लग गया। इस बीच सीमा विवाद सुलझाने को लेकर मिजोरम सरकार असम सरकार के संपर्क में है। बांग्लादेशी सेना और कुकी-चिन राष्ट्रीय सेना (केएनए) के विद्रोहियों के बीच सशस्त्र संघर्ष के बाद चटगांव पहाड़ी क्षेत्र के 300 से अधिक कुकी-चिन शरणार्थियों ने मिजोरम में शरण ले ली है। मिजोरम में अब म्यांमार व बांग्लादेश के शरणार्थियों की संख्या बढ़कर 40 हजार से ज्यादा हो गई है। मिजो लोगों का कुकी चिन लोगों से जातीय संबंध है। मिजोरम की जोरमथांगा सरकार कोविड-19 महामारी और राज्य को केंद्र सरकार से मिलने वाले कर राजस्व और अनुदानों में देरी के कारण गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रही है। वित्तीय संकट के कारण मिजोरम में सरकारी कर्मचारियों को वेतन और सेवानिवृत्त लोगों को पेंशन के समय पर भुगतान में देरी हो रही है। हालांकि, राज्य सरकार को उम्मीद है कि 2023 में केंद्र से अधिक धनराशि मिलने के बाद संकट का समाधान हो जाएगा। मिजोरम ने असम के साथ अंतर-राज्य सीमा विवाद को हल करने के प्रयास भी किए, दोनों पक्षों ने इस मुद्दे पर अगस्त और नवंबर में बातचीत की थी। दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने मामले को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाने के लिए सितंबर में दिल्ली में बैठक भी की थी। दोनों पड़ोसी राज्यों के बीच पिछले साल सीमा संघर्ष हुआ था। इसमें दोनों राज्यों के पुलिस बलों के बीच झड़प हुई थी। इससे असम के कम से कम छह कर्मियों और एक नागरिक की -शेष पृष्ठ दो पर

मोदी जी की मां हीराबा पंचतत्व में विलीन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां हीराबा पंचतत्व में विलीन हो गईं। पीएम मोदी ने अपनी मां को मुखाग्नि दी। गांधीनगर में एक श्मशान घाट में साधारण तरीके से उनका अंतिम संस्कार किया गया। हीराबा 100 साल की थीं। उन्होंने अहमदाबाद के यूएन मेहता अस्पताल में सुबह 3:30 बजे अंतिम सांस ली। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी मां हीराबेन के पार्थिव शरीर को कांधा दिया। पीएम खुद उसी एम्बुलेंस से श्मशान घाट तक पहुंचे, जिसमें उनकी मां का पार्थिव शव रखा था। उनके साथ परिवार के और -शेष पृष्ठ दो पर

एक तपस्वी जीवन पूर्ण : आरएसएस

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी की मां हीराबा का शुक्रवार सुबह निधन हो गया है। हीराबा ने 100 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली। हीराबा के निधन पर देश के तमाम नेताओं और हस्तियों ने शोक जताया है। वहीं, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने भी हीराबा को श्रद्धांजलि दी है। आरएसएस के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से एक ट्वीट किया गया है। ट्वीट में लिखा गया कि -शेष पृष्ठ दो पर

मिजोरम में कैब दुर्घटनाग्रस्त पांच की मौत

एजल (हि.स.)। पूर्वोत्तर राज्य मिजोरम के चंफाई जिले में शुक्रवार की सुबह एक बड़ी दुर्घटना हो गई। इसमें एक महिला सहित कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और तीन गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायलों में दो लोगों की हालत गंभीर होने पर शहर के लिए रेफर कर दिया गया है। राज्य के परिवहन मंत्री ने घायलों का हाल जाना। बताया गया कि एक मैक्सी कैब सर्विस (टाटा सूमो वाहन) चंफाई जिले में एजल से आठ यात्रियों को लेकर जोखावथर जा रही थी। चुंगटे इलाके में अनियंत्रित कैब एक चट्टान से गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में पांच लोगों -शेष पृष्ठ दो पर

हिमंत विश्व शर्मा भी शोकाकुल

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां हीराबेन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने सोशल मीडिया ट्वीटर पर एक पोस्ट ट्वीट करते हुए कहा कि मां जिसके चरणों में संसार होता है। मां जो हर बालक के निर्माण की पहली पाठशाला होती है। आदरणीया हीराबेन ने भारत माता को धर्म, राष्ट्र, समाज के उत्थान के लिए संकल्पित पुत्र समर्पित किया है। निश्चित ही मां को श्रीहरि अपने श्री चरणों में स्थान देंगे। मां को प्रणाम।

पेले का परलोकगमन खेल संसार डूबा शोक में

साओ पोलो। ब्राजील के महान फुटबॉलर पेले का निधन हो गया। वह 82 वर्ष के थे। इंस्टाग्राम पर उनकी बेटी केली नेसिमेंटो ने उनके निधन की पुष्टि की। पेले कोलन कैंसर से जूझ रहे थे। उन्होंने कीमोथेरेपी ट्रीटमेंट का जवाब देना भी बंद कर दिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फुटबॉल खिलाड़ी पेले के निधन पर दुख व्यक्त किया है। पीएम मोदी ने शुक्रवार को ट्वीट कर कहा कि पेले के निधन से खेल जगत को बहुत बड़ा झटका लगा है। पेले दुनिया के शानदार फुटबॉल खिलाड़ी थे। उनकी लोकप्रियता सीमाओं के परे थी। पीएम मोदी ने कहा कि पेले का उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन और सफलता आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। उल्लेखनीय है कि ब्राजील के तीन बार के विश्व कप विजेता फुटबॉल दिग्गज पेले का 82 साल की उम्र में शुक्रवार को निधन हो गया। वह लंबे समय से कैंसर से जूझ रहे थे। पेले के नाम से लोकप्रिय एडसन अरांतेस डो नैसिमेंटो का जन्म 23 अक्तूबर, 1940 को ब्राजील के ट्रेस कोराकोस में हुआ था। फ्लुमिनेंस फुटबॉलर डोंडिन्हो और सेलेस्टे अरांतेस के बेटे पेले दो भाई-बहनों में बड़े थे। उनका नाम अमेरिकी आविष्कारक थॉमस अल्वा एडिसन के नाम पर रखा गया था। उन्हें अपने स्कूल के दिनों में *पेले* उपनाम मिला। पेले का परिवार बहुत गरीब था और वह एक -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

पीएफआई से जुड़े 11 आरोपियों के खिलाफ एनआईए का चार्जशीट

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए (एनआईए) ने पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया द्वारा आतंकवादी प्रशिक्षण शिविरों के आयोजन और आतंकवादी गतिविधियों के लिए व्यक्तियों की भर्ती से संबंधित हैदराबाद की एक विशेष अदालत के समक्ष कल 11 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दायर किया। इस चार्जशीट में इन आरोपियों के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए गए हैं। एनआईए ने कहा कि इस साल चार जुलाई को तेलंगाना के निजामाबाद जिले में मामला दर्ज किया गया था और बाद में एनआईए ने 26 अगस्त को फिर से मामला दर्ज किया था और कार्रवाई शुरू की थी। एनआईए की जांच से -शेष पृष्ठ दो पर

आधार का करें उपयोग, पर सतर्कता का रखें ध्यान : यूआईडीएआई

नई दिल्ली (हि.स.)। सरकार का कहना है कि अपनी पसंद के अनुसार आधार का आत्मविश्वास से उपयोग करें लेकिन बैंक खाते, पैन या पासपोर्ट सहित किसी भी अन्य पहचान दस्तावेजों की तरह उपयोग करते समय सतर्कता बरतें। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय की विज्ञप्ति के अनुसार भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने अनुरोध किया है कि आधार पत्र/पीवीसी कार्ड या उसकी प्रति को बिना निगरानी के न छोड़ें। साथ ही आधार को खुले तौर पर सार्वजनिक रूप से सोशल मीडिया और अन्य सार्वजनिक मंचों पर साझा न करें। आधार धारकों को किसी भी अनधिकृत संस्था को आधार ओटीपी का खुलासा नहीं करना चाहिए और किसी के साथ एम-आधार पिन साझा करने से बचना चाहिए। यूआईडीएआई का कहना है कि आधार के किसी -शेष पृष्ठ दो पर

Door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

स्वभाव का अतिक्रमण अत्यंत कठिन है।

\- आचार्य चाणक्य

राष्ट्रीय गंगा की बैठक में जुड़े पीएम, कई राज्यों के सीएम भी

कोलकाता। शुक्रवार की दोपहर कोलकाता में राष्ट्रीय गंगा परिषद की दूसरी बैठक बुलाई गई। इस बैठक में गंगा और उसकी सहायक नदियों को प्रदूषण मुक्त करने की दिशा में चल रही परियोजनाओं की समीक्षा की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअल मोड में कर रहे हैं। दरअसल, पीएम मोदी इसमें शामिल होने वाले थे, लेकिन सुबह उनके मां के देहांत के कारण वो वर्चुअली -शेष पृष्ठ दो पर

घायल ऋषभ पंत की मां से प्रधानमंत्री ने जाना उसका हाल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की मां से बात की। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी ने ऋषभ पंत की मां से बात की और बेटे के स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी ली। आपको बता दें कि क्रिकेटर ऋषभ पंत का शुक्रवार को तड़के दिल्ली से रुड़की जाते वक्त गंभीर रूप से घायल हो गए। क्योंकि उनकी कार का करीब सुबह साढ़े पांच बजे रुड़की के नारसन बॉर्डर पर हम्मादपुर झाल के पास डिवाइडर से टकरा गई। ऋषभ पंत के एक्सीडेंट की जानकारी मिलने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री मोदी ने एक ट्वीट में लिखा कि जाने माने क्रिकेटर ऋषभ पंत के हादसे से व्यथित हूं। मैं उनके अच्छे स्वास्थ्य और कल्याण के लिए प्रार्थना करता हूं। रुड़की जाते वक्त ऋषभ पंत की कार अनियंत्रित हो गई और फिर सड़क पर पलट गई थी। जिस जगह पर ऋषभ पंत की कार का एक्सीडेंट हुए, वह ब्लैक स्पॉट भी है। गंभीर रूप से घायल ऋषभ पंत को सबसे पहले सक्षम अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके बाद उन्हें देहरादून के मैक्स अस्पताल में शिफ्ट किया गया, जहां पर उनका इलाज चल रहा है। भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) ने ऋषभ पंत के चोटिल होने की जानकारी साझा की। जिसमें बताया गया कि ऋषभ पंत के माथे पर दो कट, दाएं घुटने में लिगामेंट टियर और दाएं हाथ की कलाई, -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

पाक एम्बेसी की सबसे ज्यादा बोली लगाई इजराइली ओर भारतीय

इस्लामाबाद। वॉशिंगटन में मौजूद पाकिस्तान की एम्बेसी का एक बड़ा हिस्सा बिकने जा रहा है। इसके लिए बिड प्रॉसेस यानी नीलामी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। मजे की बात यह है कि एम्बेसी के डिफेंस सेक्शन को खरीदने के लिए जो 2 सबसे बड़ी बोलियां लगी हैं, वो दोनों ही पाकिस्तान के दुश्मन मुल्कों से ताल्लुक रखती हैं। ये दो देश हैं इजराइल और भारत। इजराइल के यहूदी ग्रुप ने 68 लाख डॉलर की बोली लगाई है। दूसरी बड़ी बोली लगाने वाला कोई भारतीय है। उसने 50 लाख डॉलर में यह बिल्डिंग खरीदने -शेष पृष्ठ दो पर

पड़ोसियों से अच्छे संबंधों के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता नहीं : रक्षामंत्री

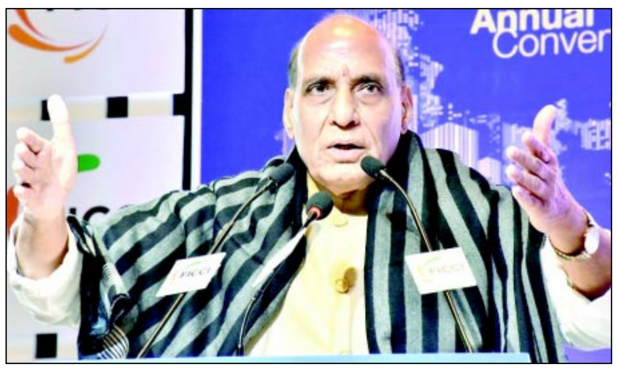

तिरुवनंतपुरम। जहां एक तरफ भारत के अन्य देशों के साथ संबंस अच्छे हो रही है वहीं पडोसियों के साथ भारत की दूरियां बढ़ती जा रही हैं। फिर चाहे बात श्री लंका की हो या फिर नेपाल की पिछले काफी समय से सार्क की एक भी बैठक नहीं हुऊ हैं। और ज्यादातर पड़ोसी देशों के साथ भारत के संबंध ठीक नहीं चल रहे हैं। पाकिस्तान और चीन के साथ भारत के संबंधों में खट्टास आयी हैं। जहां पाकिस्तान हर जगह जा-जाकर भारत के खिलाफ जहर उगता है। वहीं चीन भारतीय सीमा में घुसकप घुसपैठ करने की कोशिश करता है। चीन के साथ भारत के व्यापारिक और सांस्कृतिक संबंध भी हैं। ऐसे में सीमा पर विवाद और साथ साथ व्यापार करने के भारत सरकार के फैसले पर काफी सवाल खड़े हुए हैं। लगातार चीनी चालों का विदेशमंत्री एस जयशंकर ने जवाब भी दिया। भारत ने चीन को चेता दिया है कि व्यापार और टकराव एक साथ नहीं चल सकते हैं। अब इस पर भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का भी बयान सामने आया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत अपने पड़ोसियों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध रखना और इन्हें भविष्य में भी बनाए रखना चाहता है, लेकिन यह राष्ट्रीय सुरक्षा की कीमत पर नहीं किया जाएगा। यहां शिवगिरि मठ की 90वीं वार्षिक तीर्थयात्रा के दौरान सिंह ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की उस टिप्पणी को याद किया जिसमें उन्होंने कहा था कि हम दोस्त बदल सकते हैं लेकिन पड़ोसी नहीं। रक्षा मंत्री ने कहा कि हमें अपने पड़ोसियों के साथ अच्छे और मैत्रीपूर्ण संबंधों की आवश्यकता है। लेकिन, हम अच्छे संबंध बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता नहीं करेंगे। हम अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा की कीमत पर किसी के साथ अच्छे संबंध नहीं चाहते हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने केरल के समाज सुधारक श्री नारायण गुरु की शिक्षाओं के बारे में भी बात की, जैसे उद्योग के माध्यम से समृद्धि, जो भारत -शेष पृष्ठ दो पर

2024 में राहुल होंगे विपक्ष के पीएम कैंडिडेट : कमलनाथ

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने *भारत जोड़ो यात्रा* को लेकर राहुल गांधी के नेतृत्व की सराहना करते हुए शुक्रवार को कहा कि वह (राहुल) वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष का चेहरा ही नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री पद का चेहरा भी होंगे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सत्ता की नहीं, बल्कि जनता की राजनीति करते हैं, ऐसे नेता को देश के लोग खुद-ब-खुद सिंहासन पर बैठा देते हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या राहुल गांधी अगले लोकसभा चुनाव में विपक्ष का चेहरा हो सकते हैं, तो कमलनाथ ने कहा कि जहां तक 2024 के चुनाव का सवाल है, तो राहुल गांधी जी विपक्ष का -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

पहले हुए आजाद, अब फिर कांग्रेस के होंगे गुलाम

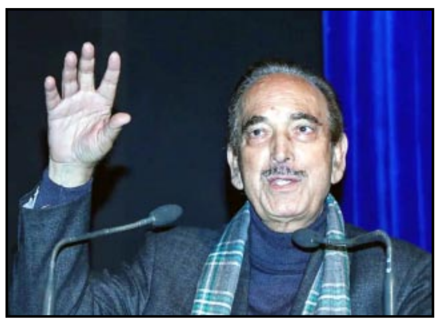

जम्मू। चार महीने पहले नाटकीय घटनाक्रम के बीच पार्टी से इस्तीफा देने वाले पूर्व कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद के वापस लौटने की संभावना है। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार आजाद और कांग्रेस के बीच बातचीत भी शुरू हो गई है। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि राजनीति में कुछ भी हो सकता है। लेकिन अगर आजाद साहब कांग्रेस में लौटते हैं तो हमें वाकई आश्चर्य होगा। गुजरात और हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनावों के दौरान आजाद ने कहा था कि केवल कांग्रेस ही भाजपा का मुकाबला कर सकती है। बता दें कि 73 वर्षीय नेता, जिन्होंने अपने त्याग पत्र में राहुल गांधी पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा कि वह कांग्रेस की नीति के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन इसकी कमजोर व्यवस्था से उन्हें दिक्कत है। माना जा रहा है कि भारत जोड़ो यात्रा के संयोजक दिग्विजय सिंह ने अपने पूर्व सहयोगी को राहुल गांधी के मार्च में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। रिपोर्ट के अनुसार, अखिलेश प्रसाद सिंह और भूपेंद्र सिंह हुड्डा, जो विद्रोही समूह जी23 में आजाद के साथ थे, ने उनकी पार्टी में वापसी और यात्रा में भाग लेने की वकालत की। अनुभवी कांग्रेस नेता अंबिका सोनी को भी आजाद और ग्रैंड ओल्ड पार्टी के आलाकमान के बीच की खाई को पाटने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सोनी ने कथित तौर पर जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री को यात्रा में शामिल होने और फिर राहुल गांधी से बात करने के लिए कहा है। हालांकि, आजाद ने कांग्रेस को कोई जवाब नहीं दिया है। अपने विस्फोटक इस्तीफे पत्र में आजाद ने राहुल गांधी पर तीखा हमला किया और आज कांग्रेस की स्थिति के लिए उन्हें दोषी ठहराया। वायनाड के सांसद पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का अपमान करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि सभी फैसले राहुल या उनके सुरक्षा गार्ड और पीए द्वारा लिए जाते हैं। कांग्रेस छोड़ने के बाद, आजाद ने *डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी* नामक अपने नए संगठन की घोषणा की। हालांकि, उनके नए संगठन को वरिष्ठ नेताओं के बाहर निकलने से झटका लगा है, जिन्होंने आजाद के साथ कांग्रेस छोड़ दी थी।

पाकिस्तान ने फिर उठाया कश्मीर मुद्दा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने गुरुवार को कहा कि वह भारत के साथ अच्छे संबंध चाहता है, लेकिन नई दिल्ली को कश्मीर सहित लंबित मुद्दों का संवाद के जरिए समाधान हेतु गंभीरता दिखानी चाहिए। विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुम्ताज जहरा बलोच ने साप्ताहिक प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि पाकिस्तान दक्षिण एशिया के सभी देशों के साथ आपसी सम्मान और संप्रभु समानता के आधार पर पड़ोसियों के साथ शांति की नीति को जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की रुचि शांति और संवाद में है और यह भारतीय प्राधिकारियों पर है कि वे रिश्ते को सुधारने के लिए जिम्मेदार रुख अपनाएं। बलोच ने कहा कि पाकिस्तान का मानना है कि द्विपक्षीय संबंध तब तक पूरी तरह सामान्य नहीं हो सकते, जबतक कि लंबित विवादों का समाधान न हो जाए, खासतौर पर जम्मू-कश्मीर का मुख्य मुद्दा। उन्होंने कहा कि इस्लामाबाद कश्मीर विवाद का संयुक्त राष्ट्र प्रस्ताव के तहत समाधान की कोशिश करता रहेगा। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान-भारत रिश्तों में कश्मीर मुद्दे और पाकिस्तान से सीमा पार आतंकवाद को लेकर तनावपूर्ण हैं। दोनों देशों के संबंध उस समय अपने निचले स्तर पर आ गए जब भारत ने पांच अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले भारतीय संविधान के प्रावधान अनुच्छेद-370 को समाप्त कर दिया। भारत के इस फैसले के बाद पाकिस्तान ने तीखी प्रतिक्रिया दी और भारतीय राजदूत को वापस भेजने के साथ कूटनीतिक संबंधों को सीमित कर दिया। वर्ष 2019 के बाद से दोनों देशों के व्यापारिक संबंध लगभग ठप है। भारत ने पाकिस्तान से कहा कि पूरा जम्मू-कश्मीर और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश देश का अखंड और अविभाज्य हिस्सा था, है और रहेगा। बलोच ने कहा कि पाकिस्तान, श्रीलंका, मालदीव, नेपाल, भूटान और बांग्लादेश सहित अन्य दक्षिण एशियाई देशों से बेहतर संबंध चाहता है।

बाल विवाह कराने के आरोप में दो गिरफ्तार

करीमगंज (हि.स.)। करीमगंज पुलिस ने बाल विवाह कराने के आरोप में नाबालिग ल ?की के चाचा-चाची को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि बीती रात फकीरगंज थाना क्षेत्र के फूलपुर गांव में बाल विवाह कराए जाने की सूचना पुलिस को मिली। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर फकीरगंज थाना प्रभारी कुंदन रविदास के नेतृत्व में पुलिस ने अभियान चलाते हुए नाबालिग लड़की को अपनी हिफाजत में ले लिया। इस मामले में नाबालिक लड़की के चाचा और चाची को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपित की पहचान मोमताज अली और शाजेदा बीवी के रूप में की गई है। पुलिस इस संबंध में चाइल्ड मैरिज एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

ग्रामीण इलाके में घुसे दो गैंडे, दहशत

जोरहाट (हि.स.)। आएदिन ग्रामीण इलाकों में तेंदुआ के घुस आने की घटनाओं के बीच गांव में इस बार एक गैंडा घुस आया, जिसको लेकर ग्रामीणों में दहशत है। शुक्रवार की सुबह जोरहाट जिलांतर्गत टियक के ढेकियाखोवा के तिनकोनिया ग्रामीण इलाके में दो व्यस्क गैंडा पहुंच गये। गांव के पास गैंडों को खुले में घुमते देख लोगों में अफरा-तफरी मच गई। बताया गया है कि दोनों गैंडा काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से निकलकर आए होंगे। सूचना मिलते ही जोरहाट वन विभाग के कर्मचारी पहुंचे और एक सींग वाले गैंडों को काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में वापस भेजने की कोशिश की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। जानकारी के अनुसार एक गैंडा टेकियाखोवा में खेतों के बीच विचरण कर रहा है, जबकि दूसरा तिनकोनिया में कीचड़ पानी से भरे ताल में घुस गया है। स्थानीय लोग गैंडों को भगाने की कोशिश कर रहे हैं। इस बीच, दोनों गैंडों ने दो-दो पालतु पशुओं पर हमला कर घायल कर दिया है।

शोणितपुर: विभिन्न जातीय समूहों के लोक नृत्य और लोक संगीत की कार्यशाला आयोजित

शोणितपुर (हि.स.)। शोणितपुर के घोरमारी में ज्योति विष्णु सांस्कृतिक भवन प्रबंध समिति ने स्थानीय लोक नृत्य और लोक संगीत को समृद्ध करने की एक विशेष पहल की है। विभिन्न जातीय समूहों से परिपूर्ण शोणितपुर के घोरमारी क्षेत्र में डाबर इंडिया लिमिटेड की पहल के तहत और जीवन टी वेलफेयर एंड चैरिटेबल ट्रस्ट के साथ-साथ ज्योति विष्णु सांस्कृतिक भवन प्रबंध समिति के सहयोग से लोक संगीत एवं लोक नृत्य की कार्यशाला आयोजित की गई है। विभिन्न जातीय समूहों के पारंपरिक लोक नृत्यों और लोक वाद्ययंत्रों पर आधारित इस कार्यशाला का आयोजन किया गया है। सात दिवसीय कार्यशाला में बोडो समुदाय के लोक नृत्य, चाय जनजातियों और आदिवासियों के लोक नृत्य, नेपाली समुदाय के लोक नृत्यों के साथ-साथ बिहू नृत्य और लोक संगीत का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। क्षेत्र में रहने वाले बोडो, आदिवासी, नेपाली आदि सहित सभी समुदायों के बच्चे और युवा इस कार्यशाला में भाग लेते हुए दिखे।

70 हजार रुपए के छुट्टे पैसे से युवक ने खरीदी इलेक्ट्रिक स्कूटी

चराईदेव (हि.स.)। चराईदेव जिला मुख्यालय शहर सोनारी चापरी निवासी द्विपेन भराली नामक युवक ने अपने गुलक में जमा किये गये 70 हजार रुपए के छुट्टे पैसे से इलेक्ट्रिक स्कूटी खरीदकर अपने सपने को पूरा किया है। सोनारी चापरी के द्विपेन भराली को अपने सपनों को वास्तविकता में बदलने पर गर्व है। द्विपेन भराल पिछले पांच साल से दो रुपए, पांच रुपए के छुट्टे पैसे जमा कर रहा था। उस पैसे से उसने एक इलेक्ट्रिक स्कूटी खरीदी है। छोटा सा व्यवसाय शुरू करते हुए उसके हाथ में जो पैसा आता था, उसे मिट्टी के गुल्लक और प्लास्टिक की थैलियों में जमा किया करता था। द्विपेन का परिवार भी घर में स्कूटी आने पर काफी खुश है।

सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत

गुवाहाटी (हि.स.)। कामरूप (ग्रामीण) जिला के रंगिया के भटकुची में राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर हुई एक सड़क हादसे में बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि बीती रात हादसा चार चक्का वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मारकर फरार हो गया। बाइक (एएस-25-एल-4331) सवार की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान नलबाड़ी जिला के बाराजोल निवासी 30 वर्षीय शमीर अली के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो यह दुर्घटना घने कोहरे के कारण हुई है। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मृत बाइक चालक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

OFFICE OF THE SUPERINTENDENT OF POLICE : UDALGURI : ASSAMG
MISSING INFORMATION

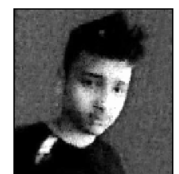

The above is photograph of Sri Bikash Paswan (19 Yrs) S/O Sri Bajrangi Paswan, Vill- Murkati., PS- Mazbat, Dist. Udalguri who has been missing since 19/12/2022 from his house.

This refers to Mazbat PS GDE No- 446 Dtd. 25/12/2022 and this office Man Missing Register Entry No. 150, Dtd. 26/12/2022.

Descriptive Roll of the Missing Person:

1. Complexion - Fair
2. Age - 19 Years
3. Height - 5.6 Feet
4. Built - Slim
5. L / Known - Assamese/Bodo & Hindi
6. W/apparel - Half T. Shirt & Jeans

All efforts may be made to trace out/recover the above noted missing person al tne earliest and result thereof may be intimated to this office at the following helpline numbers for further necessary action: 6026901138 (Cell phone).

Superintendent of Police, Udalguri, Assam.

-- Janasanyog /D/19564/22

पृष्ठ एक का शेष

मिजोरम में घुसे ...

मौत हो गई थी। मिजोरम में इस साल दो दुखद घटनाएं हुईं। नवंबर में हनथियाल जिले में एक पत्थर की खदान गिरने से 12 लोगों की दुखद मौत हो गई, जबकि अक्तूबर में एजल जिले के तुइरियाल गांव में एक तेल टैंकर में आग लगने से 11 लोगों की मौत हो गई। इस साल की शुरुआत कोविड के ओमिक्रॉन वैरिएंट के मामलों में तेजी से हुई। इस कारण राज्य सरकार को पहले तीन महीनों के लिए स्कूलों को बंद करना पड़ा। हालांकि, अप्रैल से संक्रमण में गिरावट के बाद सरकार ने कोविड प्रतिबंधों में ढील दी। मिजोरम में इस साल अफ्रीकी स्वाइन फ्लू फीवर व आर्मीवर्म भी फैला। इससे सैकड़ों लोग प्रभावित हुए।

मोदी जी की ...

भी सदस्य मौजूद थे। पीएम मोदी अहमदाबाद पहुंचे और अपनी स्वर्गीय मां हीराबेन मोदी को अंतिम नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। इससे पहले शुक्रवार सुबह पीएम मोदी ने ट्वीट कर कहा कि शानदार शताब्दी का ईश्वर चरणों में विराम...मां में मैंने हमेशा उस त्रिमूर्ति की अनुभूति की है, जिसमें एक तपस्वी की यात्रा, निष्काम कर्मयोगी का प्रतीक और मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध जीवन समाहित रहा है। मैं जब उनसे 100वें जन्मदिन पर मिला तो उन्होंने एक बात कही थी, जो हमेशा याद रहती है कि काम करो बुद्धि से और जीवन जियो शुद्धि से। हीराबा के संघर्ष के बारे में प्रधानमंत्री मोदी कई बार भावुक अंदाज में जिक्र कर चुके हैं। साल 2015 में फेसबुक के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग के साथ बातचीत के दौरान पीएम मोदी ने अपनी मां के संघर्षों को याद करते हुए कहा था कि मेरे पिताजी के निधन के बाद मां हमारा गुजारा करने और पेट भरने के लिए दूसरों के घरों में जाकर बर्तन साफ करती थीं और पानी भरती थीं। इस दौरान पीएम मोदी भावुक होकर रो पड़े थे।

एक तपस्वी जीवन.....

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की पूजनीय माता जी हीराबा के निधन से एक तपस्वी जीवन पूर्ण हो गया। इस दुखद प्रसंग पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के हम सभी स्वयंसेवक अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। आरएसएस के सर संघ चालक मोहन भागवत और सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले की तरफ से भी एक बयान जारी कर दुख प्रकट किया गया है। बयान में कहा गया कि माताजी का जीवन अत्यंत कठिन परिस्थितियों में भी मूल्य के प्रति निष्ठा एवं ईश्वर के प्रति अटूट आस्था के बल पर सतत कर्मशील रहने वाले सार्थक जीवन का महान उदाहरण है। मातृवियोग की वेदना की इस वेला में श्री नरेंद्र मोदी और उनके परिजनों के लिए संवेदना व्यक्त करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पूजनीया माता जी हीरा बा के निधन से एक तपस्वी जीवन पूर्ण हो गया। इस दु:खद प्रसंग पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के हम सभी स्वयंसेवक अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। गौरतलब है कि पीएम मोदी की मां हीराबा का शुक्रवार तड़के निधन हो गया है। तबीयत बिगड़ने के चलते उन्हें मंगलवार देर रात अहमदाबाद के यूएन मेहता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पीएम मोदी तब अपनी मां का हाल जानने अस्पताल पहुंचे थे। यूएन मेहता अस्पताल ने बयान जारी कर कहा कि हीराबा मोदी का निधन शुक्रवार तड़के 3.30 बजे (सुबह) इलाज के दौरान हुआ।

मिजोरम में कैब ...

की मौत हो गई। इन मृतकों की पहचान पार्थई (एक शिशु की मां), मुंगसियानडावंगा (37), जिनसियानखुपा (32), तियालियानचेउआ (37) और ललुंगघनेमा (36) के रूप में हुई है। हादसे में पांच लोगों के मरने के अलावा, एक शिशु सहित तीन अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को चंफाई जिले के नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है। घायलों में से दो को गंभीर हालत होने पर शहर के लिए रेफर कर दिया गया है। घटना की जानकारी मिलने पर राज्य के परिवहन मंत्री टीजे लालनुंतलुआंगा ने चंफाई जिले अस्पताल में मृतकों के परिजनों और घायल मरीजों का हाल जाना।

पीएफआई से जुड़े ...

पता चला है कि ये सभी आरोपी भोले-भाले मुस्लिम युवाओं को कट्टरपंथी बना रहे थे और उन्हें भारत सरकार के साथ-साथ अन्य संगठनों और व्यक्तियों के खिलाफ नफरत और जहर भरे भाषणों के जरिए पीएफआई में भर्ती कर रहे थे। एक बार पीएफआई में भर्ती होने के बाद, उन्हें योग और शारीरिक शिक्षा कक्षाओं की आड़ में प्रशिक्षण शिविरों में भेजा गया, जहां उन्हें गले, पेट और सिर जैसे शरीर के अंगों पर हमला करके किसी व्यक्ति को मारने के लिए चाकू, दरांती और लोहे की छड़ का इस्तेमाल करने का प्रशिक्षण दिया गया।

आधार का करें ...

भी अनधिकृत उपयोग या आधार से संबंधित किसी अन्य प्रश्न के संदेह के मामले में आधार धारक टोल-फ्री हेल्पलाइन 1947 पर यूआईडीएआई से संपर्क कर सकते हैं। आधार डिजिटल आईडी है और यह देशभर में ऑनलाइन और ऑफलाइन पहचान सत्यापन का काम करता है। इलेक्ट्रॉनिक रूप से या ऑफलाइन सत्यापन के माध्यम से अपनी पहचान प्रमाण-पत्रों को सत्यापित और मान्य करने के लिए अपने आधार नंबर का उपयोग किया जा सकता है। यूआईडीएआई ने आधार से जुड़ी अन्य सुविधाओं की भी जानकारी दी है। इनके अनुसार यूआईडीएआई वर्चुअल पहचान (वीआईडी) की सुविधा भी प्रदान करता है। कोई भी आसानी से आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर या मायआधार पोर्टल के माध्यम से वीआईडी जेनरेट कर सकता है और आधार संख्या के स्थान पर प्रमाणीकरण के लिए इसका उपयोग कर सकता है। कैलेंडर दिवस की समाप्ति के बाद इस वीआईडी को बदला जा सकता है। यूआईडीएआई आधार लॉकिंग के साथ-साथ बायोमेट्रिक लॉकिंग की सुविधा भी प्रदान करता है। अगर निश्चित समय तक आधार उपयोग करने की संभावना नहीं हो तो इस समयावधि के लिए आधार या बायोमेट्रिक्स को लॉक किया जा सकता है। आवश्यकता पड़ने पर इसे आसानी और तुरंत अनलॉक भी किया जा सकता है।

पेले का परलोकगमन...

चाय की दुकान पर काम करते थे। उन्होंने अपने पिता से फुटबॉल सीखा, जो खुद एक फुटबॉलर थे। उधर ब्राजील के तीन बार के विश्व कप विजेता फुटबॉल दिग्गज, पेले का 82 साल की उम्र में निधन हो गया। वो कैंसर से पीड़ित थे। पेले के निधन पर भारतीय खिलाड़ियों ने शोक व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी है। भारतीय क्रिकेटरों से लेकर हॉकी खिलाड़ियों तक, सभी *ब्लैक पर्ल* के निधन पर अपना दुख व्यक्त कर रहे हैं। भारतीय क्रिकेटर सूर्यकुमार यादव ने ट्वीट किया कि आप याद आएंगे किंग। आप एक प्रेरणा हैं, एक आइकन हैं, एक किंवदंती हैं। आपकी विरासत हमेशा जीवित रहेगी। भारतीय हॉकी टीम के गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने ट्वीट किया कि भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। भारतीय पैरालंपिक के स्वर्ण पदक विजेता प्रमोद भगत ने ट्वीट किया कि दिग्गज पेले का 82 साल की उम्र में निधन हो गया। एक पथ प्रदर्शक और बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक। उन्हें लाखों लोग याद करेंगे। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने लिखा कि श्रद्धांजलि पेले। दुनिया भर में एक प्रेरणा, एक वैश्विक आइकन, एक किंवदंती। भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने ट्वीट किया कि श्रद्धांजलि पेले सर, परिवार, दोस्तों, सभी प्रशंसकों के प्रति संवेदना। भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग दिवंगत ब्राजीलियाई खिलाड़ी को दुनिया का अब तक का सबसे महान खिलाड़ी करार दिया। वीवीएस लक्ष्मण ने लिखा कि एक युग का अंत। कुछ खिलाड़ी अपनी छाप छोड़ते हैं जो पीढ़ियों को प्रेरित करते हैं। महान पेले की विरासत और उपलब्धियों को आने वाली कई पीढ़ियां संजो कर रखेंगी। उनके परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।

राष्ट्रीय गंगा की...

ही इस बैठक में शामिल हो पाए। कोलकाता में हुगली नदी के किनारे स्थित भारतीय नौसेना के बेस आईएनएन नेताजी सुभाष में बैठक का आयोजन किया गया है। इस उच्च स्तरीय परिषद की बैठक में बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी मौजूद हैं। बैठक में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी आमंत्रित किया गया था, लेकिन वे नहीं पहुंचे हैं। हालांकि, सीएम नीतीश कुमार ने पहले ही इस बात की जानकारी दे दी थी कि वे बैठक में शामिल नहीं हो पाएंगे। फिलहाल, नीतीश कुमार की जगह बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव बैठक में हिस्सा ले रहे हैं। बैठक में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के साथ संबंधित विभागों के केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रीय गंगा परिषद के सदस्य आमंत्रित किए गए हैं। एनजीसी की बैठक में गंगा और उसकी सहायक नदियों के प्रदूषण को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर संचालित परियोजनाओं की समीक्षा की जाएगी। गंगा नदी के पानी की शुद्धता का ब्योरा लिया जाएगा और साथ ही गंगा की धारा को निर्मल और अविरल बनाने का संकल्प को दोहराया जाएगा। समीक्षा बैठक में गंगा के उद्गम स्थल से लेकर गंगा के बंगाल की खाड़ी में विलीन होने तक की धारा के पानी की परीक्षण रिपोर्ट रखी जाएगी। गंगा और उसकी सहायक नदियों के प्रदूषण को कम करने में केंद्र के साथ राज्यों के सहयोग का ब्योरा रखा जाएगा। बता दें कि इससे पहले 2019 में परिषद की पहली बैठक का आयोजन कानपुर में किया गया था। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बैठक की शुरुआत में वर्चुअल माध्यम से बंगाल की सात प्रमुख सीवरेज की इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट का भी उद्घाटन किया। इसमें 20 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और 612 किलोमीटर लंबाई में विकसित सीवर नेटवर्क शामिल है। इसे नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा (एनएमसीजी) के तहत विकसित किया गया है। इस परियोजना पर कुल 990 करोड़ रुपए की लागत आई है। इस परियोजना का लाभ नवद्वीप, काचरापारा, हालिशहर, बजबज, बैरकपुर, चंदननगर, बंसबेरिया, उत्तरपारा, कोटरंग, बैद्यबाटी, भद्रेश्वर, नैहाटी, गारुलिया, टीटागढ़ और पानीहाटी को मिलेगा। इस परियोजना के तैयार हो जाने से प्रतिदिन 200 मिलियन लीटर सीवेज का ट्रीटमेंट हो सकेगा। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने पांच प्रमुख सीवरेज इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट का भी शिलान्यास किया, जिसमें आठ सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और 80 किलोमीटर सीवरेज नेटवर्क विकसित किया जाएगा। इसपर कुल 1,585 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इससे कुल 190 एमएलडी सीवेज ट्रीटमेंट की क्षमता बढ़ जाएगी। इस दौरान पीएम ने बंगाल में स्वच्छता और जल संशोधन से संबंधित कई और परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इसमें डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वाटर एंड सैनिटेशन का उद्घाटन भी शामिल है।

घायल ऋषभ पंत की ...

एड़ी, पैर में चोट लगी है। उन्हें पीठ में भी कुछ खरोंच आई है। मालूम हो कि टीम इंडिया के स्टार क्रिकेटर ऋषभ पंत सड़क हादसे का शिकार हुए हैं। उनकी कार रुड़की में डिवाइडर से टकराई है। इस हादसे में पंत के सिर और पैर में चोट लगी है। हादसे की बाद कार में आग लग गई थी और कार पूरी तरह से जल गई। गाड़ी का शीशा तोड़कर पंत को बाहर निकाले और राहगीरों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया। पंत दिल्ली से अपने घर उत्तराखंड लौट रहे थे। रुड़की के नारसन बॉर्डर पर हम्मदपुर झाल के पास उनकी कार हादसे का शिकार हुई। पंत की गाड़ी काफी तेज रफ्तार में थी और डिवाइडर से टकराने के बाद गाड़ी रेलिंग तोड़कर दूसरी तरफ जा पहुंची, जिसके बाद उसमें आग लग गई द्य घटना सुबह 5:30 बजे की बताई जा रही है। जहां हादसा हुआ है, वहां ब्लाइंड स्पॉट है। वहां पहले भी हादसे होते रहे हैं। हादसे के बाद राहगीरों की सूचना पर गंभीर रूप से घायल ऋषभ पंत को दिल्ली रोड स्थित सक्षम हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। शुरुआत में पंत की हालत गंभीर थी, लेकिन धीरे-धीरे उनकी हालत में सुधार हुआ। पंत की हालत सुधरने के बाद उन्हें देहरादून के मैक्स अस्पताल ले जाया गया। यहां उनकी प्लास्टिक सर्जरी भी होगी। सक्षम हॉस्पिटल के डॉक्टर सुशील नागर ने बताया कि ऋषभ पंत के पैर में फ्रैक्चर आया है और माथे पर भी चोट है। माथे पर कुछ टांके लगाए गए हैं। बताया जा रहा है कि पंत की गाड़ी तेज स्पीड से डिवाइडर के किनारे लगी लोहे की मजबूत रेलिंग से टकराई और रेलिंग तोड़कर दूसरी तरफ जा पहुंची। तेज रफ्तार में होने की वजह से कार लगभग 200 मीटर तक घिसटने के बाद रुकी। हादसे के बाद कार में आग लग गई। बताया गया है कि मौके पर पहुंचे राहगीरों ने किसी तरह शीशे तोड़कर ऋषभ पंत को बाहर निकाला।

पड़ोसियों से अच्छे संबंधों ...

सरकार की आत्मनिर्भर भारत नीति का आधार है। रक्षा मंत्री ने कहा कि इसी के परिणामस्वरूप हमें दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में से एक माना जाता है और हमारी सेना को एक शक्ति के रूप में देखा जाता है। उन्होंने कहा कि जब वह सशस्त्र बलों की मदद से और प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में भारत के शरीर (सीमाओं) की रक्षा के लिए काम कर रहे थे, तब मठ के संत देश की *आत्मा* की रक्षा के लिए काम कर रहे थे। सिंह ने कहा कि मैं आपके द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करता हूं। हम एक राष्ट्र के रूप में तभी जीवित रह सकते हैं जब शरीर और आत्मा दोनों सुरक्षित हों।

2024 में राहुल होंगे ...

चेहरा ही नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री का चेहरा भी होंगे। उनके मुताबिक कि दुनिया के इतिहास में 3500 किलोमीटर से अधिक की पैदल यात्रा किसी व्यक्ति ने नहीं की है। भारत देश के लिए इतनी शहादत किसी परिवार ने नहीं दी है, जितनी गांधी परिवार ने दी है। कमलनाथ ने कहा कि राहुल गांधी सत्ता की राजनीति नहीं करते हैं। वह जनता की राजनीति करते हैं और जो जनता की राजनीति करता है, जनता उसे खुद-ब-खुद सिंहासन पर बैठा देती है। हाल के दिनों में यह पहली बार है, जब कांग्रेस के किसी वरिष्ठ नेता ने यह कहा है कि अगले लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी प्रधानमंत्री पद का चेहरा होंगे। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष 76 वर्षीय कमलनाथ ने कहा कि जब भारत जोड़ो यात्रा तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक जैसे दक्षिण भारत के राज्यों से गुजर रही थी, तो भाजपा ने दुष्प्रचार किया कि महाराष्ट्र में यात्रा विफल हो जाएगी। जब महाराष्ट्र में यात्रा को और ज्यादा समर्थन मिला, तो कहा कि हिंदी पट्टी में दक्षिण भारत जैसा समर्थन नहीं मिल पाएगा, लेकिन मध्य प्रदेश पहुंचकर यात्रा ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। उन्होंने यह भी कहा कि अब तो सबने राजस्थान और उसके बाद दिल्ली में भी देख लिया है कि राहुल गांधी जी की यात्रा किस कदर लोकप्रिय हो रही है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में भारत जोड़ो यात्रा में कांग्रेस के कार्यकर्ता ही शामिल नहीं हुए, बल्कि आम जनता और खासकर नौजवानों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी स्पष्ट कर चुके हैं कि भारत जोड़ो यात्रा कोई राजनीतिक यात्रा नहीं है। इस यात्रा का उद्देश्य भारत को तोड़ने वाली शक्तियों को पराजित करना और नफरत को समाप्त करना है। जहां तक चुनाव का सवाल है, तो मध्य प्रदेश में प्रचंड बहुमत से कांग्रेस की सरकार बननी तय है। भारत जोड़ो यात्रा के बाद कार्यकर्ता दोगुने उत्साह से कार्य कर रहे हैं।

पाक एम्बेसी की ...

की पेशकश की है। पाकिस्तान एम्बेसी की बिल्डिंग बेचने की खबर का खुलासा पाकिस्तान के अखबार ने किया है। उसने इस बारे में एम्बेसी के अफसरों के हवाले से एक रिपोर्ट पब्लिश की है। एक अफसर ने कहा कि एक यहूदी, एक भारतीय के अलावा तीसरी बोली पाकिस्तान मूल के एक शख्स ने 40 लाख डॉलर में लगाई है। हम उस शख्स को यह इमारत बेचेंगे जो सबसे ज्यादा बोली लगाएगा। वैसे भी नीलामी में यही प्रॉसेस अपनाया जाता है। हमें इससे कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए कि खरीदार कौन है और उसका इस प्रॉपर्टी को खरीदने का मकसद क्या है।

स्वर्वेद भाष्य

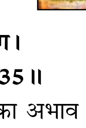

चतुर्थ मंडल **षष्ठ अध्याय**

(वैराग्य)

पर विराग के उदय में, सुरति सुहागिन जाग।
अन्तर गगन विराजती, उमगत वर अनुराग॥ 35॥

शब्दार्थ : (पर विराग) चेतन आत्मस्वरूप से त्रिगुणों का अभाव और आत्मा की पवित्रता (सुरति) चेतन शक्ति (अनुराग) प्रेम।

भाष्य : पर वैराग्य योगाभ्यास के द्वारा प्राप्त होता है। आत्मा प्राकृतिक त्रिगुणों की तृष्णा से रहित हो कर पृथक हो जाती है, इसी को पर वैराग्य कहते हैं। पर वेराग्य के उदय होने पर सुहागिन सुरति जग जाती है और पूर्ण प्रेम के उमंग में अंतर गमन में जा कर विराजमान होती है।

भक्ति मुक्ति अधिकार का, सो पूरण वैराग।
नर से देव स्वरूप में, भासित तेज सुभाग॥ 36॥

शब्दार्थ : (भक्ति) उपासना (मुक्ति) मोक्ष (सुभाग) सौभाग्य (भासित) प्रकाशित (तेज) प्रताप, गुण।

भाष्य : पूर्ण पुरुषार्थी परम वैराग्यवान पुरुष ही भक्ति-मुक्ति का अधिकारी होता है और वही नर से देव स्वरूप को प्राप्त कर, उसके गुणों से सुशोभित होता है।

गणतंत्र दिवस को लेकर कामरूप जिला प्रशासन की बैठक

रंगिया (निसं)। कामरूप जिले में आगामी 74वें गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों पर चर्चा के लिए अतिरिक्त आयुक्त एवं रंगिया के महकमाधिपति जावीर राहुल सुरेश ने आज एक बैठक की अध्यक्षता की। यह बैठक कामरूप जिले के एकीकृत उपायुक्त कार्यालय में जिले के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों, पुलिस प्रशासन, सैन्य और अर्धसैनिक बलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में आयोजित की गई। बैठक में गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए विभिन्न विभागों को औपचारिक रूप से जिम्मेदारी भी सौंपी गई। बैठक में गणतंत्र दिवस समारोह के हिस्से के रूप में आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों पर भी विस्तार से चर्चा की गई । अतिरिक्त उपायुक्त जावीर राहुल सुरेश ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए आगामी गणतंत्र दिवस को धूमधाम और सफलता के साथ मनाने के लिए सभी से ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करने का आग्रह किया। बैठक में जिले के

विभिन्न विभागों के प्रमुख, सैन्य और अर्धसैनिक बलों के प्रतिनिधि, कामरूप जिले के अतिरिक्त उपायुक्त क्रमशः कमल बरुआ, सुजता गोगोई और मुनमी कलिता सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आसिफ आहमेद ने भाग लिया।

दिसपुर पुलिस ने कमलपुर में शव किया बरामद

गुवाहाटी (हि.स.)। कामरूप (ग्रामीण) जिला के बाइहाटा चाराली के कमलपुर में गुरुवार रात को गुवाहाटी के दिसपुर थाने की पुलिस ने छापेमारी की। जानकारी के अनुसार दिसपुर पुलिस ने कमलपुर में एक शव की तलाश में छापेमारी की। कमलपुर विकास खंड के कार्यालय के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-31 के किनारे स्थित एक गड्ढे से पुलिस ने एक शव बरामद किया। शव की शिनाख्त देबनाथ भुइयां के रूप में की गई है। आरोप है कि हितेश दास नाम के शख्स ने देबनाथ भुइयां के सिर पर वार कर उसकी हत्या करने के बाद शव को कमलपुर के जंगलों में फेंक दिया था। हितेश दास के कबूलनामे के आधार पर दिसपुर पुलिस कमलपुर पुलिस की मदद से शव को बरामद करने में कामयाब रही। इस संबंध में दिसपुर थाने में पहले से ही प्राथमिकी दर्ज है। पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में भेज दिया है। साथ ही हत्या के आरोपित से पुलिस पूछताछ कर रही है।

कोकराझाड़ में एमईडीपी का कटिंग टेलरिंग प्रशिक्षण शिविर आरंभ

कोकराझाड़ (हि.स.)। कोकराझाड़ जिला के पश्चिम मालीगांव वन धन विकास केंद्र, समुखगुरी में शुक्रवार को एक सूक्ष्म उद्यम विकास कार्यक्रम (एमईडीपी) की ओर से कटिंग और टेलरिंग पर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन बीटीसी के मुख्य कार्यकारी पार्षद प्रमोद बोडो ने किया। इस मौके पर विधायक लॉरेंस इस्लरी, उद्योग विभाग के कार्यकारी पार्षद रेव रेवा नार्जारी, कोकराझाड़ नाबार्ड के डीडीएम रतन मणि सोरम, कोकराझाड़ एएसआरएलएम के डीपीएम बिचित्रा नार्जरी, कोकराझाड़ के द पीपल्स एंड एनजीओ के सलाहकार मनेश्वर दैमारी, अध्यक्ष नबो कुमार बसुमातारी मौजूद थे। एमईडीपी प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), असम क्षेत्रीय कार्यालय, गुवाहाटी द्वारा द पीपल्स एंड एनजीओ, कोकराझाड़ को स्वीकृत किया गया था। प्रशिक्षण 30 परिपक्व सेल्फ हेल्प

ग्रुप (एसएचजी) को दिया जाना है और यह 15 दिनों का होगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य परिपक्व एसएचजी सदस्यों को सूक्ष्म उद्यमों में स्नातक करने में मदद करना है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के जरिए यह उम्मीद जतायी जा रही है कि एसएचजी सदस्य सिलाई को आजीविका के साधन के रूप में अपनाएंगे और नए सूक्ष्म उद्यम शुरू करेंगे। वर्ष 2022-23 के लिए, नाबार्ड, असम क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा कुल 4 एमईडीपी, एक आजीविका उद्यम विकास कार्यक्रम (एलईडीपी) और एक कौशल विकास कार्यक्रम को मंजूरी दी गई थी। कोकराझाड़ जिला के 270 एसएचजी सदस्यों और 30 बेरोजगार युवाओं को इसका लाभ मिलेगा।

सड़क-निर्माण में धांधली का आरोप, प्रदर्शन

नगरबेड़ा (निसं)। चेंगा विधानसभा क्षेत्र के तहत कासेमपुर से अडुरीपारा बाजार तक सड़क निर्माण में धांधली का आरोप लगा है। सड़क निर्माण के लिए ठेकेदार ज्योतिराज डेका को काम सौंपा गया है। डेका एसओपीडी के तहत पक्के सड़क का निर्माण करवा रहा है, लेकिन डेका पर काम में अनियमितताएं का आरोप लगा हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ठेकेदार बिना रोलर और सड़कों पर बिना पानी के काम कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने यहां तक आरोप लगाया है कि उन्होंने नदी की रेत को लेकर सड़क का निर्माण में रेत को सेंट ग्रेबल के साथ मिला दिया। शिकायत के अनुसार, जब ठेकेदार को स्थानीय लोगों ने इसका विरोध किया तो ठेकेदार ने स्थानीय लोगों को धमकी भी दी। हैरान करने वाली बात यह है कि धुरंधर ठेकेदार ज्योतिराज डेका जनता की शिकायतों की परवाह नहीं करते और धनबल के जरिए लोगों को डरा धमकाकर निम्नस्तर का कार्य करता रहता है। स्थानीय लोगों ने ठेकेदार के खिलाफ नारेबाजी की और सरकार से इस ओर हस्तक्षेप की मांग की।

प्रेमिका ने शादी से किया इनकार, प्रेमी ने फेसबुक पर लाइव आकर दी जान

कछार। एक 27 वर्षीय युवक ने अपनी प्रेमिका को दोषी ठहराते हुए और फेसबुक लाइव कर आत्महत्या कर ली. युवक वीडियो में बार- बार अपने परिवार से माफी मांग रहा था। युवक असम के कछार के कलाईन का रहने वाला था। मामले की जानकारी होने पर युवक का परिवार सदमें में चला गया। युवक की पहचान जयदीप रॉय की रुप में हुई है। मेडिकल सेल्स के रुप में कार्य करता था। जानकारी के अनुसार युवक सिलचर में किराए के कमरे में रहता था। वहीं उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जबकि उनका परिवार पास के कलैन में रहता था। युवक ने फेसबुक लाइव कर रहा है। मैंने अपनी प्रेमिका को शादी के लिए प्रस्ताव भेजा था, लेकिन सबके सामने उसने इनकार कर दिया। बाद में उसके चाचा मेरे पास आए और कहा कि वे उसे हमारे रिश्ते के कारण मार देंगे. अब मैं इस दुनिया को छोड़ रहा हूं ताकि वह मेरी वजह से परेशान न हो। युवक ने आगे कहा कि मैं अपनी मां, चाचा, चाची, बहन, बड़े भाई, भतीजी और से सॉरी बोल रहा हूं। मैं आप सभी से प्यार करता हूं, लेकिन मैं अपनी गर्लफ्रेंड से ज्यादा प्यार करता हूं और मैं उसके बिना नहीं रह सकता। मामले में युवक के बड़े भाई रूपम रे ने कहा कि हमारा परिवार गहरे सदमे में है और हमें समझ नहीं आ रहा है कि क्या करें। इसलिए हमने अब तक कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की है. आज हम सिलचर पुलिस स्टेशन जाएंगे और मामला दर्ज कराएंगे। युवक ने भाई ने कहा मेरा भाई एक अच्छा इंसान था और हमारे पूरे परिवार की देखभाल कर रहा था। वह अच्छा कमाता था, इसलिए मुझे समझ नहीं आता कि क्या किया जाए। समस्या महिला के परिवार के लिए था। उसके चाचा ने उसे जान से मारने की धमकी दी।

मंत्री किसान से मिला विहंगम योग का प्रतिनिधिमंडल, तिनसुकिया गौशाला पर चर्चा

गुवाहाटी (विभास)। विहंगम योगा इंस्टीट्यूट ऑफ काउ मैनेजमेंट के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज तिनसुकिया के विधायक और मंत्री संजय किसान से मुलाकात की। इसमें अध्यक्ष चंद्रप्रकाश शर्मा, सलाहकार एवं हिंदीभाषी डेवलपमेंट काउंसिल के अध्यक्ष तथा पत्रकार शुभम अग्रवाल शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री से तिनसुकिया में निर्माणाधीन महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव गौशाला के निर्माण के अलावा जिले में गौ संरक्षण एवं संवर्द्धन के जरिए युवाओं को रोजगार के वैकल्पिक अवसर प्रदान करने की संभावनाओं और प्रकल्पों पर भी विस्तार से चर्चा की। मंत्री किसान ने इस संदर्भ में हर संभव मदद का भरोसा दिलाने के साथ ही शंकरदेव गौशाला परिसर में स्थापित की जाने वाली वीर बिरसा मुंडा की मूर्ति अपनी और से प्रदान करने की बात भी कही। मालूम हो कि विहंगम योग के तत्वावधान में तिनसुकिया में बनायी जा रही गौशाला का उद्घाटन मंत्री किसान द्वारा ही किया गया था।

सोनतली में आगजनी में 10 से अधिक दुकानें स्वाहा, लाखों का नुकसान

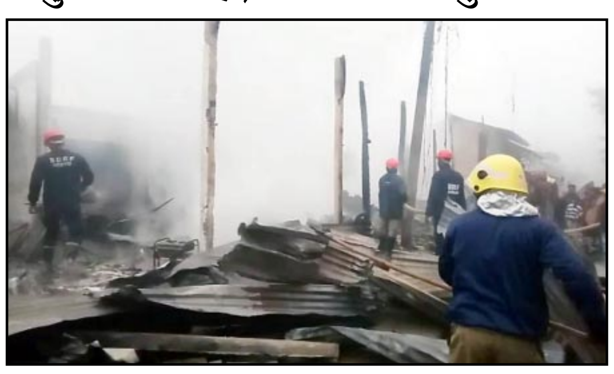

नगरबेड़ा (निसं)। कामरूप जिले के सोनतली के डेकासांग बाजार में गुरुवार रात भीषण आग लग गई। इस आग सें 10 से ज्यादा दुकानें जलकर खाक हो गईं। आगजनी से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग तड़के 3.30 बजे लगी आग का कारण शॉटसर्किट बताया गया है। आसपास फायर ब्रिगेड की सुविधा नहीं होने के कारण फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर काफी देर से पहुंची। अतः उल्लेखित क्षेत्रों में फायर ब्रिगेड केंद्र का मांग की है। खबरों के मुताबिक, बाजार में हफीजुर्रहमान की कपड़ों की दुकान, अतोवार रहमान की मोबाइल की दुकान, अयूब अली, यूसुफ अली और अकबर अली की मोटर रिपेयरिंग शॉप, अबू नसीब की हार्ड वेयर की दुकान और मोहिदुल इस्लाम की इलेक्ट्रॉनिक दुकाने पूरी तरह से जलकर खाक हो गई। दूसरी ओर जहीरुल इस्लाम की फार्मेसी, हमीदुल इस्लाम की सीएसपी, नसीब अली का मोटर गैराज, रुबुल अली की मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान, कमाल उद्दीन की फार्मेसी की दुकान, इज्जत अली की नेट शॉप और अब्दुल अजीज की कपड़ों की दुकान है।

असम साहित्य सभा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष से मिला फैंसी बाजार साहित्य सभा का प्रतिनिधिमंडल

गुवाहाटी (हि.स.)। राजधानी गुवाहाटी के वृहत्तर फैंसी बाजार साहित्य सभा का एक प्रतिनिधिमंडल ने असम साहित्य सभा के नव निर्वाचित अध्यक्ष सूर्य कांत हजारिका के निजी कार्यलय में उपस्थित होकर उनके साथ एक बैठक की। वृहत्तर फैंसी बजार साहित्य सभा की ओर से सबसे पहले मंत्री घनश्याम लडिया (पूर्व अध्यक्ष, भारत तिब्बत सहयोग मंच, असम) ने उद्देश्य व्याख्या की और अध्यक्ष डॉ. श्यामसुंदर हरलालका (उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन) ने असमिया गमछा पहनाकर एवं पुस्तक प्रदान कर उनका अभिनन्दन किया। वहीं सह मंत्री नारायण खाखोलिया (पूर्व अध्यक्ष, श्री मारवाड़ी हिंदी पुस्तकालय) ने लड्डू खिलाकर खुशी जाहिर की। इस दौरान कई विषयों पर चर्चा हुई। उनमें प्रमुख रूप से असमिया साहित्य का हिंदी और अंग्रेज़ी एवं भारत के अन्य प्रांतों की

भाषाओं में अनुवाद हो, उसके साथ ही गीता- प्रेस एवं प्रेस के संस्थापक भाईजी हनुमान प्रसाद पोद्दार को लेकर चर्चा हुई। इस मौके पर कोषाध्यक्ष प्रेम कुमार शाह (असमीया गीत-संगीत के प्रायोजक) और कार्यकारिणी सदस्य डॉ. हरि प्रसाद गोयनका (प्रो रवींद्रनाथ ठाकुर विश्वविद्यालय, होजाई) मौजूद थे।

रोटरी क्लब ने छात्राओं में बांटे सेनेटरी पैड्स

गुवाहाटी। रोटरी क्लब ऑफ गुवाहाटी वेस्ट द्वारा राष्ट्रभाषा प्रभाकर एम ई हिंदी विद्यालय, भंगागाढ़-राजगढ़ रोड स्थित सरकारी विद्यालय में सेनेटरी पैड्स का वितरण एवं उपयोग के साथ ही जागरूकता अभियान चलाया गया। ज्ञातव्य हो रोटरी क्लब ऑफ गुवाहाटी वेस्ट समय समय पर इस तरह का कार्यक्रम जैसा कि डेंटल चेक अप, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर और बच्चीयों के लिए सेनेटरी पैड्स का वितरण समय-समय पर करता रहता है। इस बार इस हिंदी विद्यालय में कक्षा छह से लेकर आठवीं तक की छात्राओं के बीच पैड्स वितरण किया गया। इस विद्यालय में पढ़ने बाले अधिकांश बच्चे आर्थिक रूप से पिछड़ा और साधारण परिवार से आतें हैं। इन छात्र छात्राओं का डेंटल चेक अप आंखों का जांच सहित स्वास्थ्य परीक्षण का दायित्व रोटरी क्लब ऑफ गुवाहाटी वेस्ट ने लिया है। इसी क्रम में आज कक्षा छह सात और आठवीं के 66 छत्राओं के बीच किया गया। इसका समस्त खर्च रोटेरियन विक्रम डिडवानिया ने दिया है। इस कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष प्रेम कांत चौधरी, रोटेरियन, संजय कुमार अग्रवाल, दीपज्योति दास साथ ही विद्यालय के प्रधानाध्यापक ललित कुमार झा, सहायक शिक्षिका मानसी दास उपस्थित थीं।

मासिक धर्म पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

गुवाहाटी। अटल सेवा सप्ताह के तहत भारतीय अटल सेना राष्ट्रवादी महिला मोर्चा की ओर से मासिक धर्म पर शुक्रवार को जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महानगर के रिहाबाड़ी स्थित बानीकात मेमोरियल एचएस स्कूल मैं संस्था की प्रांतीय अध्यक्ष संतोष शर्मा के नेतृत्व में छात्राओं के बीच मासिक धर्म पर जागरूकता अभियान चलाते हुए उनके बीच सैनिटरी नैपकिन पैड का वितरण किया गया। इस दौरान करीब डेढ़ सौ छात्राओं के बीच किट का वितरण किया गया, जिसमें सैनिटरी नैपकिन पैड, सैनिटाइजर, मास्क आदि शामिल थे। इस मौके पर देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के आदर्श पर कविता पाठ भी किया गया। संस्था की ओर से विद्यालय में कार्यरत सभी शिक्षकों का भी अभिनंदन किया गया। इस कार्य को सफल बनाने में प्रांतीय अध्यक्ष संतोष शर्मा, महामंत्री डिंपल शर्मा, संजू शर्मा, संयोजिका रजनी शर्मा, रेखा गोयल, मीना सोनी के अलावा निर्मला पारीक, सपना सराफ, ममता शर्मा, मधु लुनिया, मीना पोद्दार, अनीता गुप्ता, कविता बेड़िया, गुलाब डुग्गड़, शांति कुंडलिया, बिना जैन, दीपिका अग्रवाल, सरोज शर्मा, अनीता अग्रवाल आदि सदस्याओं सहित शिक्षिका रेखा अग्रवाल का विशेष सहयोग रहा।

पीएम की मां के निधन पर प्रदेश भाजपा ने जताया शोक

गुवाहाटी (हि.स.)। त्याग, स्नेह और करुणा से भरे जीवन की यात्रा पूरी करने वाली हीराबेन के स्वर्गवास होने पर असम भाजपा ने शोक व्यक्त किया है। असम प्रदेश भाजपा मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन से जारी एक बयान में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भवेश कलिता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निधन पर अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा है कि हीराबेन ने जीवन यात्रा की कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी मूल्यों और ईश्वर में अटूट विश्वास के साथ हमेशा काम करके हर नागरिक के लिए एक महान और प्रेरणादायक उदाहरण स्थापित किया। कलिता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई दामोदरदास मोदी और उनके परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और उनकी मां की दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी की मां हीराबेन का शुक्रवार तड़के 3.30 बजे अहमदाबाद के एक अस्पताल में निधन हो गया।

बाक्सा में आरईसी ने आयोजित किया बिजली उत्सव

बाक्सा। भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय के अधीन महारत्न कंपनी आरईसी लिमिटेड ने आजादी का अमृत महोत्सव के तहत हाल ही में बक्सा जिले के आनंदपुर गांव और आसपास के गांवों में बिजली उत्सव का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में यूटिलिटी अधिकारियों द्वारा बिजली के उपभोक्ता अधिकारों, बिजली के लाभों और दूरदराज के क्षेत्रों में विद्युतीकरण के दौरान आने वाली चुनौतियों और बिजली की पहुंच के साथ जीवन की गुणवत्ता में सुधार पर प्रकाश डाला गया। बिजली के उपभोक्ता अधिकार, ऊर्जा संरक्षण और बिजली के लाभ जैसे विषयों पर जानकारी प्रदान करने के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार के रूप में एलईडी बल्बों के वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।आरईसी लिमिटेड के बारे मेंयह पूरे भारत में विद्युत क्षेत्र के वित्तपोषण और विकास पर ध्यान केंद्रित करने वाली एक एनबीएफसी है। साल 1969 में स्थापित, आरईसी लिमिटेड ने अपने संचालन के क्षेत्र में पचास वर्ष पूरे कर लिए हैं। यह राज्य बिजली बोर्डों, राज्य सरकारों, केंद्रीय/राज्य बिजली यूटिलिटीज, स्वतंत्र बिजली उत्पादकों, ग्रामीण विद्युत सहकारी समितियों और निजी क्षेत्र की यूटिलिटीज को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने पं. बंगाल को दी वंदे भारत समेत 7800 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात

कोलकाता, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक बार फिर शुक्रवार को जनता के प्रति सेवा और समर्पण की अनूठी मिसाल पेश की। सुबह के समय मां हीरा बा के निधन के बावजूद उन्होंने पश्चिम बंगाल के लिए पूर्व निर्धारित कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से शामिल होकर राज्य को पूर्वी भारत की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस समेत रेलवे की कई परियोजनाओं के साथ 7800 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की सौगात दी। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आज प्रधानमंत्री को कोलकाता आना था, जहां हावड़ा स्टेशन पर उनका मूल कार्यक्रम आयोजित था। इस बीच सुबह के समय जब हीरा बा के निधन की खबर आई तो इस बात के कयास लगाए जा रहे थे कि कार्यक्रम को टाला जा सकता है।

हालांकि थोड़ी देर बाद ही आधिकारिक तौर पर बताया गया कि प्रधानमंत्री वर्चुअल तरीके से कार्यक्रम में शामिल होंगे। इधर मां के अंतिम संस्कार के बाद पूर्वाह्न करीब 11:00 बजे प्रधानमंत्री मोदी अहमदाबाद के राज भवन जा पहुंचे। वहां वर्चुअल माध्यम से वह कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के संबोधन के बाद पूर्वी भारत की पहली बहुप्रतीक्षित वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इसके साथ ही उन्होंने कई अन्य परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया। हावड़ा न्यू जलपाईगुड़ी के बीच ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के बाद अपने सम्बोधन में उन्होंने बंगाल की जनता से माफी मांगते हुए कहा कि वह निजी कारणों से कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके, इसके लिए वह क्षमा प्रार्थी हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, "मुझे पश्चिम बंगाल आना था लेकिन निजी कारणों से मैं वहां नहीं आ सका। मैं बंगाल के लोगों से माफी मांगता हूं।" उन्होंने आगे कहा, "बंगाल की पुण्य धरती को आज मेरे लिए नमन करने का अवसर है। बंगाल के कण-कण में आजादी का इतिहास समाया हुआ है। जिस धरती से वंदे मातरम का जय घोष हुआ वहां वंदे भारत को हरी झंडी दिखाई गई।" मोदी ने कहा, "आज इतिहास में 30 दिसंबर की तारीख का बड़ा महत्व है। 30 दिसंबर, 1943 में नेताजी सुभाष में अंडमान में तिरंगा फहराकर भारत की आजादी का बिगुल फूंका था। इस घटना के 75 वर्ष होने पर साल 2018 में मैं अंडमान गया था और नेताजी के नाम पर एक द्वीप का नामकरण भी किया था।"

जोका-तारातला मेट्रो लाइन का किया उद्घाटन - कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजधानी कोलकाता की बहुप्रतीक्षित नवनिर्मित जोका-तारातला मेट्रो लाइन का उद्घाटन भी किया। जोका, ठाकुरपुकुर, शाखेर बाजार, बेहाला चौरास्ता, बेहाला बाजार और तारातला जैसे छह स्टेशनों वाले 6.5 किलोमीटर के खंड के निर्माण में 2475 करोड़ रुपये की लागत आई है।

चार अन्य रेल परियोजनाओं का उद्घाटन - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से ही राज्य में चार और रेल परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया। इनमें बोइंची-शक्तिगढ़ तीसरी लाइन, डानकुनी-चंदनपुर चौथी लाइन, निमतिता-न्यू फरक्का डबल लाइन और अम्बारी फालाकाटा-न्यू मयनागुड़ी-गुमानीहाट दोहरीकरण परियोजनाएं शामिल हैं। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने 335 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित किए जाने वाले न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की भी आधारशिला रखी। इसके बाद प्रधानमंत्री को दूसरी राष्ट्रीय गंगा परिषद की बैठक में भी शामिल होना है। इसके लिए यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव पहले से ही कोलकाता में मौजूद हैं।

बूस्टर डोज लगवा चुके लोगों को नेजल वैक्सीन नहीं लेना चाहिए स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा

नई दिल्ली (ईएमएस)। चीन में बढ़ते कोरोना संक्रमण के मामलों के बीच केंद्र ने भारत बायोटेक की नेजल वैक्सीन इकोवेक को बूस्टर डोज के रूप में मंजूरी दे दी है। कोविन प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध इस वैक्सीन को 18 साल से ज्यादा उम्र के लोग बूस्टर डोज के तौर पर लगवा सकते हैं। केंद्र ने इस वैक्सीन की कीमत भी तय कर दी है। नाक से ली जाने वाली इस वैक्सीन को क्या चौथे डोज के रूप में लगवा सकते हैं इस लेकर एक्सपर्ट्स का मानना है कि चौथा डोज लेना फायदेमंद नहीं होगा। कोविड वर्किंग ग्रुप के अध्यक्ष डॉक्टर एनके अरोड़ा ने बताया कि इंट्रानेजल वैक्सीन पहले बूस्टर के तौर पर लगाई जा सकती है। अगर किसी व्यक्ति को पहले से ही प्रिकॉशनरी डोज लग चुकी है तब वहां इंट्रानेजल वैक्सीन के लिए उपलब्ध नहीं होगा। ये वैक्सीन उनके लिए ही है जिन्होंने प्रिकॉशनरी डोज अभी तक नहीं लिया है। डॉ. अरोड़ा ने बताया कि कोविन प्लेटफॉर्म किसी भी तरह की चौथी डोज नहीं स्वीकार करेगा। उन्होंने कहा अगर आप चौथा डोज लेना चाहते हैं तब वहां इतना कारगर नहीं होगा। जब कोई व्यक्ति बार-बार वैक्सीन लगवाता है तब उसका शरीर उस एंटीजन के लिए प्रतिक्रिया देना बंद कर देता है। या उसका उतना असर नहीं होता है। इसकारण वैक्सीन 6 महीने के अंतराल में दी जाती है। लेकिन बाद में लोगों ने इस 3 माह के अंतराल पर लेना शुरू कर दिया। उसका उतना पॉजिटिव असर देखने को नहीं मिला। इसलिए अभी चौथा डोज लेना उतना फायदेमंद नहीं होगा। इसके अलावा प्रोफेसर विकास मिश्रा ने बताया कि जिन्होंने वैक्सीन की दोनों डोज और उसके बाद बूस्टर डोज लगवा ली हैं वहां भूलकर भी चौथे डोज के रूप में नेजल वैक्सीन को न लें। ऐसा करने पर एंटीजन सिंक फिनोमेना हो सकता है। मतलब यह कि शरीर में अत्यधिक एंटीजन होने से उसके खिलाफ एंटीबॉडी नहीं बन पाएगी। इसके बाद कोरोना वायरस हमला करेगा तो एंटीबॉडी उस एंटीजन की पहचान नहीं करा पाएगा इससे कोरोना वायरस से संक्रमित होने का खतरा रहेगा। केंद्र सरकार ने नेजल वैक्सीन को कोविन प्लेटफॉर्म पर लिस्ट कर दिया है और बूस्टर डोज के रूप में लेने के लिए मंजूरी भी दे दी है।

गणतंत्र दिवस परेड में दिखेगी मानसखंड पर आधारित झांकी

देहरादून, (हि.स.)। गणतंत्र दिवस परेड-2023 के लिए उत्तराखंड राज्य की झांकी का चयन हो गया है। गणतंत्र दिवस के अवसर पर नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर उत्तराखंड के मानसखंड पर आधारित झांकी दिखेगी। सूचना विभाग की ओर से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मार्गदर्शन के उपरान्त मानसखंड पर आधारित झांकी प्रस्तावित की गई थी।

सूचना विभाग के महानिदेशक बंशीधर तिवारी ने बताया कि केन्द्र सरकार की ओर से अंतिम रूप से इस बार नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड में मानसखंड की झांकी का प्रदर्शन करने की स्वीकृति प्रदान की गई है। उन्होंने बताया कि झांकी के अग्र और मध्य भाग में कार्बेट नेशनल पार्क में विचरण करते हुए हिरन, बारहसिंघा, घुरल, मोर और उत्तराखंड में पाये जाने वाले विभिन्न पक्षियों व झांकी के पृष्ठ भाग में प्रसिद्ध जागेश्वर मन्दिर समूह तथा देवदार के वृक्षों को दिखाया जायेगा। साथ ही उत्तराखंड की प्रसिद्ध लोक कला ऐपण का भी झांकी के मॉडल में समावेश किया गया है। झांकी के साथ उत्तराखंड की लोक संस्कृति को प्रदर्शित करने के लिए छोलिया नृत्य का दल सम्मिलित होगा। झांकी का थीम सांग उत्तराखंड की लोक संस्कृति पर आधारित होगा। उल्लेखनीय है कि गणतंत्र दिवस की झांकी के लिए लगभग 27 राज्यों ने अपने प्रस्ताव सरकार को प्रेषित किये थे, जिसमें 16 राज्यों का ही अंतिम चयन हुआ है। सूचना विभाग के नोडल अधिकारी व संयुक्त निदेशक केएस चौहान की ओर से झांकी का डिजाइन, थ्री-डी मॉडल तथा संगीत के संदर्भ में रक्षा मंत्रालय के अधीन गठित विशेषज्ञ समिति के सम्मुख नई दिल्ली में 7 बार प्रस्तुतिकरण करने के उपरांत उत्तराखंड राज्य का अंतिम चयन हुआ है। उत्तराखंड राज्य की अभी तक गत वर्षों में 13 झांकियों एवं उत्तराखंड की कला एवं संस्कृति का प्रदर्शन कर्तव्य पथ पर किया गया है। इनमें वर्ष 2003 में फुलदेई, वर्ष 2005 में नंदा राजजात, वर्ष 2006 में फूलों की घाटी, वर्ष 2007 में कार्बेट नेशनल पार्क, वर्ष 2009 में साहसिक पर्यटन, वर्ष 2010 में कुम्भ मेला हरिद्वार, वर्ष 2014 में जड़ीबूटी, वर्ष 2015 में केदारनाथ, वर्ष 2016 में रम्माण, वर्ष 2019 में अनाशक्ति आश्रम, वर्ष 2021 में केदारखंड तथा वर्ष 2022 में प्रगति की ओर बढ़ता उत्तराखंड सम्मिलित है। झांकी का निर्माण 31 दिसम्बर से सूचना विभाग के संयुक्त निदेशक व नोडल अधिकारी केएस चौहान के दिशा-निर्देशन में राष्ट्रीय रंगशाला शिविर नई दिल्ली में किया जायेगा। झांकी के साथ उत्तराखंड की संस्कृति को प्रदर्शित करने के लिए उत्तराखंड का प्रसिद्ध छोलिया नृत्य का ग्रुप 13 जनवरी, 2023 को राष्ट्रीय रंगशाला शिविर नई दिल्ली के लिए प्रस्थान करेगा।

राजीव चौक स्टेशन पर 31 दिसंबर को रात 9 बजे बंद होंगे एग्जिट गेट

अजय कुमार

नई दिल्ली। नए साल की पूर्व संध्या पर भीड़भाड़ को कम करने के लिए राजीव चौक मेट्रो स्टेशन से रात 9 बजे के बाद बाहर निकलने की अनुमति नहीं होगी। राजीव चौक मेट्रो स्टेशन से आखिरी ट्रेन के छूटने तक यात्रियों की एंट्री होगी। यह जानकारी डीएमआरसी की ओर से शुक्रवार को दी गई है। डीएमआरी के इस ऐलान के बाद यात्रियों को नए सिरे से यात्रा की प्लानिंग करनी होगी। दरअसल, नए साल के जश्न के दौरान दिल्ली के राजीव चौक इलाके के पास काफी भीड़ हो जाती है। इसी को देखते हुए

डीएमआरसी ने यह फैसला किया है। नए साल के जश्न मनाने के लिए दिल्ली के कई इलाकों पर भारी पुलिस बल तैनात रहेगा। ऐसे मौके पर कोई कानून को हाथ में ना ले इसके लिए पुलिस ने कमर कस ली है। राजीव चौक इलाके पर ही पुलिस ने खास प्लानिंग की है।

शैक्षणिक संस्थानों में यौन उत्पीड़न पर राष्ट्रीय महिला आयोग ने जताई चिंता, राज्यों को लिखा पत्र

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग ने कोचिंग एवं शैक्षणिक संस्थानों में यौन उत्पीड़न की घटनाओं को लेकर चिंता जताई है। आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने शुक्रवार को इसी संबंध में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर अधिकारियों को कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न को रोकने के लिए नियमों को सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया है। आयोग ने अपने पत्र में यह भी अनुरोध किया है कि सभी कोचिंग संस्थानों को छात्राओं के यौन उत्पीड़न को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए। आयोग ने सभी हितधारकों के बीच कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न अधिनियम, 2013 पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश देने के लिए भी कहा है। ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि काम पर यौन उत्पीड़न के मामले जिम्मेदारी से और प्रभावी ढंग से रिपोर्ट किए जाएं। आयोग ने यह भी कहा है कि यह सुनिश्चित किया जाए कि ये कोचिंग सेंटर संबंधित अधिकारियों के पास पंजीकृत हों। आयोग ने यह भी अनुरोध किया है कि केंद्रों को चलाने के लिए जिम्मेदार लोगों की पृष्ठभूमि की जांच की जाए और ये सभी कोचिंग एवं शैक्षणिक संस्थान छात्राओं के लिए एक सुरक्षित वातावरण तैयार करें।

स्वास्थ्य मंत्री ने कफ सिरप ही नहीं पूरा प्रोडक्शन बंद करने का दिया निर्देश

नई दिल्ली (ईएमएस)। उज्बेकिस्तान में भारतीय कफ सिरप से बच्चों की मौत का दावा किया जा रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय इस पूरे मामले पर अपनी नजर बनाए हुए है। स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ट्विटर के जरिए मामले को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की टीम ने खांसी की दवाई डॉक-1 मैक्स में अशुद्धि की रिपोर्ट के मद्देनजर मैरियन बायोटेक की सभी दवाओं के उत्पादन को 29 दिसंबर रात से रोक लगा दी है। इस मामले में आगे की जांच जारी है। उज्बेकिस्तान में 18 बच्चों की कथित तौर पर खांसी की दवाई से मौत के बाद से नोएडा की कंपनी मैरियन बायोटेक सवालों के घेरे में है। उज्बेकिस्तान के इस दावे के बाद भारत सरकार अलर्ट हो गई है। केंद्र की सरकार ने उज्बेकिस्तान में बच्चों

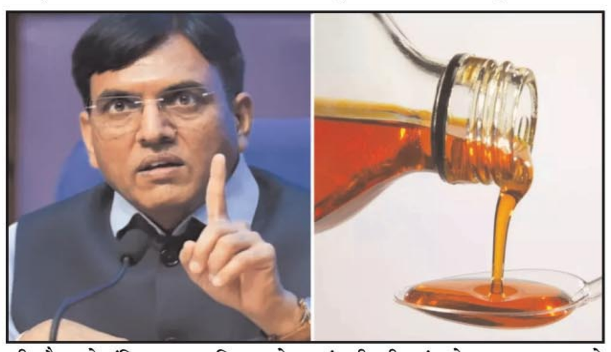

की मौत को इंडियन कफ सिरप से जोड़ने के बाद हताहत होने वाले बच्चों को लेकर रिपोर्ट मांगी है। उज्बेकिस्तान में 18 बच्चों की कथित मौत के दावों को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य विभाग इस मामले में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरतना चाहता। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया खुद इस मामले पर नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने कहा था कि दवा कंपनी की जांच के आधार पर आगे कदम उठाया जाएगा। उज्बेकिस्तान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने आरोप लगाया है कि बच्चों की मौत डॉक-1 मैक्स दवा पीने से हुई। उत्तर प्रदेश सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि मैरियन बायोटेक कंपनी भारत में खांसी की दवा डॉक -1 मैक्स नहीं बेचती और इसका निर्यात केवल उज्बेकिस्तान को किया गया है।

वर्कला शिवगिरी के विकास के लिए केंद्र सरकार पूरी तरह अग्रसर : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार सुबह आयोजित बैठक का उद्घाटन किया। केंद्रीय मंत्री सिंह ने घोषणा की कि वर्कला शिवगिरी के विकास के लिए केंद्र की 70 करोड़ की परियोजना को जल्द से जल्द पूरा होगा। समारोह की अध्यक्षता श्री नारायण धर्म संघम ट्रस्ट के अध्यक्ष स्वामी सच्चिदानंद ने की। केंद्रीय रक्षा मंत्री सिंह ने दो मिनट का मौन रखा और प्रधानमंत्री मोदी की मां हीराबेन मोदी को श्रद्धांजलि दी जिनका शुक्रवार की सुबह 100 वर्ष की आयु में निधन हो गया। केंद्रीय रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि पीएम मोदी की मां हीराबेन मोदी का शुक्रवार सुबह निधन हो गया। पीएम मोदी ने कहा कि कोई भी कहीं भी अपना कोई भी कार्यक्रम रद्द नहीं करेगा और अपने कार्यक्रम पूरे होने के बाद ही दिल्ली लौटेगा। मैं उन्हें श्रद्धांजलि देता हूं। रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि भारत अपने पड़ोसियों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध रखना और बनाए रखना चाहता है लेकिन यह राष्ट्रीय सुरक्षा की कीमत पर नहीं किया जाएगा। यहां शिवगिरि मठ की 90वीं वार्षिक तीर्थयात्रा के दौरान सिंह ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की उस टिप्पणी को याद किया जिसमें

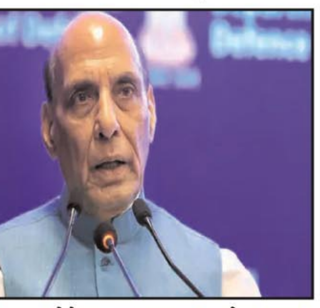

उन्होंने कहा था कि हम दोस्त बदल सकते हैं लेकिन पड़ोसी नहीं। रक्षा मंत्री ने कहा कि इसलिए हमें अपने पड़ोसियों के साथ अच्छे और मैत्रीपूर्ण संबंधों की जरूरत है। हालांकि हम अच्छे संबंध बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेंगे। हम अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा की कीमत पर किसी के साथ अच्छे संबंध नहीं चाहते हैं।

डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने पीएम मोदी की मां के निधन पर जताया दुख

अजय त्यागी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां हीराबेन के निधन पर दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने दुख जताया है। डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने पीएम मोदी के मां के निधन पर ट्वीट कर दुख जताया और लिखा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माता हीराबेन के देहांत की खबर बेहद दुखद है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां हीराबेन का शुक्रवार को तड़के सुबह 3.30 निधन हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट करके मां के निधन की जानकारी दी। उन्होंने ट्वीट किया शानदार शताब्दी का ईश्वर चरणों में विराम... मां में मैंने हमेशा उस त्रिमूर्ति की अनुभूति की है जिसमें एक तपस्वी की यात्रा निष्काम कर्मयोगी का प्रतीक और मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध जीवन समाहित रहा है। एक और

ट्वीट में पीएम मोदी ने लिखा मैं जब उनसे 100वें जन्मदिन पर मिला तो उन्होंने एक बात कही थी जो हमेशा याद रहती है कि કામ કરો બુદ્ધિથી જીવન જીવો શુદ્ધિથી यानि काम करो बुद्धि से और जीवन जियो शुद्धि से। 100 साल की हीराबेन ने अहमदाबाद के यूएन मेहता अस्पताल में अंतिम सांस ली। हीराबेन को मंगलवार की शाम को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पीएम की मां हीराबेन को मंगलवार को अचानक से सांस लेने में दिक्कत होने लगी थी। इसके अलावा उन्हें कफ की शिकायत भी थी। इसके बाद उन्हें आनन-फानन में अहमदाबाद के यूएन मेहता अस्पताल के कार्डियोलॉजी एंड रिसर्च सेंटर में भर्ती करा दिया गया था। डॉक्टरों ने उनकी मां का एमआरआई और सीटी स्कैन किया। गुरुवार को अस्पताल की ओर से बयान जारी कर बताया गया था कि उनकी तबीयत में सुधार है लेकिन शुक्रवार तड़के सुबह उनका निधन हो गया।

यात्रा लाभ को वोट में बदलना अगली चुनौती होगी : थरूर

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में पार्टी की भारत जोड़ो यात्रा को लेकर लोगों की व्यापक पैमाने पर प्रतिक्रिया आई है। इसे वोटों में तब्दील करना अगली चुनौती है और यह स्वतः नहीं होगा। थरूर ने यह भी कहा कि यात्रा की सफलता से सरकार हिल गई है और उसके द्वारा लिखे गए उस पत्र से संकेत मिल रहा है कि वह इसकी सफलता को लेकर बेहद चिंतित है जिसमें कोविड -19के उपस्वरूप से उत्पन्न खतरों की चेतावनी दी गई है जो चीन से आया हो सकता है। थरूर ने हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ा था लेकिन वह चुनाव मल्लिकार्जुन खरगे से हार गए थे। थरूर ने कहा कि उनकी पार्टी को 2024 के आम चुनाव में चुनौती पेश करने के लिए अन्य दलों विशेष रूप से क्षेत्रीय दलों को साथ लेने की आवश्यकता होगी।

उन्होंने कहा कि उनका स्वयं का मानना यह है कि उनका जिस तरीके से लोगों द्वारा स्वागत किया जा रहा है वह उनकी छवि के लिए बहुत लाभकारी है। अब इसे वोटों में बदलना अगली चुनौती है और यह स्वयं से नहीं होगा। कोविड-19 के यात्रा के लिए खतरा उत्पन्न करने के बारे में पूछे जाने पर थरूर ने कहा कि यह यात्रा 26 जनवरी को समाप्त हो जाएगी और अब तक विशेषज्ञों से आने वाले संदेश काफी आश्वस्त करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि चीन में काफी क्षति पहुंचाने वाले स्वरूप की पहचान भारत में जून-जुलाई में पहले ही की जा चुकी है और कोई बड़ी आपदा नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि देश को अभी भी सतर्क रहने की जरूरत है। थरूर ने कहा कि सरकार हिल गई है राहुल को पत्र लिखकर यह कहना कि कोविड ने यात्रा को खतरनाक बना दिया था एक संकेत है कि वह उसकी सफलता को लेकर बेहद चिंतित है।

दिल्ली में नए साल पर हुड़दंगबाजी पड़ेगी बहुत भारी

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। भारत सहित दुनिया भर के लोग पिछले 2 सालों से कोरोना महामारी से त्रस्त थे और इस दौरान हर त्योहार-उत्सव डर के साये के साथ-साथ बंदिशों के बीच लोगों ने सेलिब्रेट किया। वहीं इस साल कोरोना महामारी से उबर कर जन-जीवन सामान्य होने लगा तो लोग इस डर के साये से निकलने लगे और सरकारी बंदिशें भी हट गईं। इसके बाद हर पर्व-त्योहार पूरी खुशी और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाने लगा। अब मौका है 2022 के जाने और नए साल के स्वागत का जिसे भी पूरे जोश और उत्साह के साथ मनाने की तैयारी है। इसी को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने भी खास तैयारी कर रखी है जिससे

कि लोग इस खास दिन को दिल खोल कर एन्जॉय कर सकें लेकिन उनकी वजह से नए साल के स्वागत में कोई खलल न पड़े। इसके लिए दिल्ली पुलिस के पर्याप्त सुरक्षा के इंतजाम किए हैं। इस बारे में जानकारी देते हुए स्पेशल सीपी दीपेंद्र पाठक ने कहा कि दिल्ली वालों के सेलिब्रेशन का एक बोनाफाइड डोमेन है उसको हम पूरी तरह से सुविधा प्रदान करेंगे लेकिन इस दौरान शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी दिल्ली के अंदर साढ़े 16 हजार से ज्यादा पुलिसकर्मियों को लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि जहां पर भीड़-भाड़ का इलाका है या हाई फुट फॉल का एरिया है वहां पर एंटी टेरर मेजरेस भी रहेंगे। उसमें स्पेशल सेल के साथ रियल टाइम कॉर्डिनेशन और डेप्लॉयमेंट के साथ मुकम्मल तैयारी लोकल पुलिस की है। जिग-जैग या स्टंट बाइकिंग वगैरह है इन सब पर भी नजर बना कर रखी जाएगी। दिल्ली पुलिस के स्पेशल सीपी ने अपनी और दिल्ली पुलिस के कमिश्नर की तरफ से सभी को न्यू ईयर विश करते हुए सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से नए साल के स्वागत की अपील भी की है।

सेना में थिएटर कमांड से पहले राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा रणनीति बनाने की जरूरतः जनरल नरवणे

- सेना एकीकृत थिएटर कमांड विकसित करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध

- एनएसएस और एनडीएस तैयार करने में चार साल से कोई प्रगति नहीं हो पाई

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय सेना के पुनर्गठन के चल रहे प्रयासों के बीच पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि थिएटर कमांड बनाने से पहले राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति, राष्ट्रीय रक्षा रणनीति और उच्च रक्षा संगठन होना आवश्यक है, इसके बाद ही हम इसके बारे में सोच सकते हैं। देश के पहले सीडीएस दिवंगत जनरल बिपिन रावत की पहल पर शुरू किये एकीकृत थिएटर कमांड में सेना के पुनर्गठन पर विचार-विमर्श के बीच जनरल नरवणे का यह बयान कई मायनों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जनरल नरवणे सेना की महार रेजिमेंट और यूनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडिया की ओर से आयोजित चतुर्थ जनरल केवी कृष्णा राव स्मारक व्याख्यान दे रहे थे। सेना के पुनर्गठन पर जनरल मनोज पांडे ने कहा कि इसके चार प्रमुख पहलू हैं, मानव संसाधन प्रबंधन, आधुनिकीकरण और प्रौद्योगिकी का समावेश, पुनसंतुलन और पुनर्गठन तथा संयुक्तता और बेहतर एकीकरण। उन्होंने कहा कि सेना का

थिएटराइजेशन करना पुनर्गठन का अंत नहीं है बल्कि इससे पहले राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति (एनएसएस) और राष्ट्रीय रक्षा रणनीति (एनडीएस) का बनाया जाना जरूरी है। जब तक यह नहीं होता, तब तक एकीकृत थिएटर कमांड के बारे में बात करना सिर्फ घोड़ा गाड़ी के आगे घास डालने जैसा ही है। उन्होंने कहा कि एनएसएस के साथ एक ऐसे उच्च रक्षा संगठन की भी आवश्यकता है, जो पूरे देश के दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करे और उसमें सभी संबंधित मंत्रालयों का प्रतिनिधित्व हो। जनरल नरवणे ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान मलायन अभियान और सिंगापुर के पतन की पृष्ठभूमि में थिएटर कमांड के बारे में बात की। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की अध्यक्षता में एक शीर्ष स्तरीय रक्षा योजना समिति की स्थापना 2018 में की गई थी, जिसे एनएसएस और एनडीएस तैयार करना था लेकिन अब तक इस पर कोई प्रगति नहीं हो पाई है। जनरल नरवणे ने कहा कि तय की गई रणनीति के तहत अन्य कूटनीतिक और राजनीतिक विचार हो सकते हैं, जो थिएटर कमांडरों को दी गई कार्रवाई की स्वतंत्रता को सीमित कर देंगे। इसके अलावा उन्होंने कहा कि एनएसएस, एनडीएस और एक उच्च रक्षा संगठन के बाद ही हम थिएटर कमांड के बारे में सोचना शुरू कर सकते हैं। हम अपने दम पर यह नहीं कह सकते कि हम दो-मोर्चों पर युद्ध लड़ना चाहते हैं। क्या किसी ने ऐसा कहा है या यह हमारी अपनी सोच है?ह्व भारतीय सेनाओं का पुनर्गठन करने के पीछे बहुत सारे विरासत संस्थानों को दूर करके उन्हें पुनर्गठित करने की मंशा है। उन्होंने कहा कि हम गैर-मुख्य कार्यों की आउटसोर्सिंग पर भी विचार कर रहे हैं। संयुक्तता और एकीकरण पर सेना प्रमुख ने कहा कि सेना एकीकृत थिएटर कमांड विकसित करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है और यही आगे बढ़ने का रास्ता है।

उप्र में दुर्दांत और ड्रग माफिया पर तेजी से चला पुलिस का हंटर

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को सुरक्षित और अपराध मुक्त माहौल देने के लिए जीरो टॉलरेंस नीति के तहत वर्ष 2022 में अपराध-अपराधियों के खिलाफ अभियान को और तेज कर दिया। इसी का नतीजा रहा कि वर्ष 2022 में कानून का शिकंजा माफिया और अपराधियों पर कसता चला गया और दुर्दांत माफियाओं, उनके शागिर्दों को सलाखों के पीछे धकेलने के साथ कई को दूसरी दुनिया में भेज दिया गया। अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई का सिलसिला यहीं नहीं थमा, वर्ष 2022 में प्रदेश में ड्रग माफिया के खिलाफ वृहद स्तर पर अभियान चलाया गया। इनके मूल विनाश के लिए एएनटीएफ (एंटी नारकोटिस टास्क फोर्स) का गठन किया गया। ताकि प्रदेश में अवैध नशे के कारोबार को पूरी तरह नेस्तनाबूत किया जा सके और ऐसा हुआ भी। वहीं दुर्दांत माफिया को प्रभावी पैरवी के चलते कोर्ट से आजीवन कारावास और दो की फांसी की सजा दिलाई गई। योगी सरकार के इन प्रयासों का ही नतीजा है कि वर्ष 2022 में प्रदेश में अपराध का ग्राफ काफी कम रहा है, जो हाल ही में एनसीआरबी द्वारा जारी आंकड़ों में भी देखने को मिला। मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर यूपी पुलिस ने वर्ष 2022 में यूपी पुलिस ने माफिया के गैंग के 896 सहयोगियों के खिलाफ 396 से अधिक मुकदमे दर्ज कर 431 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। 178 पर गुंडा एक्ट, गैंगस्टर में 884 और 13 आरोपियों के खिलाफ रासुका के तहत कार्रवाई की गई। साथ ही प्रदेश स्तर पर चिह्नित 62 माफिया की अवैध रूप से कमाई गई 26 सौ करोड़ से अधिक की संपत्ति को जब्त और ध्वस्त किया गया है। वहीं माफिया और उसके गैंग के सहयोगियों के 310 से अधिक शस्त्र लाइसेंस निरस्त किए गए। इतना ही नहीं प्रदेश के थाना स्तर पर 16 हजार 158 टॉप टेन अपराधियों को चिह्नित कर 83 हजार 721 मुकदमे दर्ज किए और उनके द्वारा अवैध रूप से कमाई गई 648 करोड़ से अधिक की संपत्ति जब्त की गई। साथ ही प्रदेश में 56 हजार 491 अपराधियों के विरुद्ध गैंगस्टर अधिनियम तथा 795 अपराधियों के विरुद्ध रासुका की कार्रवाई की गई। यूपी पुलिस ने प्रदेश में कानून का राज बनाए रखने के लिए प्रदेश में खौफ का पर्याय बने करीब आठ अपराधियों को एनकाउंटर में ढेर कर दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर यूपी पुलिस सिर्फ माफिया और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई ही नहीं कर रही, बल्कि उन्हें सजा भी दिलवा रही है। यूपी पुलिस, अभियोजन और शासन के आपसी तालमेल से कोर्ट में प्रभावी पैरवी कर पूरे देश में सर्वाधिक माफिया और अपराधियों को सजा दिलाई गई। यही नहीं सबसे कम समय में सजा दिलाने में भी उत्तर प्रदेश, देश में पहले स्थान पर रहा। पुलिस, अभियोजन और शासन ने मिलकर मुख्तार सहित 36 माफिया और उनके शागिर्दों को आजीवन कारावास और दो को फांसी की सजा दिलाई। वहीं प्रभावी पैरवी का ही नतीजा रहा कि कोर्ट ने माफिया मुख्तार को तीन माह के अंदर तीन बार सजा सुनाई। 21 सितंबर को इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंड पीठ ने साल 2003 में जेलर एसके अवस्थी को धमकाने के एक मामले में सजा सुनाई थी। वहीं 23 सितंबर को इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने 1999 में दर्ज हुए गैंगस्टर एक्ट के मामले में उसे पांच साल की सजा सुनाई थी। इतना ही नहीं 15 दिसंबर को गाजीपुर की एमएलए कोर्ट ने गैंगस्टर के पांच मामलों में माफिया मुख्तार और उसके सहयोगी भीम सिंह को 10 साल की सजा सुनाई। यूपी पुलिस की पैरवी से कोर्ट ने महिला एवं बाल अपराध के मामले में 36 अपराधियों को फांसी की सजा सुनाई, जबकि 1296 को आजीवन कारावास, 1263 को 10 वर्ष या उससे अधिक की सजा तथा 3676 को 10 वर्ष से कम की सजा सुनाई।

इस पर एनसीआरबी की रिपोर्ट में भी माना गया कि महिलाओं के खिलाफ अपराधों में सजा दिलाने में उत्तर प्रदेश, देश में पहले पायदान पर है। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में 59.1 प्रतिशत की दर से महिला संबंधित मामलों में कोर्ट से सजा सुनाई गई। साथ ही पॉक्सो अधिनियम तथा महिला अपराध के तहत 2273 अपराधियों को सजा दिलाई गई। मुख्यमंत्री योगी की मंशा के अनुसार प्रदेश में ड्रग माफिया और अवैध नशे के सौदागरों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया गया। साथ ही प्रदेश में ड्रग माफिया और अवैध नशे के सौदागरों की कमर तोड़ने के लिए पहली बार एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) का गठन किया गया। पहले चरण में दो थानों गाजीपुर और बाराबंकी में एएनटीएफ थाना खोला गया और तीन क्षेत्रीय शाखा मेरठ, लखनऊ और गोरखपुर जोन की स्थापना की गई है। ड्रग माफिया के खिलाफ 24 अगस्त से आठ सितंबर तक चले अभियान में पुलिस ने 2833 संदिग्ध आरोपियों को चिह्नित कर 2479 आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की और 2277 मुकदमे दर्ज किए। इन आरोपियों से पुलिस ने 39 करोड़ 68 लाख रुपये की बरामदगी की। गैंगस्टर अधिनियम के तहत 358 आरोपियों के खिलाफ 110 मुकदमे दर्ज किए गए और 35 करोड़ 14 लाख की संपत्ति जब्त की। साथ ही कोर्ट में पैरवी कर 188 आरोपियों को सजा दिलाई। वहीं पुलिस ने अवैध और जहरीली शराब के खिलाफ चले अभियान में 11,157 आरोपियों के खिलाफ 10,821 मुकदमे दर्ज किए और 11 करोड़ 16 लाख रुपये से अधिक की बरामदगी की है। इसके अलावा गैंगस्टर अधिनियम के तहत 319 आरोपियों के खिलाफ 101 मुकदमे दर्ज किए हैं। साथ ही कोर्ट में पैरवी कर 164 अपराधियों को सजा दिलाई गई है। गैंगस्टर अधिनियम के तहत करीब 20 करोड़ रुपये की अवैध सम्पत्ति जब्त की गई है। आबकारी अधिनियम के तहत 406 आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति का ही असर है कि वर्ष 2022 में प्रदेश में एक भी दंगा नहीं हुआ, जबकि देश के अन्य प्रदेशों की बात करें तो वह दंगों से अक्षुते नहीं रहे। वहीं पश्चिम बंगाल की बात करें तो यह राज्य वर्ष 2022 पूरी तरह से दंगाइयों की चपेट में रहा। मुख्यमंत्री मतता बनर्जी इन दंगों को रोकने में पूरी तरह से नाकाम रहीं। पश्चिम बंगाल में मार्च, अप्रैल, जून और अक्टूबर में विभिन्न शहरों में दो संप्रदायों के बीच जमकर झड़प हुई, जिसमें कई लोगों की मौत हुई जबकि घायलों की संख्या हजारों में दर्ज की गई। यही नहीं यहां पर जब पश्चिम बंगाल की पुलिस ने दंगे को रोकने के लिए एक्शन लिया तो दंगाइयों ने उन्हे भी नहीं बख्शा। वहीं उत्तर प्रदेश में पिछले साढ़े पांच वर्षों में प्रदेश की जनता का उत्तर प्रदेश की पुलिस के प्रति इकबाल बढ़ा है, जो योगी सरकार में पुलिस की सुधरी छवि को दशार्ता है।

मिशन साहसी से बढ़ेगा छात्राओं में आत्मविश्वास: मेनका

सुलतानपुर, (हि.स.)। पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद मेनका संजय गांधी ने संसदीय क्षेत्र दौरे के तीसरे व अंतिम जिला पंचायत सभागार में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, पूर्व जिलाध्यक्षों, पार्टी पदाधिकारियों से जिले के विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए फीडबैक लिया। उन्होंने कहा कि संसदीय क्षेत्र का चौतरफा विकास करना मेरी प्राथमिकता है। श्रीमती गांधी ने पयागीपुर स्थित गनपत सहाय पीजी कॉलेज में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा आयोजित नारी सुरक्षा व मिशन साहसिक कार्यक्रम के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि सम्मिलित हुई। उन्होंने छात्राओं के सेल्फ डिफेंस के प्रशिक्षण को देखा और सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण छात्राओं में सुरक्षा व आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद करते हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण से महिलाएं सेल्फ डिफेंस के साथ-साथ हर विपरीत परिस्थिति में डटकर मुकाबला करने में सक्षम होंगी। शहर विधायक विनोद सिंह ने कहा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का मिशन स-ाहसी कार्यक्रम छात्राओं की सुरक्षा में मील का पत्थर साबित होगा। आज विभिन्न कार्यक्रमों में सदर विधायक राज प्रसाद उपाध्याय,पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष डॉ एमपी सिंह, काशी क्षेत्र उपाध्यक्ष संत बख्श सिंह चुन्नू, पूर्व जिलाध्यक्ष गिरीश नारायण सिंह, करुणा शंकर द्विवेदी, डॉ सीताशरण त्रिपाठी, प्रतिनिधि रणजीत कुमार, प्रवीन कुमार अग्रवाल, विजय सिंह रघुवंशी, ज्ञान प्रकाश जयसवाल, विजय त्रिपाठी, शुभेन्द्र वीर सिंह, चन्दर प्रताप सिंह, श्याम बहादुर पांडे आदि मौजूद रहे।

बसपा के लिए साल 2022 नहीं रहा अच्छा, विधानसभा में मिली थी करारी शिकस्त

-उपचुनाव से बनायी दूरी, नगर निकाय चुनाव लड़ने की है योजना
-नए प्रदेश अध्यक्ष बनाकर पार्टी में जान फूंकने की कवायद

लखनऊ, (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के लिए साल 2022 अच्छा नहीं रहा है। इसी वर्ष हुए उप्र विधानसभा चुनाव में जीत का दावा कर रही बसपा को करारी हार मिली थी। इस वजह से पार्टी की प्रमुख मायावती ने उपचुनावों से दूरी बनाकर आगामी नगर निकाय व लोकसभा चुनाव-2014 के लिए तैयारियां में जुट गई थी। पार्टी की जनाधार को बचाने और सीटें बढ़ाने के लिए एक बार फिर दलित, ओबीसी, मुस्लिम समीकरण को साधने की कोशिश की है। उप्र विधानसभा चुनावः 2022 में भारतीय जनता पार्टी गठबंधन ने विधानसभा चुनाव में 273 सीट जीतकर एक बार फिर से सत्ता पर काबिज हुई थी। वहीं, सपा गठबंधन को 125 सीटें प्राप्त हुई हैं। बहुजन समाज पार्टी को एक सीट मिली है। बसपा ने एकमात्र बलिया की रसड़ा विधानसभा सीट जीतने में सफलता पाई थी। यहां से बसपा के टिकट पर उमाशंकर सिंह ने तीसरी बार जीत हासिल की थी, जबकि कांग्रेस ने दो सीटों पर जीत दर्ज की है। इसके अलावा जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी ने भी दो सीटों पर कब्जा जमाया है। वर्ष 2017 का विधानसभा चुनाव उन्होंने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के साथ मिलकर लड़ा था लेकिन परिणाम के धरातल पर उसे निराशा ही हाथ लगी थी। इसे देखते हुए बसपा प्रमुख मायावती को नये साल से ज्यादा उम्मीदे हैं। अभी तक बसपा निकाय चुनाव नहीं लड़ती रही है लेकिन जिस तरह मायावती के राजनीतिक बयान आ रहे हैं और निकाय चुनाव पर उन्होंने जो बैठक की है, इससे राजनीतिक पंडितों को बसपा के निकाय चुनाव में उतरने का आभास होने लगा है। पार्टी मुख्यालय में शुक्रवार को बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक बैठक की। इसमें उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड राज्य के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस बैठक में मायावती ने कार्यकताओं को आगामी नगर निकाय चुनाव और लोकसभा चुनाव-2024 में पार्टी को जीत के लिए जोश और उमंग के साथ खड़े रहने का आह्वान किया है।

विश्वनाथ पाल बने नए प्रदेश अध्यक्ष, चुनौतियों की डगर - बसपा प्रमुख मायावती ने पार्टी को एक बार फिर सत्ता में लाने के लिए शतरंज की बिसात बिछानी शुरू कर दी है। उन्होंने अपनी पहली चाल चलते हुए अति पिछड़ा समुदाय से आने वाले विश्वनाथ पाल को पार्टी का नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। इसको लेकर प्रदेश अध्यक्ष का कहना है कि बहन मायावती ने जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी हैं वो पूरी ईमानदारी से निभाएंगे। कहा कि बसपा राजनतिक दल नहीं बल्कि एक कैडर आधारिक पार्टी है, जो बाबा साहेब की विचारधारा और कांशीराम के बताए हुए रास्तों पर चल रही है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक परिस्थितियों की वजह से ऐसी स्थिति हुई है लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि पार्टी खत्म हो गई है। चुनौतियों की इस डगर में दलित, पिछड़े और गरीबों का भरोसा हमें ताकत दे रहा है कि और हम मजबूती के साथ वापसी करेंगे।

उपचुनाव से दूरी, निकाय चुनाव को लेकर बनायी रणनीति - उप्र विधानसभा चुनाव 2022 में मिली करारी हार के बाद पार्टी ने उपचुनाव से दूरियां बना ली थी। लेकिन अब लोकसभा चुनाव 2024 में एक बड़ी जीत को हासिल करने के लिए आगामी नगर निकाय चुनाव विजय पाने के लिए पार्टी पदाधिकारियों ने रणनीति बनायी है, उसका आने वाले समय में दूरगामी राजनीतिक परिणाम देखने को मिल सकता है।

सभी धर्मों को एक साथ लाने के लिए चलेगा अभियान - वर्ष 2007 में बहुजन से सर्वजन तक का सफर तय करने वाली मायावती ने बसपा को प्रदेश की सत्ता में पूर्ण बहुमत दिलाने के लिए सभी वर्गों को एक साथ लाने के लिए अभियान चला सकती हैं। इस अभियान के तहत भाजपा सरकार की नीति-नीयत के बारे में लोगों को जागरूक करेगी।

कांग्रेस और भाजपा आरक्षण विरोधी पार्टियां : मायावती

लखनऊ, (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने शुक्रवार को यूपी और उत्तराखंड के वरिष्ठ पदाधिकारी और नेताओं के साथ पार्टी मुख्यालय में बैठक की। एक दिवसीय बैठक में मायावती ने आने वाले आंग्ल वर्ष 2023 की शुभकामनाएं दी है। उन्होंने पदाधिकारियों और कार्यकताओं को जोश भरते हुए नए साल में नए उत्साह व उमंग के साथ अनुकूल हो रहे माहौल में जनाधार को तेजी से बढ़ाकर पार्टी व मूवमेंट को चुनाव जीतने योग्य मजबूत बनाने के लिए नई रणनिति पर पूरे जी-जान से लगने का आह्वान किया। बसपा प्रमुख मायावती ने ओबीसी आरक्षण को लेकर कांग्रेस और भाजपा पर तीखा हमला किया है। उन्होंने कहा कि दोनों ही पार्टियां आरक्षण विरोधी है। यही कारण है कि इन दोनों पार्टियां ने मिलकर पहले एससी और एसटी वर्ग के उत्थान के लिए उनके आरक्षण को संवैधानिक अधिकार को लगभग निष्क्रिय एवं निष्प्रभावी बना दिया। अब वहीं रवैया ओबीसी वर्ग के आरक्षण के साथ ही हर जगह किया जा रहा है। इनके इसी जातिवाद द्वेषपूर्ण रवैये आदि के कारण सरकारी विभागों में इनके आरक्षण के हजारों पद वर्षों तक खाली पड़े हुए हैं। मायावती ने समाजवादी पार्टी पर भी हमला बोला। कहा कि इस मामले में सपा की भी सोच, नीति व नीयत ठीक नहीं है, जिसके अनेकों उदहारण हैं। जबकि बसपा ने केवल पार्टी स्तर पर ही नहीं बल्कि अपनी पार्टी की यूपी में अब तक रही चारों सरकार में भी ओबीसी वर्ग के साथ-साथ सर्वसमाज के लोगों को पूरा-पूरा आदर व सम्मान दिया। विशेष भर्ती अभियान चलाकर सभी रिक्त सरकारी नौकरी के पदों को भरा गया। बसपा बातें कम और काम अधिक करने वाली पार्टी है अर्थात हम जो कहते हैं वह करके भी दिखाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि गरीबों की लाचारी व युवाओं की बेरोजगारी दूर करने, त्रस्त करती महंगाई को कम करने और लोगों को अच्छे दिन लाने की बात कहने वाली भाजपा सरकार की कथनी और करनी में बहुत अंदर है। भाजपा के खास रहे व्यापारी वर्ग भी जीएसटी के जंजाल से काफी तंग व बेहाल हैं। यूपी में जीएसटी की छापेमारी व इनके इंस्पेक्टर राज आदि से परेशान होकर व्यापारी आंदोलन करने को मजबूर हैं। बसपा अध्यक्ष ने कहा कि देश के करोड़ों शिक्षित वर्ग रोजगार न पाकर अपने अच्छे दिन के लिए तरस रहे हैं। सरकारी वायदे व घोषणाएं अब उन्हें घुमाने लगी हैं। सरकार की गलत नितियों व कार्यकलापों, इनके द्वेषपूर्ण एवं अहंकारी रवैये आदि के साथ ही जनता अपनी गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई, बदहाल शिक्षा व स्वास्थ्य एवं तनावपूर्ण माहौल आदि जीवन जीने को मजबूर हैं। यहीं कारण है कि भाजपा सरकार किसी न किसी बहाने चुनाव को टालते रहने का अनुचित प्रयास लगातार करती रहती है।

शिक्षकों के सहयोग व समयबद्धता से परीक्षा की तैयारी करें परीक्षार्थी: रामजी सिंह

-सी.बी.एस.ई. ने घोषित की परीक्षा का कार्यक्रम

सुलतानपुर, (हि.स.)। विद्या भारती से सम्बद्ध भारतीय शिक्षा समिति पूर्वी उत्तर प्रदेश के प्रदेश निरीक्षक रामजी सिंह ने शुक्रवार को यहां सरस्वती विद्या मन्दिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय विवेकानन्दनगर में बोर्ड परीक्षा के परीक्षार्थियों की तैयारियों को परखते हुए कहा कि विद्यार्थी लक्ष्य निर्धारित कर परीक्षा की तैयारी की एक समयसारिणी बनाये और अपने विषयाचार्यों का मार्गदर्शन लेकर तैयारी करें, निश्चित रूप से लक्ष्य में सफलता मिलेगी। लगन और समयबद्धता कार्य को मजबूती प्रदान करती है। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट परीक्षा कार्यक्रम घोषित होने के दूसरे दिन शुक्रवार को विद्यालय के बोर्ड परीक्षार्थियों के साथ बैठक कर श्री सिंह ने विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम, शिक्षण, प्रयोग व व्यवस्था की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने परीक्षार्थियों को बताया कि विद्या भारती के विद्यालयों में विद्यार्थी भगवान व आचार्य पुजारी की भूमिका में होता है। आचार्य समयबद्धता से विद्यार्थियों की शिक्षण व्यवस्था को पूर्ण कराता है। इसके साथ शारीरिक क्रियाकलाप, सांस्कृतिक क्रियाकलापों से विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास पर ध्यान देता है। उन्होंने कहा कि परीक्षार्थी का दिमाग तेज होना मायने नहीं रखता हैं बल्कि परिश्रमी होना आवश्यक हैं। परिश्रम से ही परीक्षा के लिए विभिन्न विषयों की पूर्ण तैयारी की जा सकती है। कार्यक्रम में संभाग निरीक्षक दयाराम यादव, प्रधानाचार्य सभाजीत वर्मा, वरिष्ठ आचार्य सरिता त्रिपाठी, आचार्य जया मिश्रा, ज्योति त्रिपाठी आदि मौजूद रही। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत संगीत आचार्य ज्ञानेन्द्र त्रिपाठी ने तिलक, बैच व अंगवस्त्रम से किया। संचालन वरिष्ठ आचार्य राज नारायण शर्मा ने किया।

रिम्स की सुरक्षा में तैनात होंगे होमगार्ड जवान

रांची, (हि.स.)। रिम्स की सुरक्षा में अब होमगार्ड के 400 जवान तैनात होंगे। अगले माह से होम गार्ड के जवान रिम्स की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालेंगे। रिम्स के निदेशक डॉ कामेश्वर प्रसाद ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अब सिक्योरिटी गार्ड की जगह होमगार्ड के जवान सुरक्षा व्यवस्था संभालेंगे। इसके लिए झारखंड सरकार के गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने पत्र भेजकर आदेश दिया था कि रिम्स में सुरक्षा कार्य के लिए निजी सुरक्षा गार्डों की सेवाएं नहीं ली जाए। सुरक्षा के हिसाब से होमगार्ड के जवानों को लगाया जाए। उन्होंने बताया कि कोरोना को लेकर रिम्स अलर्ट मोड में है। इसके मद्देनजर चीन 330 बेड तैयार हैं। साथ ही 100 बेड की व्यवस्था भी कर दी गई है जबकि 30 वेंटीलेटर कोविड-19 मरीजों के लिए तैयार हैं। सात ही कहा कि कई वर्षों से लंबित 370 पदों पर जेएसएससी के माध्यम से विज्ञापन प्रकाशित किया गया। अब तक 300 परिचारिकाएं योगदान कर चुकी है। चिकित्सकों की नियुक्ति प्रक्रिया अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा कि हॉस्पिटल मैनेजमेंट के बिना 2171 बेड वाले रिम्स को एम्स नहीं बनाया जा सकता। रिम्स और एम्स की संख्या लगभग बराबर है लेकिन एम्स में करीब 5000 स्टाफ काम करते हैं जबकि रिम्स में इसके आधे मैन पावर भी नहीं है ऐसे में रिम्स को एम्स नहीं बनाया जा सकता। निदेशक ने कहा कि मरीजों को सस्ती और शीघ्र दवा उपलब्ध कराने के लिए रिम्स परिसर में अमृत फामेर्सी की शुरूआत जनवरी से शुरू हो जाएगी। प्रेस कांफ्रेंस के दौरान चिकित्सा अधीक्षक डॉ हीरेंद्र बीरूआ, चिकित्सा उपाधीक्षक डॉ शैलेश त्रिपाठी, क्रिटकल केयर के इंचार्ज डॉ प्रदीप भट्टाचार्य सहित अन्य मौजूद थे।

अंतरराज्यीय डीजल चोर गिरोह के चार सदस्य पकड़े गए

सिमडेगा, (हि. स.) । पुलिस ने अंतरराज्यीय डीजल चोर गिरोह के चार सदस्यों को रांची से गिरफ्तार किया है। सभी आरोपित उत्तरप्रदेश मेरठ के रहने वाले हैं। जिले में डीजल चोर गिरोह का पूरी तरह से आतंक ट्रक चालकों पर मंडरा रहा था। जिले के कई थाना इलाकों में ट्रकों की टंकी को तोड़कर डीजल चोरी की घटना को अंजाम लगातार दिया जा रहा था। इसी क्रम में ठेठईटांगर पुलिस ने एक ट्रक को जब्त किया। ट्रक के आधार पर छानबीन करते हुए एसपी के आदेश पर अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एसआईटी का गठन हुआ। एसआईटी टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए डीजल चोर गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की।

एसपी सौरभ कुमार ने बताया कि डीजल चोर गिरोह के चार सदस्य पकड़े गए। पकड़े गए सदस्यों मेंमोहम्मद शाहबाज, मोहम्मद अहमद, मोहम्मद नईम और मोहम्मद वसीम है। ये सभी उत्तर प्रदेश मेरठ के निवासी है। घटना को अंजाम देने के बाद रांची में छुपे हुए थे। एसपी ने बताया कि घटना में प्रयुक्त चार मोबाइल जब्त किया गया। जबकि दो बड़ा ड्रम, करीब 400 लीटर डीजल भी बरामद किया गया है। एक ट्रक पूर्व में ही जब्त किया गया है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सात जनवरी को आयेंगे झारखंड के चाईबासा

रांची, (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सात जनवरी को चाईबासा आयेंगे। शाह प्रदेश भाजपा की ओर से आयोजित राजनीतिक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। इसको लेकर पार्टी ने स्थानीय प्रशासन को सूचना दी है। गृहमंत्री के कार्यक्रम को लेकर पार्टी की ओर से तैयारियां शुरू कर दी गयी हैं। प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश, भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी समेत पार्टी के कई नेता शुक्रवार को चाईबासा जाकर तैयारियों का जायजा लेंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार, आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने रणनीति तय की है। इसी सिलसिले में शाह का चाईबासा दौरा हो रहा है। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने लोकसभा की वैसी सीटों को फोकस किया है, जिसमें पार्टी पिछले लोकसभा चुनाव में जीत नहीं दर्ज कर पायी थी। इसमें झारखंड की चाईबासा व राजमहल सीट शामिल है।

मालवाहक जहाज का संतुलन बिगड़ने से एक ट्रक गंगा नदी में समाया, ड्राइवर लापता

साहिबगंज, (हि.स.)। गंगा नदी के साहिबगंज गरम घाट पर एक मालवाहक जहाज का संतुलन बिगड़ने से एक ट्रक पानी में समा गया। साहिबगंज-मनिहारी के बीच गंगा पुल का निर्माण कर रही डीबीएल कंपनी के चार ट्रक जहाज पर लदे थे, जिसमें से तीन ट्रक जहाज पर ही पलट गए। गंगा में समाए ट्रक का ड्राइवर भी लापता है। डीबीएल कंपनी के मैनेजर भानु प्रताप सिंह ने बताया कि साहिबगंज से जहाज पर ट्रक चढ़ाया जा रहा था। इसी क्रम में तीन ट्रक चढ़ने के बाद चौथे ट्रक का टायर फट गया जिससे जोरदार धमाका हुआ और जहाज असंतुलित हो गया। इससे सभी ट्रक एक दूसरे पर पलट गए, लेकिन एक ट्रक गंगा में समा गया। गंगा में समाए ट्रक के ड्राइवर समसुद्दीन का पता नहीं चल रहा है। कंपनी लापता ट्रक ड्राइवर को ढूंढने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर रही है। पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच कर मामले की छानबीन में जुटी हैं।

जीवन के चहुंमुखी विकास का सबसे बड़ा माध्यम है खेलः राजीव सिन्हा

नवादा, (हि. स.)। आदर्श सिटी सोसाइटी डेवलपमेंट ट्रस्ट नवादा के तत्वावधान में आदर्श सिटी बैडमिंटन चैंपियनशिप तीन दिवसीय मैच आदर्श सिटी प्रांगण में आयोजित की गई। मेंस डबल और विमेंस डबल मैच खेलकर समापन किया गया। सोसाइटी के सैकड़ों महिलाओं पुरुषों बच्चों और अधिकारियों ने बढ़-चढ़कर इस टूनार्मेंट में भाग लिया। आदर्श सिटी के निदेशक नवादा के प्रसिद्ध व्यवसाई राजीव सिन्हा ने कहा कि खेल जीवन के विकास का सबसे बड़ा माध्यम है। अगर आप स्वस्थ नहीं है ,तो जीवन का चहुमुखी विकास किसी भी कीमत पर संभव नहीं है ।खेल से बेहतर स्वास्थ्य की कोई दवा नहीं हो सकती। सोसाइटी के सचिव सह मंच संचालक श्रवण कुमार बरनवाल ने बताया कि इस पूरे टूनार्मेंट के प्रायोजक के रूप में सोसाइटी के संस्थापक राजीव कुमार सिन्हा रहे। जबकि राकेश रोशन बड़ा बाबू का भी योगदान सराहनीय रहा ।इस पूरे टूनार्मेंट में मुख्य रैफरी के रूप में रवि कुमार थे। साथ में राष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी गुलशन कुमार का का भी योगदान रेफरी के रूप में था। देर रात तक ठंड के बावजूद सैकड़ों आदर्श सिटी के निवासियों ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए खेल का आनंद लिया। अधिकारियों के साथ-साथ राजीव कुमार सिन्हा ने एवं भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य प्रबंधक रंजन श्रीवास्तव ने खिलाड़ियों के साथ-साथ सभी का प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। राजीव कुमार सिन्हा के द्वारा झांकी के निमार्ता एवं निदेशक सरवन कुमार बरनवाल के साथ-साथ पार्वती बनी अनामिका कश्यप एवं शंकर बने नैतिक कुमार आस्तिक तथा सहयोगी विनय कुमार सागरिका राज रोशन दुबे मुकेश कुमार अक्षय कुमार प्रकाश मांझी को भी प्रतीक चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देखकर सम्मानित किया गया।

नवादा के रजौली में जिंदा जलकर बुजुर्ग की मौत

नवादा, (हि. स.)। नवादा जिले के नक्सल प्रभावित इलाका रजौली थाना क्षेत्र के चित्रकोली पंचायत के गोपालपुर गांव के घर के झोपड़ी में आग लगने से 60 वर्षीय बुजुर्ग की जलकर मौत हो गई। बताया जाता है कि गृहस्वामी फागु सिंह घर सोए थे, उसी दौरान आग लग गई। धीरे-धीरे आग पूरे घर के कोने कोने में लग गयी। घर के बंद कमरे में सोये बुजुर्ग को कुछ भी पता नहीं चल पाया. उसी दौरान जिंदा जलने से बुजुर्ग की मौत हो गई। मृतक के परिवार ने बताया कि वह घर के दूसरे घर में प्रतिदिन अकेला रहते थे। आग कैसे लगी इसकी किसी को कोई जानकारी नहीं है।मौत की जानकारी जैसे ही स्थानीय थाना रजौली को मिला। आनन-फानन में थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर पूरी मामला की जानकारी पड़ताल कर रहे हैं। थाना प्रभारी दरबारी चौधरी ने कहा है कि अचानक घर में आग लग गई। जिसके कारण ही मौत हुई है। परिवार के लोगों के द्वारा यही जानकारी दिया जा रहा है। फिलहाल पुलिस मामले पर पुलिस अभी जांच कर रही है।

जीवन के चहुंमुखी विकास का सबसे बड़ा माध्यम है खेलः राजीव सिन्हा

नवादा, (हि. स.)। आदर्श सिटी सोसाइटी डेवलपमेंट ट्रस्ट नवादा के तत्वावधान में आदर्श सिटी बैडमिंटन चैंपियनशिप तीन दिवसीय मैच आदर्श सिटी प्रांगण में आयोजित की गई। मेंस डबल और विमेंस डबल मैच खेलकर समापन किया गया। सोसाइटी के सैकड़ों महिलाओं पुरुषों बच्चों और अधिकारियों ने बढ़-चढ़कर इस टूर्नामेंट में भाग लिया। आदर्श सिटी के निदेशक नवादा के प्रसिद्ध व्यवसाई राजीव सिन्हा ने कहा कि खेल जीवन के विकास का सबसे बड़ा माध्यम है। अगर आप स्वस्थ नहीं है, तो जीवन का चहुमुखी विकास किसी भी कीमत पर संभव नहीं है। खेल से बेहतर स्वास्थ्य की कोई दवा नहीं हो सकती। सोसाइटी के सचिव सह मंच संचालक श्रवण कुमार बरनवाल ने बताया कि इस पूरे टूर्नामेंट के प्रायोजक के रूप में सोसाइटी के संस्थापक राजीव कुमार सिन्हा रहे। जबकि राकेश रोशन बड़ा बाबू का भी योगदान सराहनीय रहा। इस पूरे टूर्नामेंट में मुख्य रैफरी के रूप में रवि कुमार थे। साथ में राष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी गुलशन कुमार का का भी योगदान रेफरी के रूप में था। देर रात तक ठंड के बावजूद सैकड़ों आदर्श सिटी के निवासियों ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए खेल का आनंद लिया। अधिकारियों के साथ-साथ राजीव कुमार सिन्हा ने एवं भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य प्रबंधक रंजन श्रीवास्तव ने खिलाड़ियों के साथ-साथ सभी का प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। राजीव कुमार सिन्हा के द्वारा झांकी के निर्माता एवं निदेशक सरवन कुमार बरनवाल के साथ-साथ पार्वती बनी अनामिका कश्यप एवं शंकर बने नैतिक कुमार आस्तिक तथा सहयोगी विनय कुमार सागरिका राज रोशन दुबे मुकेश कुमार अक्षय कुमार प्रकाश मांझी को भी प्रतीक चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देखकर सम्मानित किया गया।

संपादकीय

'यात्रा' से अलग विपक्ष

यकीनन विपक्षी एकता पर अब बड़ा सवालिया निशान स्पष्ट होने लगा है। सभी छोटे-बड़े राजनीतिक दलों के स्वार्थ, लक्ष्य और उनकी सियासत अलग-अलग है। वे उन्हीं में खुश और संतुष्ट रहना चाहते हैं। बयानबाजी के निशाने पर, बेशक, प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा हैं, लेकिन एक भी गोलबंद प्रयास अभी तक स्पष्ट नहीं हुआ है कि विपक्ष एक साझा राजनीतिक लड़ाई लडने और भाजपा को पराजित करने के मूड में है। कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' नए साल में 3 जनवरी को उप्र में प्रवेश करेगी। फिलहाल यात्रा दिल्ली में विश्राम कर रही है। उप्र देश का सबसे बड़ा राज्य है और वहां से 80 सांसद चुन कर लोकसभा में आते हैं। जाहिर है कि दिल्ली का दरवाज़ा लखनऊ के बाद ही खुलता है, लिहाजा कांग्रेस ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, सपा विधायक शिवपाल यादव, बसपा प्रमुख मायावती और महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा, भाजपा सरकार में उपमुख्यमंत्री रहे दिनेश शर्मा को प्रोफेसर होने के नाते, सीपीएम महासचिव सीताराम येचुरी, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के मुखिया ओमप्रकाश राजभर आदि को न्योता भेजा है कि वे 'यात्रा' में शामिल हों। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्रियों-डॉ. फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती-ने न्योता कबूल कर लिया है। वे यात्रा के अंतिम चरण में, जम्मू-कश्मीर में, जुड़ेंगे, लेकिन अन्य नेताओं ने या तो न्योता न मिलने की बात कही है अथवा वे यात्रा में शामिल नहीं होंगे। उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने तो सवाल किया है कि आखिर भाजपा को हरा कौन सकता है? राहुल गांधी के विचार अच्छे हो सकते हैं, लेकिन यह आकलन भी महत्वपूर्ण है कि ज़मीन पर कौन, कहां मौजूद है? राजनीतिक ताकत किसकी ज्यादा है? इसी तरह तेलंगाना में मुख्यमंत्री एवं 'भारत राष्ट्र समिति' के अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव ने कांग्रेस की यात्रा से जुडना मुनासिब नहीं समझा। आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी तो क्यों शामिल होते, क्योंकि वह कांग्रेसी दंश और उपेक्षा झेलने के बाद ही अलग हुए थे। एक और पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने भी फिलहाल कांग्रेस से दूरी बनाए रखी है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस, कांग्रेस पार्टी के प्रति, ज़हरीली स्थिति में है और लगातार कोसती रही है, लिहाजा पार्टी की अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी यात्रा का अघोषित बहिष्कार किया था। महाराष्ट्र में एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार कांग्रेस नेता राहुल गांधी को 'अपरिपक्व' करार देते आए हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि विभिन्न क्षेत्रीय दल, कांग्रेस की छतरी तले जुटने में, परहेज क्यों करते रहे हैं? कांग्रेस आज भी विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी है, लेकिन कांग्रेस और राहुल गांधी का नेतृत्व स्वीकार करने को विपक्ष एकमत नहीं है। हालांकि खुलकर विरोध भी नहीं किया जा रहा है, लेकिन कथित एकता का प्रयास भी नदारद है। विपक्षी दलों को एहसास है कि वे अलग-अलग 'तिनके के समान' हैं, लेकिन विपक्षी एकता में वे अपना वर्चस्व छोडने को राजी नहीं हैं। ममता के अपने दावे हैं, चंद्रशेखर राव अपने स्तर पर एकता के छुटपुट प्रयास करते रहे हैं, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सभी विपक्षी दलों की एकता के आह्वान करते रहे हैं, उन्होंने सोनिया गांधी समेत विपक्ष के कई नेताओं से मुलाकातें भी की थीं, लेकिन निष्कर्ष अभी तो 'शून्य' है। दिलचस्प यह है कि आज भी कांग्रेस 2014 से पहले वाले यूपीए को याद कर गदगद रहती है। उसे उम्मीद है कि अंततः विपक्ष उसी के नेतृत्व में लामबंद होगा। कांग्रेस का एक तबका 'भारत जोड़ो यात्रा' को 2024 के आम चुनाव से जोड़ कर देखने के खिलाफ है, लेकिन एक और तबका स्वप्न देख रहा है कि 2024 में राहुल गांधी देश के प्रधानमंत्री होंगे! इस बीच मणिशंकर अय्यर सरीखे वरिष्ठ कांग्रेस नेता भी हैं, जो अखंड, मजबूत भारत के स्थान पर मान रहे हैं कि भारत आज टूट रहा है। क्या यह विचार यात्रा के खिलाफ नहीं है? कुछ विपक्षी नेता यात्रा से भावनात्मक तौर पर जुड़ रहे हैं, लेकिन विपक्षी एकता और राहुल गांधी के नाम पर खामोश हो जाते हैं। इससे विपक्षी एकता की संभावनाएं ही क्षीण होती हैं। अंततः 2024 के मद्देनजर विपक्षी एकता कब और कैसे होगी, यह देखना दिलचस्प होगा, अलबत्ता छिन्न-भिन्न विपक्ष प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के लिए छोटी-सी भी चुनौती साबित नहीं हो सकता।

> उप्र देश का सबसे बड़ा राज्य है और वहां से 80 सांसद चुन कर लोकसभा में आते हैं। जाहिर है कि दिल्ली का दरवाज़ा लखनऊ के बाद ही खुलता है, लिहाजा कांग्रेस ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, सपा विधायक शिवपाल यादव, बसपा प्रमुख मायावती और महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा, भाजपा सरकार में उपमुख्यमंत्री रहे दिनेश शर्मा को प्रोफेसर होने के नाते, सीपीएम महासचिव सीताराम येचुरी, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के मुखिया ओमप्रकाश राजभर आदि को न्योता भेजा है कि वे 'यात्रा' में शामिल हों। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्रियों-डॉ. फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती-ने न्योता कबूल कर लिया है। वे यात्रा के अंतिम चरण में, जम्मू-कश्मीर में, जुड़ेंगे, लेकिन अन्य नेताओं ने या तो न्योता न मिलने की बात कही है अथवा वे यात्रा में शामिल नहीं होंगे।

कुछ अलग

प्रशासन की पारदर्शिता

इस बार जो मुख्यमंत्री आए थे, वे एकदम पारदर्शी थे। जिस ओर से भी देखो एकदम आर-पार दिखाई देते थे। मुख्यमंत्री आते हैं, लेकिन इतने पारदर्शी नहीं। उनका कहना था कि वे प्रशासन भी एकदम पारदर्शी रखेंगे। सभी को खुशी थी कि मुख्यमंत्री एकदम पारदर्शी हैं। मुसद्दीलाल मेरे पड़ोसी हैं। उनकी हर बात में नुक्ताचीनी करने की आदत है। सुबह-सुबह आ धमकते हैं चाय सुडक़ने। मैं भी इस बीच उनसे बतियाता हुआ शेव बना लेता हूँ और वे अपनी भीतर की भड़ास मुझ पर डाल कर चले जाते हैं, लेकिन कल जब वे आये तो उनके तेवर तने हुये थे तथा वे बैठ नहीं पा रहे थे। मैं बोला-'क्यों मुसद्दीलाल, क्या बात है? लग तो ऐसा रहा है कि जैसे तुम्हें पैसों की इस समय सख्त आवश्यकता है और तुम अपनी बात रखने का कोई नया नायाब गुर ढूँढ़ रहे हैं।' मुसद्दीलाल की आँखों में इस बार हल्की-सी चिंगारी उभरी और बुझ गयी, बोले-'अमाँ शर्मा जी, कभी तो सीरियस रहा करो। तुमने तीन बार मुझे उधार क्या दे दिया-ले-देकर उसी पचड़े को लेकर मेरी बोलती बंद करना चाहते हो।' 'नहीं, ऐसा नहीं है मुसद्दीलाल। बात दरअसल पारदर्शिता की है। यदि तुमने तीन बार के उधार में जरा भी ट्रांसप्रेंसी दिखाई होती तो चौथी बार मुझे क्या आपत्ति हो सकती थी।' मुसद्दीलाल ने दाँत बजाये और कहा-'मुझे पारदर्शिता से खासी चिढ़ है। मानता हूँ पारदर्शिता में सब कुछ साफ-साफ दिखाई देता है, लेकिन अब तक क्या दिखाई नहीं दे रहा था। किसी विभाग में घपला-गबन घोटाला जो भी हो रहा था, क्या वह हमारी पारदर्शिता नहीं है। कुछ भी छुपा नहीं था। रिश्वत का लेन-देन हो रहा था। खरीद-फरोख्त में सौदेबाजी हो रही थी, उसकी जानकारी हरेक मतदाता को थी-इस पारदर्शिता से कौन अनभिज्ञ था?' इस बार मैंने उन्हें बीच में ही रोका और कहा-'आपने मुख्यमंत्री को देखा है?' वे बोले-'एक बार क्या, कई बार देखा है, इसमें नयी बात क्या है?' 'नयी बात है मुसद्दीलाल। यहाँ तुम मात खा गये। वे एकदम ट्रांसपरैंट हैं। मेरा मतलब साफ-सुथरे हैं। उनके कार्यों में जो पारदर्शिता देखी जा रही है, उनसे तो पूरा विपक्ष भौंचक्का रह गया है।' मैंने कहा। उन्होंने पूछा-'मैं समझा नहीं, लेकिन इतना जरूर जानता हूँ नयी सरकार कुछ करना चाहती है। सारे मिनिस्टर नये डिटर्जेन्ट से अपनी-अपनी कमीजें धोकर-पहनकर आये हैं। पहले की बात जाने दो। नये जनादेश की रोशनी में कार्यशैली को देखें तो पारदर्शिता से मेरी तो आँखें चुँधिया रही हैं।' 'अब समझे मेरे भाई तुम पारदर्शिता का अर्थ। एमदम नये संस्करण में नयी रोशनी। जनमत की उपेक्षा का तो प्रश्न ही नहीं है। हर कार्य जनता से पूछकर जनहित में होगा। मेरा मतलब पहले वाले लोग अकडक़र अमचूर थे और ये विनम्रता के बोझ तले दबे जा रहे हैं।' मैं बोला। मुसद्दीलाल का चेहरा लाल हो गया, वह बोला-'तुम्हारी मति मारी गयी है।

> किसी विभाग में घपला-गबन घोटाला जो भी हो रहा था, क्या वह हमारी पारदर्शिता नहीं है। कुछ भी छुपा नहीं था। रिश्वत का लेन-देन हो रहा था। खरीद-फरोख्त में सौदेबाजी हो रही थी, उसकी जानकारी हरेक मतदाता को थी-इस पारदर्शिता से कौन अनभिज्ञ था?' इस बार मैंने उन्हें बीच में ही रोका और कहा-'आपने मुख्यमंत्री को देखा है?' वे बोले-'एक बार क्या, कई बार देखा है, इसमें नयी बात क्या है?' 'नयी बात है मुसद्दीलाल। यहाँ तुम मात खा गये।

शास्त्रों में लिखा है कि पर्यटन से ज्ञान बढ़ता है, बुद्धि विकसित होती है

भारत जोड़ो यात्रा में से उभरा थीसिस

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

> इसीलिए वे चिल्ला कर गला हलकान किए हैं, मैं उनकी खड़ाऊं लेकर आ गया हूं, राम भी पीछे आ रहे हैं। इन्हीं लोगों ने अरसा पहले राहुल गांधी के गले में कमीज से ऊपर जनेऊ पहना देने का कांड भी किया था। इनका दर्द समझ में आता है, लेकिन राहुल गांधी को सत्ता छिन जाने से छटपटा रहे इन कांग्रेसियों के ये सारे तांत्रिक प्रयोग अपने शरीर पर करने पड़ रहे हैं।

सोनिया गांधी जी के सुपुत्र राहुल गांधी पिछले कुछ समय से भारत को जोडने की तरकीबें जानने के लिए पैदल यात्रा पर निकले हुए हैं। उनका कहना है कि वे आम आदमी से मिल रहे हैं और उनसे उन्हें भारत जोडने के सूत्र मिल रहे हैं। शास्त्रों में लिखा है कि पर्यटन से ज्ञान बढ़ता है, बुद्धि विकसित होती है। महात्मा गांधी जी भी जब दक्षिणी अफ्रीका से वापिस आए थे तो उनके मन में भी देश के लिए कुछ करने की छटपटाहट थी। तब गोपाल कृष्ण गोखले जी ने उनकी इस छटपटाहट की सराहना करते हुए कहा था कि देश के लिए कुछ करने से पहले देश को समझ लो। बात हैरान करने वाली जरूर थी। गांधी जी तो काठियावाड़ के ही रहने वाले थे। वे देश को जानते बूझते ही थे। तब गोखले ने ऐसा क्यों कहा? गोखले का कहना था कि यह देश बहुत बड़ा है और आंतरिक रूप से एक होते हुए भी बाहरी विभिन्नताओं से भरा पड़ा है। उन विभिन्नताओं को एक बार समझ लोगे तो उनके नीचे बह रही समग्र एकात्म अंतरधारा को भी अनुभव कर सकोगे। इसका तरीका क्या होगा? गोखले का कहना था देश भर में घूमने के लिए निकल पड़ो। बस, काम हो जाएगा। लेकिन यात्रा प्रायोजित नहीं होना चाहिए। अपने मन से घूमो। मोहनदास कर्मचंद गांधी साल भर से भी ज्यादा देश में घूमते रहे और इस घुमक्कड़ी से वे महात्मा हो गए। ताज्जुब है उन्होंने अपनी इस यात्रा में उन अंग्रेज़ों को भी भला बुरा नहीं कहा जिन्होंने उन्हें दक्षिणी अफ्रीका में बहुत अपमानित किया था। गांधी जी का कोई राजनीतिक एजेंडा नहीं था। वे केवल उन लोगों को जान व समझ लेना चाहते थे जिनके लिए वे अपना जीवन खपाने वाले थे। पंडित जवाहर लाल नेहरू ने भी इस देश को समझने का उपक्रम किया था। जवाहर लाल के लिए यह समझना बूझना और भी जरूरी था क्योंकि उनका परिवार शताब्दियों पहले से उस अभिजात्य समुदाय में शामिल हो चुका था जो वक्त के शासकों के ज्यादा समीप होते हैं और सामान्य जनमानस से कट चुके होते हैं। लेकिन नेहरू ने देश को समझने बूझने के लिए गांधी जी का तरीका नहीं अपनाया। वह कष्टकारी तो था ही, लम्बा भी था। नेहरू ने इसको समझने के लिए किताबों का सहारा लिया। ये किताबें या तो तुर्कों व मुगलों

की लिखी हुई थीं या फिर ब्रिटिश नौकरशाही की। कुछ पुरानी हिंदुस्तानी किताबों का भी उपयोग किया। लेकिन उसमें नेहरू जी की एक दिक्कत थी। वे मूल ग्रंथ नहीं पढ़ सकते थे क्योंकि उन्हें वह भारतीय भाषा नहीं आती थी। इसलिए इस काम के लिए भी वे उन्हीं यूरोपीय विद्वानों पर निर्भर रहे जो उन दिनों स्वयं भी अपने साम्राज्यवादी हितों के लिए भारत को समझने की कोशिश कर रहे थे। अपने इसी उपक्रम में उन्होंने 'डिस्कवरी आफ इंडिया' लिख कर भारत को खोज लेने की घोषणा कर दी। मुझे लगता है उनका अभिप्राय भारत को समझने से ही रहा होगा, खोजने का दंभ तो शायद वे भी नहीं पाल सकते थे। मान लेना चाहिए कि राहुल गांधी ने अपनी यात्रा शरू करने से पहले नेहरू की यह किताब जरूर पढ़ी होगी। यह इस किताब में तो दर्ज नहीं है लेकिन अब तक राहुल गांधी को यह भी पता चल ही गया होगा कि भारत देश के ताज़ा इतिहास में दर्ज है कि कांग्रेस पार्टी ने आजादी की अपनी सांविधानिक लड़ाई में अंतिम प्रस्ताव भारत को दो हिस्सों में तोडने का किया था। कांग्रेस ने इस प्रस्ताव में यह पारित किया था कि भारत को तोड़ कर उसके एक हिस्से को, जिसे पुरानी किताबों में सप्त सिन्धु भी कहा जाता है, तोड़ कर पाकिस्तान नाम से नया देश बना दिया जाए। जब राहुल गांधी जी की भारत जोड़ो यात्रा के बारे में मैंने सबसे पहले सुना तो मैं इसी भ्रम का शिकार हो गया था कि शायद वे जवाहर लाल नेहरू की इस ऐतिहासिक भूल का प्रायश्चित करने के लिए भारत को एक बार पुनः जोडने के अभियान में निकले हैं। लेकिन यात्रा देख कर मुझे अपने इस भ्रम से निकलने में सहायता मिली। वे बीच बीच में चुनावों की बातें भी कर रहे हैं। उन्होंने इस यात्रा में अनेक पक्ष और अनेक विपक्ष निर्माण कर लिए हैं। दुर्भाग्य से उन्हें इस देश की आंतरिक एकता के सूत्र दिखाई नहीं दे रहे हैं। उन्हें ब्रिटिश साम्राज्यवादियों द्वारा निर्मित कृत्रिम भेद ज्यादा दिखाई दे रहे हैं। लेकिन इसमें उनका दोष नहीं है। आंतरिक एकता यानी भारत की आत्मा के दर्शन करने और उसे अनुभव करने के लिए भारतीय मानस का होना बहुत जरूरी है। भारतीय मानस राजनीति में से निर्मित नहीं होता बल्कि वह यहां की आध्यात्मिक चेतना में से विकसित होता है। दुर्भाग्य से मोतीलाल से लेकर राहुल गांधी तक, ब्रिटिश साम्राज्यवादियों के सिखाने पर, भारत की इसी आध्यात्मिक चेतना को साम्प्रदायिकता कह कर, उससे लडने का संकल्प दोहराते रहे। जो भारत की आंतरिक एकता के सूत्रों से लडने के लिए जूझ रहा हो, वह भारत को जोडने के नाम पर तोडने का काम करता है। राहुल गांधी इसको शायद न समझ पाएं क्योंकि इसे समझने के लिए देश की मिट्टी में खपना पड़ता है। लेकिन कांग्रेस के बुढ़ा रहे नेताओं की चिंता जरूर समझ में आती है। अब तक गांधी-नेहरू परिवार की पीठ पर सवार होकर वे सत्ता के गलियारे में पहुंच जाते थे। लेकिन सात दशकों में गांधी-नेहरू परिवार के ऊपर से मुलम्मा उतर गया है। अब यह परिवार दूसरों को तो क्या, स्वयं ही अपने ज़ोर पर सत्ता को छू लेने में कठिनाई अनुभव कर रहा है। लेकिन सलमान खुर्शीदों को तो अपनी चिंता है। शायद लोग कंपकंपाती ठंड के इस मौसम में आधी बांह की कमीज पहन कर घूम रहे राहुल गांधी को साधक समझ लें और धोखा खा जाएं। इसीलिए वे चिल्ला कर गला हलकान किए हैं, मैं उनकी खड़ाऊँ लेकर आ गया हूँ, राम भी पीछे आ रहे हैं। इन्हीं लोगों ने अरसा पहले राहुल गांधी के गले में कमीज से ऊपर जनेऊ पहना देने का कांड भी किया था। इनका दरद समझ में आता है, लेकिन राहुल गांधी को सत्ता छिन जाने से छटपटा रहे इन कांग्रेसियों के ये सारे तांत्रिक प्रयोग अपने शरीर पर करने पड़ रहे हैं।

अब बेटियों को चाहिए तेज बदलाव

> भारत में 66.3 प्रतिशत महिलाएं 15 से 64 वर्ष के बीच की हैं, यह उनका सर्वाधिक उपयोगी वर्ग है। इस साल यह जानकर महिलाओं को बहुत प्रसन्नता हुई कि बीसीसीआई द्वारा निर्णय लिया गया है, महिला क्रिकेटरों को पुरुष खिलाड़ियों के अनुरूप बराबर मैच फीस मिलेगी। समाचारपत्रों में इस सूचना के साथ उसी पन्ने पर यह भी खबर छपी थी कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने एक राज्य सरकार को नोटिस दिया है, क्योंकि इस राज्य में कुछ जाति पंचायतों ने विवाद सुलझाने के नाम पर लड़कियों को बेचने और बलात्कार तक की मंजूरी दी है। यह पढ़कर ही रोंगटे खड़े हो गए थे कि हम किस युग में रह रहे हैं? महिलाओं की वास्तविक स्थिति काफी जटिल है। उनके साथ होने वाली घरेलू हिंसा के आंकडे दुखद कहानी बयान करते हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, 53.44 प्रतिशत विवाहित महिलाएं विभिन्न प्रकार की घरेलू हिंसा की शिकार हुई हैं।

वर्ष 2022 समापन पर है। बीतते वर्ष में कुछ मुख्य मुद्दों की प्रगति के आकलन का यह उपयुक्त समय है। साल 2022 में महिलाओं के लिए संयुक्त राष्ट्र का विषय था, 'एक स्थायी कल के लिए आज लैंगिक समानता'। इस व्यापक सोच के पीछे जलवायु परिवर्तन के अनुकूलन और प्रतिक्रिया में महिलाओं के प्रमुख योगदान की महत्ता है। मतलब पृथ्वी का सुरक्षित भविष्य महिलाओं के बिना संभव नहीं है। यह बात बिल्कुल सही है, क्योंकि विश्व की 49.5 प्रतिशत और भारत की 48.3 प्रतिशत आबादी महिलाओं की है। भारत में 66.3 प्रतिशत महिलाएं 15 से 64 वर्ष के बीच की हैं, यह उनका सर्वाधिक उपयोगी वर्ग है। इस साल यह जानकर महिलाओं को बहुत प्रसन्नता हुई कि बीसीसीआई द्वारा निर्णय लिया गया है, महिला क्रिकेटरों को पुरुष खिलाड़ियों के अनुरूप बराबर मैच फीस मिलेगी। समाचारपत्रों में इस सूचना के साथ उसी पन्ने पर यह भी खबर छपी थी कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने एक राज्य सरकार को नोटिस दिया है, क्योंकि इस राज्य में कुछ जाति पंचायतों ने विवाद सुलझाने के नाम पर लड़कियों को बेचने और बलात्कार तक की मंजूरी दी है। यह पढ़कर ही रोंगटे खड़े हो गए थे कि हम किस युग में रह रहे हैं? महिलाओं की वास्तविक स्थिति काफी जटिल है। उनके साथ होने वाली घरेलू हिंसा के आंकडे.दुखद कहानी बयान करते हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, 53.44 प्रतिशत विवाहित महिलाएं विभिन्न प्रकार की घरेलू हिंसा की शिकार हुई हैं। हमारी पुरुष प्रधान सामाजिक व्यवस्था में अच्छी महिला वह है, जो पति की हर आज्ञा का पालन करे। पुरुष ही नहीं, कई महिलाएं भी आज्ञा की पालना न होने पर घरेलू हिंसा को सही मानती हैं। सर्वेक्षण के आंकड़े इस बात की भी पुष्टि करते हैं कि जहां पति-पत्नी का शैक्षिक स्तर अच्छा है, वहां घरेलू हिंसा की घटनाओं में कमी है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार, प्रत्येक घंटे एक महिला की दहेज हिंसा के कारण मृत्यु होती है और दो का बलात्कार होता है। एक अन्य तथ्य यह भी है कि ज्यादातर बलात्कार दर्ज नहीं हो पाते हैं। इस वर्ष निर्भया के वीभत्स हत्याकांड के 10 वर्ष पूरे हुए। इस घटना के फलस्वरूप केंद्र सरकार ने कई नियमों में सकारात्मक बदलाव किए थे। यह सवाल फिर उठा कि वास्तविक स्थिति में अब तक कितना सुधार आया है? प्रोत्साहन स्वयंसेवी संस्था ने यह पाया कि पोस्को ऐक्ट के तहत 2014 से दायर 70 प्रतिशत मामले अभी भी निर्णय के लिए लंबित हैं। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या रिपोर्ट के अनुसार, यह अनुमानित है कि भारत में बेटे को वरीयता देने की सोच के चलते 460 लाख बालिकाओं का जन्म ही नहीं हुआ। भारत में महिला-पुरुष लिंग अनुपात नौ राज्यों में प्रत्येक हजार पुरुष पर 900 महिलाओं से भी कम है। इन तथ्यों-आंकड़ों का तात्पर्य यह कदापि नहीं है कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए वर्ष 2022 में कदम नहीं उठाए गए हैं। अनुसूचित जनजाति की द्रौपदी मुर्मू भारत की राष्ट्रपति बनीं, जो अविस्मरणीय उपलब्धि है। पी टी उषा भारतीय ओलंपिक एसोसिएशन की प्रथम महिला अध्यक्ष बनीं। सीएसआईआर की महानिदेशक पहली बार महिला डॉक्टर एन कलाइसेल्वी नियुक्त हुईं। भारतीय नौसेना में ऐतिहासिक निर्णय हुआ कि अब महिलाएं उनकी विभिन्न सेवाओं में शामिल की जा सकती हैं। त्रियां मरीन कमांडो भी बन सकती हैं। महिलाओं की सेना में कुछ सामान्य पदों पर भर्ती की शुरुआत 1992 में ही हुई थी, परंतु 30 वर्ष की इस कठिन यात्रा में नौसेना द्वारा अब लिए गए निर्णय का दूरगामी प्रभाव पड़ेगा। साल 2022 ने एक प्रकार से इस मनोवैज्ञानिक भ्रांति को दूर किया है कि महिलाएं निम्न स्तर की सेनानी हैं। आज जन-धन योजना के तहत 56 प्रतिशत खाते महिलाओं के हैं, जिनमें से 67 प्रतिशत खाते ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों में हैं। मुंबई में महिलाएं टैक्सी चला रही हैं और सामान की डिलीवरी भी कर रही हैं। बदलाव और उपलब्धियों की सूची लंबी है। अभी दिसंबर माह में भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफएआई अंतरराष्ट्रीय ट्रॉफी जीती, परंतु इस उपलब्धि को समाचारों और जन-सामान्य में वांछित प्रमुखता नहीं मिली। ऐसा क्यों? सरकार द्वारा महिलाओं के सामाजिक व आर्थिक उत्थान के लिए अनगिनत योजनाएं चलाई जा रही हैं, पर प्रगति आवश्यकता के अनुरूप नहीं है। मुख्य समस्या जेंडर आधारित सोच है। महिलाओं के काम को महत्व देने की जरूरत है, पर कई जगह उनके कार्यों को गंभीरता से नहीं लिया जाता। इस सोच को बदलना पहली जरूरत है। इससे महिलाओं के विरुद्ध विभिन्न प्रकार के अपराधों में कमी आएगी और उनके सशक्तिकरण के नए आयाम स्थापित होंगे। कानून से पर्याप्त मदद महिलाओं को मिल रही है और मिलेगी, लेकिन सोच बदलकर बाल्य-काल से ही नई पीढ़ी की सोच को बदला जा सकता है। परिवार से ही बराबरी की शुरुआत होनी चाहिए। लड़कियों को पर्याप्त शिक्षा मिले और घरेलू कार्य में केवल लड़कियों को ही न उलझाया जाए। बेटियों को सम्मान मिले। घर के अंदर उनके साथ किसी प्रकार की हिंसा न हो। लड़कियों को पर्याप्त हक और आर्थिक आजादी मिले, तो इससे निश्चय ही प्रदेश-देश का माहौल बदलेगा। जरूरी है कि महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में दिखें, आगे बढ़कर अपने हिसाब से खुद को मजबूत करें। समाज में महिलाओं की सहमति को महत्वपूर्ण माना जाए, लड़कियों को खेलों में बढ़ावा दिया जाए, सार्वजनिक स्थलों को सुरक्षित बनाया जाए, थानों में और अधिक महिला डेस्क बनाई जाए आदि। आने वाले वर्ष में शिक्षक, पुलिस, प्रशासन, निर्वाचित प्रतिनिधि और न्यायपालिका को महिलाओं के अधिकारों व गरिमामय जीवन के प्रति अधिक संवेदनशील बनाने के प्रयास किए जाएं। सोशल मीडिया की मदद से लैंगिक असमानता को समाप्त कर तेज गति से बदलाव लाया जाए। सरकार की योजनाओं के साथ समाज, परिवार और व्यक्तिगत सोच हाथ मिलाकर चले, तो पारंपरिक लैंगिक भेदभाव जल्दी ध्वस्त होगा। किसी ने सही कहा है, मैं अकेले दुनिया में बदलाव नहीं ला सकता, परंतु तालाब में एक पत्थर फेंककर लहर जरूर पैदा कर सकता हूं, जिसका प्रभाव दूर तक जाएगा। महात्मा गांधी के अनुसार, आप स्वयं वह बदलाव बनें, जो आप इस दुनिया में देखना चाहते हैं। आइए, नववर्ष में प्रवेश करते हुए अपने परिवार में, अपनी बहन-बेटी-बहू समेत विभिन्न रक्त संबंधों से, अपने कार्य क्षेत्र में, अपने सामाजिक क्षेत्र में बदलाव की लहर शुरू करें।

देश दुनीया से

सरकारी संपत्तियों का ऑडिट

एक छोटी सी पहल पूरा परिदृश्य बदल सकती है, खासतौर पर अगर इसका संबंध सरकारी क्षेत्र से हो। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर के अनुसार उनके द्वारा विभाग की विभिन्न इमारतों के ऑडिट से न केवल बीस शहरों में 11 लाख वर्ग फुट एरिया खाली कराया जा सका, बल्कि कबाड़ का निपटारा कराकर 22 लाख रुपए भी हासिल हुए। सार्वजनिक ढांचे का सदुपयोग अब विकास की धुरी को बदलने की पहली शर्त है और इसलिए सरकारी संपत्तियों का ऑडिट जरूरी हो जाता है। हिमाचल के परिप्रेक्ष्य में सरकारी संपत्तियों का सौ फीसदी इस्तेमाल कई मायनों में नहीं हो रहा है। इसकी एक वजह बिलंडिग डिजाइन की खामियां हैं, जबकि भूमि का सही इस्तेमाल दूसरी सबसे बड़ी कमी दिखाई देती है। पूरे प्रदेश में लैंड बैंक की अवधारणा का न होना तथा टीसीपी कानून के तहत लैंड पूलिंग की दिशा में न बढऩा भी इसके कारणों में शामिल है। अकसर शिक्षा व चिकित्सा संस्थानों के करीब की जगह किसी अन्य विभाग को आबंटित करके इन संस्थानों के भविष्य का स्कोप रोक दिया जाता है। विभागों के तहत आबंटित कार्यालय निर्माण की जगह बेतरतीब रिहायशी भवन खड़े कर दिए जाते हैं, जबकि यह भूमि आगे चलकर कार्यालय के स्तरोन्नत होने या गतिविधियां बढऩे के कारण अतिरिक्त दफ्तर निर्माण के लिए रहनी चाहिए। इस दिशा में धूमल सरकार ने संयुक्त कार्यालय परिसरों के निर्माण को बढ़ावा देकर, एक रास्ता खोजा था और इसलिए जिला स्तर पर कई स्थानों पर मिनी सचिवालय निर्मित हुए। बावजूद इसके आज भी शिमला, सोलन, मंडी व धर्मशाला में कई बड़े साहबों की कोठियों के तहत इतनी जमीन उपलब्ध है कि कई बस्तियों का निर्माण हो सकता है। इसी तरह कमोबेश हर विभाग अपने तौर पर तरह-तरह के रेस्ट हाउसों का निर्माण करता है। शिमला और धर्मशाला में ऐसे दर्जनों डाक बंगले दर्जनों एकड़ जमीन रोक कर ही नहीं पसरे, बल्कि इनके रखरखाव में भी हर साल लाखों खर्च करने पड़ते हैं। हमारा मानना है कि तमाम प्रशासनिक शहरों में जरूरत के मुताबिक एक ही स्थल पर बीस, पचास या सौ कमरों की क्षमता के संयुक्त डाक बंगलों का निर्माण करके इनका संचालन या तो पर्यटन विकास निगम करे या बेरोजगार युवाओं को इन्हें चलाने का अवसर दिया जाए। इसके अलावा दो-तीन शहरों को मिलाकर कुछ विभागों के दायित्व को विस्तार देते हुए, इनके कार्यालय किसी केंद्रीय स्थल पर स्थानांतरित किए जा सकते हैं। इसी तरह दो या तीन शहरों के मध्य सरकारी आवासीय बस्तियों को कर्मचारी नगर के प्रारूप में बसाया जा सकता है। हिमाचल की भौगोलिक व आर्थिक स्थिति को देखते हुए सार्वजनिक भूमि का सदुपयोग अति आवश्यक हो जाता है। इसके लिए एक केंद्रीय एजेंसी का गठन करना होगा ताकि सार्वजनिक संपत्तियों के बेहतर इस्तेमाल की नीति बन सके। पूरे प्रदेश के लिए एक एस्टेट विकास एवं प्रबंधन प्राधिकरण का गठन करके, सार्वजनिक संपत्तियों का जरूरत के अनुसार विकास, रखरखाव तथा प्रबंधन किया जाए तो न केवल संसाधनों की बचत होगी, बल्कि भविष्य का खाका भी बनेगा। हर शहर के प्रशासनिक रुतबे के अनुरूप सर्वप्रथम पहले से मौजूद संपत्तियों का ऑडिट करके, बेकार या कम इस्तेमाल हो रहे परिसर सामने आएंगे और एक प्रदेश स्तरीय विवरण भी तैयार होगा। राज्य का एस्टेट विकास एवं प्रबंधन प्राधिकरण के तहत सभी भवन आने से स्थान का सही इस्तेमाल होगा, साथ ही भविष्य की योजनाओं-परियोजनाओं में धन का भी उचित इस्तेमाल होगा। हिमाचल में अनावश्यक सरकारी इमारतों का एक जखीरा तैयार हो चुका है, जिसे चिन्हित करके काम में लाया जा सकता है। इसके अलावा संयुक्त कार्यालय परिसर, संयुक्त डाक बंगले तथा हर शहर के लिए भूमि बैंक बनाने की प्रक्रिया में एस्टेट प्राधिकरण राज्य स्तरीय जरूरतों को आवश्यक अधोसंरचना से जोडऩे में स्वतंत्र व मौलिक रूप से कार्य करने में सक्षम होगा।

> हिमाचल के परिप्रेक्ष्य में सरकारी संपत्तियों का सौ फीसदी इस्तेमाल कई मायनों में नहीं हो रहा है। इसकी एक वजह बिलंडिग डिजाइन की खामियां हैं, जबकि भूमि का सही इस्तेमाल दूसरी सबसे बड़ी कमी दिखाई देती है। पूरे प्रदेश में लैंड बैंक की अवधारणा का न होना तथा टीसीपी कानून के तहत लैंड पूलिंग की दिशा में न बढऩा भी इसके कारणों में शामिल है। अकसर शिक्षा व चिकित्सा संस्थानों के करीब की जगह किसी अन्य विभाग को आबंटित करके इन संस्थानों के भविष्य का स्कोप रोक दिया जाता है। विभागों के तहत आबंटित कार्यालय निर्माण की जगह बेतरतीब रिहायशी भवन खड़े कर दिए जाते हैं, जबकि यह भूमि आगे चलकर कार्यालय के स्तरोन्नत होने या गतिविधियां बढऩे के कारण अतिरिक्त दफ्तर निर्माण के लिए रहनी चाहिए।

नागरिक बोध

अपनी सांस्कृतिक गतिविधियों के कारण वर्ष-भर चर्चित रहा नारनौल का मनुमुक्त 'मानव' मेमोरियल ट्रस्ट

इकलौते जवान आईपीएस बेटे मनुमुक्त की मृत्यु पिता और देश के प्रमुख साहित्यकार तथा शिक्षाविद् डॉ रामनिवास 'मानव' और माँ अर्थशास्त्र की पूर्व प्राध्यापिका डॉ कांता भारती के लिए किसी भयंकर वज्रपात से कम नहीं थी। ऐसी स्थिति में कोई भी दम्पत्ति टूटकर बिखर जाता, किंतु 'मानव' दम्पत्ति ने, अद्भुत धैर्य का परिचय देते हुए, न केवल असहनीय पीड़ा को झेला, बल्कि अपने बेटे मनुमुक्त की स्मृतियों को सहेजने, सजाने और सजीव बनाए रखने के लिए भरसक प्रयास भी शुरू कर दिए। उन्होंने अपने जीवन की संपूर्ण जमापूंजी लगाकर मनुमुक्त 'मानव' मेमोरियल ट्रस्ट का गठन किया और नारनौल (हरियाणा) में मनुमुक्त भवन का निर्माण कर उसमे लघु सभागार, संग्रहालय और पुस्तकालय की स्थापना की। विगत पांच वर्षों की भांति, वर्ष-2022 में भी, अपनी महत्त्वपूर्ण सांस्कृतिक गतिविधियों के कारण मनुमुक्त 'मानव' मेमोरियल ट्रस्ट पूरे वर्ष चर्चित रहा। वर्ष-2022 में ट्रस्ट द्वारा छोटे-बड़े कुल इक्कीस कार्यक्रम आयोजित किये गये, जिनमें 'विश्व हिंदी-दिवस समारोह', 'अंतरराष्ट्रीय नागरी लिपि-सम्मेलन', 'अंतरराष्ट्रीय नव-संवत्सर समारोह', 'अंतर्राष्ट्रीय सेदोका-सम्मेलन', 'वैश्विक साहित्य-महोत्सव', 'अंतरराष्ट्रीय मातादीन-मूर्तिदेवी स्मृति-समारोह', 'अंतरराष्ट्रीय मनुमुक्त 'मानव' स्मृति कवि-सम्मेलन', 'सर्वोत्तम एनसीसी कैडेट सम्मान-समारोह' और 'अंतरराष्ट्रीर युवा सम्मान-समारोह' के अतिरिक्त 'वैश्विट परिदृश्य में जैन धर्म की प्रासंगिकता', 'सनातन धर्म-संस्कृति का पुनरुत्थान' तथा 'वैश्विक परिदृश्य में हिंदी की स्थिति' जैसे विषयों पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय विचार-गोष्ठियां शामिल हैं। वह बहुत अच्छे चिंतक होने के साथ-साथ बहुमुखी कलाकार और सधे हुए फोटोग्राफर थे, सेल्फी के तो वह मास्टर थे, तभी तो उनके सभी मित्र उनके मुरीद थे। समाज-सेवा के लिए वह बड़ी सोच रखते थे। वह छोटी-सी उम्र में अपने दादा-दादी कि स्मृति में अपने पैतृक गाँव तिगरा (मंडी अटेली) में एक स्वास्थ्य केंद्र और नारनौल में सिविल सर्विस अकादमी स्थापित करना चाहते थे। इस वर्ष भारत सहित दस देशों की विभिन्न क्षेत्रों की शताधिक प्रतिष्ठित विभूतियों ने ट्रस्ट के कार्यक्रमों में सहभागिता की, जिनमें नेपाल के त्रिलोचन ढकाल और डॉ पुष्करराज भट्ट (काठमांडू), डॉ कपिल लामिछाने (भैरहवा) तथा हरीशप्रसाद जोशी (महेंद्र नगर), जापान की डॉ रमा पूर्णिमा शर्मा (टोक्यो), न्यूजीलैंड के रोहितकुमार 'हैप्पी' (ऑकलैंड), मॉरीशस की कल्पना लालजी (वाक्वा) और अंजू घरभरन (मोका), रूस की श्वेतासिंह 'उमा' (मास्को), जर्मनी की डॉ योजना शाह जैन (बर्लिन) तथा अमेरिका की डॉ कमला सिंह (सैंडियागो) के नाम उल्लेखनीय हैं।

आंगसान सू की सजा 7 साल के लिए बढ़ी : म्यांमार की मिलिट्री कोर्ट ने 5 नए मामलों में आरोपी ठहराया, 33 साल जेल में गुजारेंगी

नेपीता।
म्यांमार की मिलिट्री कोर्ट ने लोकतंत्र समर्थक नेता आंग सान सू की सजा को 7 साल के लिए और बढ़ा दिया है। अब उनकी कुल सजा बढ़कर 33 साल की हो गई है। कोर्ट ने सू की को आरोपी ठहराते हुए कहा कि उन्होंने एक मंत्री के लिए हेलीकॉप्टर किराए पर लेने में नियमों का पालन नहीं किया था।

मिलिट्री कोर्ट ने सू की को शुक्रवार को पांच और मामलों में 7 साल की सजा सुनाई है। सू की को पिछले 18 महीनों में 19 मामलों के लिए ट्रायल पर रखा गया था। दुनिया भर के मानवाधिकार संगठन इसका विरोध कर चुके हैं।

पिछले 6 महीनों में 3 बार बढ़ चुकी है आंग सान सू की सजा – 2021 में हुए तख्तापलट के बाद आंग सान सू की सजा को म्यांमार की मिलिट्री कोर्ट कई बार बढ़ा चुकी है। अगस्त में सैन्य शासित म्यांमार के एक कोर्ट ने आंग सान सू की की सजा 6 साल के लिए बढ़ा दी थी।

इस दौरान उन्हें भ्रष्टाचार के कई आरोपों में दोषी ठहराया गया था। सू की पर आरोप है कि उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग कर सार्वजनिक जमीन को बाजार से कम कीमतों पर किराए पर लिया और चैरिटी के नाम पर पैसे लेकर वहां घर बनाया।

इसके बाद सितंबर में भी चुनाव में घोटाले से जुड़े आरोपों में उन्हें तीन साल की सजा दी गई थी। जिसके बाद उनकी कुल सजा 20 साल की हो गई थी।

अक्टूबर में भी एक लोकल टाइकून से 4 करोड़ रुपए की रिश्वत लेने के मामले में उनकी सजा 3 साल के लिए बढ़ाई गई थी।

म्यांमार को लेकर 74 साल में पहली बार प्रस्ताव – यूएन सिक्योरिटी काउंसिल में म्यांमार को लेकर 74 साल में पहली बार कोई प्रस्ताव पेश किया गया। इसमें तुरंत प्रभाव से हिंसा रोकने और आंग सान सू की समेत सभी राजनीतिक कैदियों को छोड़ने की मांग की गई। यूएनएससी में शामिल 15 देशों में से 12 देशों ने इस प्रस्ताव के समर्थन में वोट दिया। वहीं भारत, चीन और रूस वोटिंग में शामिल नहीं हुए। यह प्रस्ताव ब्रिटेन ने पेश किया था।

तख्तापलट कर सुनाई थी 11 साल की सजा – म्यांमार की मिलिट्री कोर्ट ने उन्हें पहले से ही सेना के खिलाफ असंतोष भड़काने और कोरोना नियम तोड़ने का दोषी माना हुआ है। म्यांमार में 1 फरवरी 2021 की रात सेना ने तख्तापलट करते हुए सू को हाउस अरेस्ट कर लिया था। उन्हें पहले से ही देशद्रोह, भ्रष्टाचार और अन्य आरोपों में 11 साल जेल की सजा सुनाई जा चुकी हैं।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका ने 2022 में मारे आईएसआईएस के 700 आतंकवादीः 400 को हिरासत में लिया, इराक और सीरिया की स्थानीय सेनाओं ने दिया साथ

वाशिंगटन। अमेरिका ने इस साल आंतकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट के 700 आतंकवादियों को मार गिराया है। इनमें से 460 को सीरिया में और बाकी को इराक में मारा गया। अमेरिकी सेना ने सीरिया और इराक की स्थानीय सेना के साथ मिलकर ये कार्रवाई की। इस दौरान अमेरिका के सभी जवान सुरक्षित रहे। ना किसी की जान गई और ना ही कोई गंभीर रूप से घायल हुआ। इराक में अमेरिका के 2500 और सीरिया में 900 जवान तैनात हैं। अमेरिका ने इसी साल फरवरी में इस्लामिक स्टेट के लीडर अबू इब्राहिम अल-हाशिमी अल-कुरैशी को मार गिराया था। इसके लिए अमेरिकी सेना ने दो साल तक तैयारी की थी। इस साल, सीरिया में इस्लामिक स्टेट के खिलाफ कुल 108 संयुक्त ऑपरेशन किए गए। वहीं इराक में 191 संयुक्त ऑपरेशन किए। अमेरिका की सेंट्रल कमांड ने बयान जारी कर बताया कि अमेरिकी सेना ने सीरिया में 14 मिशन अकेले पूरे किए। लगभग 400 संदिग्धों को हिरासत में भी लिया। मिडिल ईस्ट में अमेरिका के टॉप कमांडर जनरल माइकल 'इरिक' कुरिल्ला ने बताया कि आईएसआईएस के खिलाफ तीन रणनीतियां अपनाई गई। पहली- स्थानीय फोर्स के साथ मिलकर इस्लामिक स्टेट के लीडर्स की निगरानी करना। दूसरी- इस्लामिक स्टेट के सदस्यों को हिरासत में लेना। तीसरी- बच्चों को आईएसआईएस के प्रभाव में आकर कट्टर होने से रोकना। ईरान समर्थित उग्रवादियों से भी है खतरा अमेरिकी सेना को इस्लामिक स्टेट के आंतकवादियों के अलावा ईरान समर्थित उग्रवादियों से भी सावधान रहना पड़ता है। अगस्त में ईरान समर्थित उग्रवादियों ने दो अमेरिकी सैन्य संस्थानों पर रॉकेट से हमला किया था। जिसके बाद यूएस फोर्सेज ने जवाबी कार्रवाई करते हुए हमले में इस्तेमाल हुए तीन वाहनों को तबाह कर दिया था।

दक्षिण चीन सागर में तनाव बढ़ा रहा ड्रैगन, अमेरिकी विमान के काफी करीब आया चीनी लड़ाकू विमान

वाशिंगटन । दक्षिण चीन में चीन अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। अब चीन को लेकर अमेरिका

बड़ा दावा करते हुए गुरुवार को कहा कि चीन का एक लड़ाकू विमान दक्षिण चीन सागर में अमेरिकी वायु सेना के विमान के करीब आ गया। अमेरिका ने कहा कि चीन का विमान अमेरिकी विमान से मात्र 20 फीट की दूरी पर उड़ रहा था। हालांकि बाद में चीन का विमान पीछे हट गया। अमेरिकी सेना ने बयान जारी कर बताया कि चीनी नौसेना का जे-11 और अमेरिका वायु सेना का आरसी-135 विमान काफी करीब आ गए। बयान में कहा कि दोनों विमानों के बीच की दूरी छह मीटर से कम रह गई थी। अमेरिका ने कहा कि यूएस इंडो-पैसिफिक जॉइंट फोर्स एक मुक्त और खुले इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के लिए समर्पित है और अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत सभी जहाजों और विमानों की सुरक्षा के लिए उचित सम्मान के साथ समुद्र और अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्र में उड़ान भरना, नौकायन करना और संचालन करना जारी रखेगी।

द. कोरिया में दिमाग खा जाने वाले अमीबा की दस्तक, 10 दिन में मस्तिष्क खोखला कर ली जान

सियोल। दक्षिण कोरिया में दिमाग खा जाने वाले अमीबा ने दस्तक दी है। इस कारण एक 50 वर्षीय शख्स की

मौत हो गई। दक्षिण कोरिया में अमीबा के संक्रमण का यह पहला मामला है। नेगलेरिया फाउलेरी नामक संक्रमण को ब्रेन-ईटिंग अमीबा के रूप में भी जाना जाता है। एक रिपोर्ट के अनुसार थाईलैंड से लौटे कोरियाई नागरिक में इसके लक्षण दिखने के 10 दिन बाद ही मौत हो गई। कोरिया रोग नियंत्रण और रोकथाम एजेंसी के अनुसार, दक्षिण कोरिया में प्रवेश करने से पहले उस शख्स ने चार महीने थाईलैंड में बिताए थे। इससे पहले अमेरिका में भी इसी से एक बच्चे की मौत हो चुकी है। यह नाक के माध्यम से मस्तिष्क तक पहुंच कर ब्रेन टिश्यू को नष्ट करना शुरू कर देता है। क्या है नेगलेरिया क्या है नेग्लरिया एक अमीबा है, जो अपने दम पर जीवित रहता है। यह आमतौर पर मिट्टी और गर्म ताजे पानी (जैसे झीलों, नदियों और गर्म झरनों) में पाया जाता है। नेगलेरिया फाउलेरी एकमात्र ऐसी प्रजाति है।

भारत, अमेरिका सहित सात देशों ने चीन पर लगाए यात्रा प्रतिबंध, इटली पहुंचे दो विमानों में 100 संक्रमित

वाशिंगटन।
चीन में अकेले दिसंबर महीने में कोविड संक्रमण के 35 करोड़ के करीब मामले सामने आ चुके हैं। चीन के हालात को ध्यान में रखकर भारत और अमेरिका सहित सात देशों ने चीन के खिलाफ यात्रा प्रतिबंध लगाए हैं। इन प्रतिबंधों के तहत चीन से आने वाले यात्रियों को कोविड नेगेटिव होने का सबूत देना होगा। प्रतिबंध लगाने वाले देशों में जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान, इटली और मलयेशिया शामिल हैं। वहीं, चीन में दवाओं तक की किल्लत है।

इटली पहुंचे दो चीनी विमानों में 100 संक्रमित – इटली अभी तक कोविड की वजह से हुई तबाही से पूरी तरह उबरा नहीं है। इस बीच बुधवार को चीन से दो फ्लाइट इटली पहुंची। इनमें सवार 212 लोगों में से 100 संक्रमित मिले हैं। इसके तुरंत बाद इटली की सरकार ने भी चीन से आने वाले यात्रियों की कोविड जांच करने का फैसला किया है। इटली के वाकये को देखते हुए जर्मनी ने भी एयरपोर्ट पर स्वास्थ्यकर्मियों को चौकन्ने रहने को कहा है, हालांकि फिलहाल कोई प्रतिबंध नहीं लगाया है।

चीन में कोरोना के मामले बढ़ने से कच्चा तेल सस्ता – सिंगापुर। दुनिया के सबसे बड़े आयातक चीन में कोरोना के मामले बढ़ने की वजह से वैश्विक बाजार में बृहस्पतिवार को कच्चे तेल की कीमतों में नरमी देखने को मिली। मांग कम होने की आशंका से अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड एक फीसदी सस्ता होकर 82.47 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।अमेरिकी मानक डब्ल्यूटीआई भी एक फीसदी टूटकर 80 डॉलर प्रति बैरल के नीचे आ गया।

रनवे पर नहीं, हाईवे पर उतरे वायुसेना के लड़ाकू विमान – भारतीय वायुसेना ने बृहस्पतिवार को आंध्र प्रदेश के बापटला में राष्ट्रीय राजमार्ग 16 पर निर्मित 4.1 किमी की आपात लैंडिंग सुविधा (ईएलएफ) का सफल परीक्षण किया। वायुसेना के लड़ाकू और परिवहन विमानों (एएन-32) ने ट्रायल रन अभ्यास में भाग लिया। सुखोई लड़ाकू विमान और हल्के तेजस लड़ाकू विमानों ने परीक्षण में भाग लिया वायुसेना के लिए इस आपात लैंडिंग सुविधा का निर्माण एनएच-16 पर पिचिकालगुडिपाडु के पास में किया गया है। बापटला के पुलिस अधीक्षक वाकुल जिंदल ने बताया, पूरे इलाके में कड़ा सुरक्षा घेरा तैयार किया गया था। करीब 200 पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे। उन्होंने बताया कि

विमान हाईवे से 100 मीटर की ऊंचाई से गुजरे।

जल्द भारत लौटेंगी अमेरिका में जान गंवाने वाले दंपती की बेटियां – एरिजोना की एक झील में डूबने से जान गंवाने वाले भारतीय अमेरिकी दंपती नारायण मुद्दाना और हरिता मुद्दाना की बेटियों को जल्द ही भारत लाया जाएगा। फिलहाल, 7 और 12 साल की बेटियां चाइल्ड सेफ्टी डिपार्टमेंट की अभिरक्षा में हैं। दंपती की उनके पारिवारिक दोस्त गोकुल मेदिसेती के साथ झील में डूबने से मौत हो गई थी। तीनों बर्फीली झील पर फोटों खींचने के लिए गए, तभी अचानक बर्फ टूट गई। दोनों प्रभावित परिवारों की मदद के लिए करीब 1.5 लाख डॉलर से ज्यादा की राशि जुटाई जा चुकी है।

चीन से सैन्य सहयोग बढ़ाना चाहता है रूसः पुतिन ने शी जिनपिंग से 8 मिनट बात की, कहा- डियर चेयरमैन बसंत में मॉस्को आएं

मॉस्को। कोरोना और यूक्रेन युद्ध के बीच शी जिनपिंग और व्लादिमिर पुतिन की शुक्रवार को वीडियो कॉल के जरिए बात हुई। पुतिन ने शी जिनपिंग से कहा, डियर चेयरमैन बसंत के मौसम में आपके मॉस्को आने की उम्मीद कर रहे हैं, ताकि दोनों देशों की करीबी को दुनिया के सामने दिखाया जा सके। शी जिनपिंग और पुतिन के बीच 8 मिनट तक बात हुई। इस दौरान पुतिन ने दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग बढ़ाने को कहा। इस पर शी जिनपिंग ने कहा कि दुनिया में जारी मुश्किल हालातों के बीच चीन रूस को रणनीतिक सहयोग देने के लिए तैयार है। रूस और चीन दोनों देशों के लिए ही अभी संकट का दौर चल रहा है। एक तरफ जहां चीन कोरोना महामारी की जकड़ में है। वहीं रूस यूक्रेन युद्ध के बाद से लगी आर्थिक पाबंदियों से जूझ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन युद्ध ने रूस के लिए चीन की अहमियत को और भी बढ़ा दिया है। यूक्रेन में जंग शुरू करने के बाद दोनों देशों ने नो लिमिट रणनीतिक साझेदारी साइन की थी। यूरोपियन देशों की पाबंदी के बाद बीच चीन ने रूसी तेल और गैस की खरीद दो बढ़ा दिया है। इसके बदले में रूस भी ताइवान के मामले पर चीन का साथ दे रहा है। रूस के विदेश मंत्री ने पिछले महीने नाटो पर आरोप लगाया था कि वो भारत को रूस और चीन विरोधी गुट में घसीट रहा है।

नेतन्याहू की सत्ता में वापसी से भारत-इस्राइल रणनीतिक संबंधों में गति आने की उम्मीद

यरुशलम।
लिकुड पार्टी के नेता बेंजामिन नेतन्याहू ने गुरुवार को इस्राइल के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। बेंजामिन नेतन्याहू के दोबारा इस्राइल के प्रधानमंत्री बनने पर भारत-इस्राइल रणनीतिक संबंधों को और बढ़ावा मिलने की संभावना है। नेतान्याहू भारत और इस्राइल के बीच मजबूत संबंध के पक्षधर हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मित्र नेतन्याहू ने दक्षिणपंथी सहयोगियों के साथ संसद में आसान बहुमत हासिल करने के बाद छठी बार सरकार बनाई। इसके साथ ही देश में राजनीतिक अस्थिरता समाप्त होने की उम्मीद है। गौरतलब है कि 2019 के बाद से यहां पांच आम चुनाव हो चुके हैं। लिकुड पार्टी के 73 वर्षीय नेता दूसरे इस्राइली प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने जनवरी 2018 में भारत की यात्रा की थी। मोदी ने भी जुलाई 2017 में इस्राइल की ऐतिहासिक यात्रा की थी और वह ऐसा करने वाले भारत के पहले प्रधानमंत्री थे। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच केमिस्ट्री गहन चर्चा का विषय बन गई थी। नेतन्याहू इस्राइल के सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने वाले नेता हैं। पीएम मोदी ने जब इस्राइल की यात्रा की थी तब नेतन्याहू 'साए' की तरह उनके साथ खड़े रहे। इस तरह का सम्मान इस्राइल में आमतौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति और पोप के लिए आरक्षित होता है।

दोनों नेताओं की एक तस्वीर ने सोशल मीडिया पर धूम मचा दी थी

दोनों नेताओं की ओल्गा बीच पर एक दूसरे के सामने नंगे पांव खड़े होने के दौरान खींची गई तस्वीर ने सोशल मीडिया पर धूम मचा दी थी। मोदी की इस्राइल यात्रा के दौरान दोनों देशों ने अपने संबंधों का विस्तार करते हुए उसे रणनीतिक साझेदारी में बदल दिया। तब से दोनों देश अपने संबंधों को ज्ञान आधारित साझेदार पर केंद्रित कर रहे हैं, जिसमें मेक इन इंडिया पहल को बढ़ावा देने सहित नवाचार और अनुसंधान में सहयोग शामिल है। नेतन्याहू ने पीएम मोदी सहित विश्व नेताओं के साथ अपनी निकटता का इस्तेमाल एक संपत्ति के रूप में चुनाव प्रचार अभियान के दौरान किया, यह दिखाने के लिए कि उनके अलावा अंतरराष्ट्रीय मंच पर कोई और इस्राइल के हितों को सुरक्षित नहीं कर सकता।

म्यांमार को लेकर 74 साल में पहली बार प्रस्ताव

म्यांमार।
यूएन सिक्योरिटी काउंसिल में म्यांमार को लेकर 74 साल में पहली बार कोई प्रस्ताव पेश किया गया। इसमें तुरंत प्रभाव से हिंसा रोकने और आंग सान सू की समेत सभी राजनीतिक कैदियों को छोड़ने की मांग की गई। यूएनएससी में शामिल 15 देशों में से 12 देशों ने इस प्रस्ताव के समर्थन में वोट दिया। वहीं भारत, चीन और रूस वोटिंग में शामिल नहीं हुए। यह प्रस्ताव ब्रिटेन ने पेश किया था।

तख्तापलट कर सुनाई थी 11 साल की सजा

म्यांमार की मिलिट्री कोर्ट ने उन्हें पहले से ही सेना के खिलाफ असंतोष भड़काने और कोरोना नियम तोड़ने का दोषी माना हुआ है। म्यांमार में 1 फरवरी 2021 की रात सेना ने तख्तापलट करते हुए सू को हाउस अरेस्ट कर लिया था। उन्हें पहले से ही देशद्रोह, भ्रष्टाचार और अन्य आरोपों में 11

साल जेल की सजा सुनाई जा चुकी

तख्तापलट क्यों

नवंबर 2020 में म्यांमार में आम चुनाव हुए थे। इनमें आंग सान सू की की पार्टी ने दोनों सदनों में 396 सीटें जीती थीं। उनकी पार्टी ने लोअर हाउस की 330 में से 258 और अपर हाउस की 168 में से 138 सीटें जीतीं। म्यांमार की मुख्य विपक्षी पार्टी यूनियन सॉलिडैरिटी एंड डेवलपमेंट पार्टी ने दोनों सदनों में मात्र 33 सीटें ही जीतीं। इस पार्टी को सेना का समर्थन हासिल था। इस पार्टी के नेता थान हिते हैं, जो सेना में ब्रिगेडियर जनरल रह चुके हैं। नतीजे आने के बाद वहां की सेना ने इस पर सवाल खड़े कर दिए। सेना ने चुनाव में सू की की पार्टी पर धांधली करने का आरोप लगाया था। इसे लेकर सेना ने सुप्रीम कोर्ट में राष्ट्रपति और चुनाव आयोग की शिकायत भी की। चुनाव नतीजों के बाद से ही लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकार और वहां की सेना के बीच मतभेद शुरू हो गया था।

-40 डिग्री तापमान में जिंदगी : रूस के याकुत्सक में लोग बर्फ को गर्म कर पानी पीते हैं, कई दिन सूरज नहीं निकलता

याकुटिया।
याकुत्सक, दुनिया का सबसे ठंडा इंसानी इलाका। तापमान -40 डिग्री सेल्सियस। आबादी करीब 3.60 लाख। ये रूस में साइबेरिया के याकुटिया राज्य की राजधानी है। अक्टूबर से अप्रैल तक 7 महीने सर्दियों में मुश्किल बढ़ जाती है, लेकिन जिंदगी के रंग-उमंग में कोई कमी नहीं। यहां से हजार किमी दूर ओमीकोन में तो तापमान -60 डिग्री तक चला जाता है। दूसरी ओर, जुलाई में याकुत्सक में पारा 24 डिग्री पर आ जाता है।

सर्दी ऐसी कि कई दिन सूरज नहीं निकलता – तापमान में इतना ऊपर-नीचे वाला आबादी क्षेत्र दुनिया में शायद याकुटिया ही होगा। यहां सूरज यूं तो कई दिन निकलता नहीं, पर सामान्य तौर पर सूर्योदय सुबह 10.30 बजे होता है। दोपहर के तीन बजते-बजते डूब जाता है। सर्दियों में यहां लोग खास तरह के इंसुलेटेड कपड़े, हिरण की खाल से बने जूते,

फर के लंबे कोट और स्कार्फ बांधते हैं। दिसंबर से फरवरी तक सर्दी चरम पर होती है, लेकिन बाजार बंद नहीं होते। नए साल के लिए लोग अपनों के लिए गिफ्ट खरीदते दिखेंगे। दोस्तों-रिश्तेदारों से मिलने-जुलने के प्लान भी खूब बनते हैं। इन दिनों बर्फ इतनी कठोर होती है कि ड्रिल मशीन से भी काटना मुश्किल होता है। सर्दी माइनस 40 डिग्री से नीचे जैसे ही जाने लगती है, स्कूलों में छुट्टियां हो जाती हैं। अभी स्कूल बंद हैं, लेकिन कई बार ये दौर कई महीने तक खिंच जाता है। ऑनलाइन पढ़ाई होती है, लेकिन लोग बच्चों को अब बाहर पढ़ाना चाहते हैं।

पीने के पानी के लिए बर्फ गर्म करनी पड़ती है – पीने के पानी के लिए जमी हुई नदी से बर्फ के टुकड़े तोड़ लाते हैं। उन्हें गर्म करके पानी मिलता है। सर्दी के दौर में यहां खाने-पीने की चीजों से लेकर हर चीज बर्फ नहीं, ठंडे पत्थर जैसी सख्त हो जाती है। महज 10 मिनट बाहर रहने पर भी ज्यादा थकान लगती है। 20 मिनट में चेहरा और अंगुलियां सुन्न हो सकती हैं। इसलिए किसी भी हाल में लोग आधे घंटे से ज्यादा बाहर नहीं रहते।

दिन के काम-धंधों से निवृत्त होकर शाम को यहां के पब और नाइटक्लब में धूम मचती है। हर तरफ बर्फ के बावजूद पब्लिक ट्रांसपोर्ट की हालत बेहतर है। पर उसके लिए इंतजार मुश्किल हो जाता है, इसलिए ज्यादातर लोग टैक्सी से सफर करते हैं। जिनके पास अपनी गाड़ियां हैं, वे उसे कंबल से ढककर गर्म पार्किंग में रखते हैं। पर बेहतर तो यह माना जाता है कि ज्यादा सर्दी में गाड़ी स्टार्ट ही रखी जाए।

इमरान के सांसदों का सामूहिक इस्तीफा नामंजूर, स्पीकर बोले- एक-एक कर दें हाथ से लिखे त्यागपत्र

इस्लामाबाद।
पाक नेशनल असेंबली के स्पीकर राजा परवेज अशरफ ने पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी पीटीआई के सांसदों के सामूहिक इस्तीफे खारिज कर दिए हैं। स्पीकर ने अपना रुख दोहराया है कि प्रत्येक सदस्य को व्यक्तिगत रूप से हस्तलिखित इस्तीफे सौंपना होंगे। पाकिस्तान नेशनल असेंबली के नियमों के अनुसार सत्यापन के लिए हाथ से लिखा इस्तीफा ही मंजूर किया जा सकता है। अशरफ ने गुरुवार को पीटीआई के एक प्रतिनिधि मंडल से कहा कि संविधान के अनुसार व्यक्तिगत रूप से इस्तीफे मंजूर किए जा सकते हैं, सामूहिक नहीं।

गुरुवार को पाक संसद भवन में नेशनल असेंबली के पूर्व अध्यक्ष असद कैसर के नेतृत्व में पीटीआई के प्रतिनिधि मंडल ने स्पीकर राजा परवेज अशरफ से मुलाकात की थी। इसमें अशरफ ने कहा कि पीटीआई के सांसद इस्तीफे केवल संविधान और नेशनल असेंबली के कामकाज के नियमों व प्रक्रियाओं के अनुसार ही स्वीकार किए जा सकते हैं।

स्पीकर के साथ बैठक में नेशनल असेंबली के डिप्टी स्पीकर कासिम खान सूरी, पीटीआई के मुख्य सचेतक मलिक अमीर डोगर, अताउल्लाह खान, अमजद खान नियाजी, नियाज अहमद जाखड़, डॉ. शब्बीर हुसैन कुरैशी, फहीम खान, लाल चान मलाही और ताहिर मौजूद थे। पीटीआई के प्रतिनिधिमंडल से बात करते हुए, राजा परवेज अशरफ ने कहा कि डिप्टी स्पीकर कासिम सूरी द्वारा स्वीकार किए गए इस्तीफे असंवैधानिक और अवैध थे। उन्होंने जोर देकर कहा कि संवाद और राजनीतिक सुलह के लिए हमेशा गुजाइश थी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पाकिस्तान के सामने मौजूद चुनौतियों को हल करने के लिए राजनीतिक सहमति महत्वपूर्ण है। स्पीकर अशरफ ने कहा कि प्रत्येक सांसद को आठ लाख लोगों ने वोट दिया है, उनके वोटों का सवाल है। किसी एक सदस्य की ओर से दिए गए सभी सदस्यों के इस्तीफे कैसे स्वीकार किए जा सकते हैं अशरफ ने कहा कि पीटीआई के सदस्य नेशनल असेंबली में लौटें और अपनी संवैधानिक भूमिका निभाएं।

इस्लामाबाद हाईकोर्ट के केस क्रमांक पीएलडी 2014 का जिक्र करते हुए अशरफ ने कहा कि असेंबली का आफिस कोई पोस्ट आफिस नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने संविधान के अनुच्छे 64 और असेंबली के नियम 43 का भी उल्लेख किया। अशरफ ने कहा कि पीटीआई के कुछ सदस्यों के इस्तीफे नेशनल असेंबली सचिवालय को मिले थे। उन्होंने सदन से छुट्टी के लिए आवेदन किया था और कुछ ने सदन की कार्रवाई में भाग लिया था। उनके अनुसार, कराची के नेशनल असेंबली के एक सदस्य, का इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया था, ने इस्लामाबाद हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था और हलफनामा दायर कर कहा था कि उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया है। उधर, पाकिस्तान नेशनल असेंबली के पूर्व स्पीकर असद कैसर ने देश में तत्काल चुनाव की मांग की। पीटीआई सांसदों द्वारा प्रस्तुत सामूहिक इस्तीफे को मंजूरी देने का भी आग्रह किया। पाक नेशनल असेंबली के 123 पीटीआई सदस्यों ने सामूहिक रूप से 11 अप्रैल को इस्तीफा दे दिया था।

पायलट-गहलोत विवाद पर बोले रंधावा

समस्या का जल्द होगा निपटारा, अभी संगठनात्मक नियुक्तियों पर है ध्यान

जयपुर (हिंस)। राजस्थान कांग्रेस में जारी सियासी उठापटक व गुटीय संघर्ष को खत्म कर फिर से एकजुटता कायम करने को पार्टी के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा बीते तीन दिनों से एक-एक कर नेताओं संग बैठक कर मुद्देवार फीडबैक ले रहे हैं। इसी कड़ी में शुक्रवार को भी सर्किट हाउस में रंधावा का फीडबैक कार्यक्रम जारी रहा। जहां उन्होंने कांग्रेस नेताओं और विधायकों से वन टू वन मुलाकात की। दरअसल, बीते तीन दिनों से रंधावा पार्टी संगठन व सरकार दोनों की नब्ज टटोलने में लगे हैं। जिस तरह से उन्होंने सांसद, मंत्रियों, विधायकों, विधायक प्रत्याशियों और संगठन के पदाधिकारियों के साथ ही सीएम गहलोत, पायलट और स्पीकर सीपी जोशी के निवास पर जाकर बैठक की है। उससे साफ है कि रंधावा राजस्थान में कांग्रेस पार्टी को

पटरी पर लाने की कोशिश में जुट गए हैं। इधर, फीडबैक लेने के बाद रंधावा ने पायलट-गहलोत विवाद पर कहा कि राजस्थान में नेताओं के बीच चल रहा विवाद सुलझाने का काम उनका है। वो यहां फाइव स्टार में बैठने के लिए नहीं आए हैं। उनका काम लोगों के बीच बैठना व उनकी समस्याओं का निराकरण करना है, ताकि आगे किसी भी प्रकार की समस्या शेष न रह जाए। उन्होंने कहा कि अभी उनका पहला टारगेट राजस्थान में जिला ब्लॉक व कांग्रेस कार्यकारिणी में नियुक्तियां करना है। इस काम को वो अगले एक-दो दिन में पूरा कर लेंगे। अभी वो विधानसभा का टिकट देने नहीं आए हैं, फिलहाल वो संगठन का काम करने आए हैं और वैसे भी विधानसभा चुनाव में टिकट सर्वे के आधार पर ही जारी होंगे। जयपुर सर्किट हाउस में कांग्रेस नेताओं से मुलाकात के बाद रंधावा पत्रकारों से मुखातिब हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि वे पिछले दो दिन से लगातार कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच बैठकर फीडबैक ले रहे हैं। ऐसे में एक-दो दिन में जिला, ब्लॉक व राज्य स्तरीय संगठन में शेष बची नियुक्तियों को वो पूरा कर देंगे।

प्रधानमंत्री की मां हीरा बा के निधन पर राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने शोक जताया

जयपुर (हिंस)। राज्यपाल कलराज मिश्र और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माता हीरा बा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। राज्यपाल मिश्र ने ईश्वर से पुण्यात्मा की शांति और प्रधानमंत्री तथा परिजनों को यह भारी दु:ख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शोक संवदेना व्यक्त करते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माताजी हीराबेन के निधन का समाचार दुखद है। इस कठिन समय में शोकाकुल परिवारजनों के प्रति मैं अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं, ईश्वर उन्हें सम्बल प्रदान करें। उन्होंने दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने की प्रार्थना है। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने लिखा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पूज्य माताश्री हीराबेन का निधन अत्यंत दु:खद है। एक संतान के लिए इस से बड़ा आघात दूसरा नहीं हो सकता। दु:ख की इस घड़ी में मोदीजी हम सब आपके साथ हैं।

आप के शासन में राज्य की जनता खुद को कर रही है असुरक्षित महसूस : अश्विनी शर्मा

अमृतसर। भाजपा द्वारा पूरे प्रदेश में किए गए संगठनात्मक बदलाव के बाद भाजपा अमृतसर के नव-नियुक्त जिलाध्यक्ष डॉ. हरविंदर संधू ने आज अपना पदभार संभाला। भाजपा अमृतसर के पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेश महाजन की अध्यक्षता में जिला भाजपा कार्यालय शहीद हरबंस लाल खन्ना स्मारक में डॉ. संधू के इस ताजपोशी संबंधी आयोजित कार्यक्रम में भाजपा पंजाब प्रधान अश्विनी शर्मा विशेष रूप में उपस्थित हुए। अश्विनी शर्मा ने सबसे पहले शहीद हरबंस लाल खन्ना की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। इसके उपरंत कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वल्लित तथा वंदना के साथ किया गया। अश्वनी शर्मा ने डॉ. संधू का मुंह मीठा करवा कर उनका पदभार सौंपा। इस अवसर पर मंच पर प्रदेश महासचिव जीवन गुप्ता, प्रदेश सचिव राजेश हनी, पूर्व राज्यसभा सांसद तथा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष श्वेत मलिक, राजिंदर मोहन सिंह छीना, डॉ. बलदेव राज चावला, बख्शी राम अरोड़ा व अन्य भी मौजूद थे। इस मौके पर अश्विनी शर्मा ने कहा कि भाजपा का प्रमुख उद्देश्य राज्य में भाजपा को मजबूत करना है। राज्य की वर्तमान स्थिति पर बोलते हुए कहा कि आज प्रदेश की जनता भगवंत मान सरकार के शासन में खुद को बहुत ही असुरक्षित महसूस कर रही है। प्रदेश में भय का माहौल है। प्रतिदिन हत्याएं हो रही हैं और राज्य को 1980 के दौर में धकेला जा रहा है। पंजाब एक कठिन समय से गुरुर रहा है। राज्य की जनता भारतीय जनता पार्टी की तरफ उत्सुकता से देख रही है। उन्होंने कहा कि

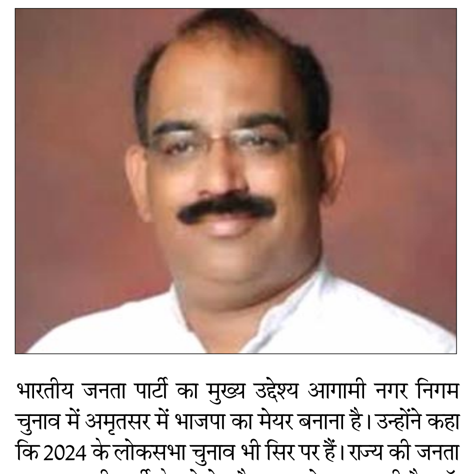

भारतीय जनता पार्टी का मुख्य उद्देश्य आगामी नगर निगम चुनाव में अमृतसर में भाजपा का मेयर बनाना है। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव भी सिर पर हैं। राज्य की जनता आम आदमी पार्टी के धोखे और भ्रम को जान चुकी है। डॉ. हरविंदर संधू ने इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी शर्मा तथा प्रदेश नेतृत्व का धन्यवाद करते हुए कहा कि पार्टी द्वारा उन पर जो भरोसा जताया गया है, वह उस पर खरा उतरने का हर सम्भव प्रयास करेंगें। उन्होंने कहा कि वह 25 वर्षों से राजनीति से जुड़े हुए हैं और उन्होंने प्रदेश से लेकर जिला स्तर तक कई पदों पर संगठन द्वारा दी गई जिम्मेवारियां बखूबी निभाया है।

राजस्थान यूनिवर्सिटी के छह शिक्षकों को पदोन्नति के लाभ के मामले ने पकड़ा तूल

जयपुर (हिंस)। राजस्थान यूनिवर्सिटी में कई साल से चले आ रहे 6 शिक्षकों की पदोन्नति का लाभ देने के मामले ने एक बार फिर से तूल पकड़ लिया है। ये 1995-96 से कार्यरत रिसर्च एसोसिएट हैं, जिन्हें 2009 में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर रिडेजीगनेट किया गया था। इनकी मांग थी कि इन्हें रिसर्च एसोसिएट बनें तब से पदोन्नति का लाभ दिया जाए। कई बार आदेश होने के बावजूद इन छह शिक्षकों को पदोन्नति नहीं दी गई है। अब ये शिक्षक 26 दिसंबर से राजस्थान विवि में धरने पर बैठे हैं। राजस्थान यूनिवर्सिटी में वर्ष 2009 में 6 रिसर्च एसोसिएट को असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर रिडेजीगनेट किया गया था। इनमें डॉ. अशोक सिंह, डॉ. सुरेन्द्र सिंह, डॉ. नरेश मलिक, डॉ. रमेश चावला, डॉ. महिपाल यादव और डॉ. केएल बत्रा शामिल हैं। इन शिक्षकों की मांग है कि उन्हें असिस्टेंट प्रोफेसर बने तब से पदोन्नति का लाभ ना देकर जब रिसर्च एसोसिएट बनाया गया था तब से लाभ दिये जाएं। शिक्षकों का कहना हैं कि 2013 में सलेक्शन कमेटी ने कहा भी था कि विवि द्वारा निर्धारित योग्यताएं पूर्ण करते हों तो इन्हें लाभ दे दिये जाएं। 2016 में लिफाफे खोले, 2016 में सिंडिकेट में कमेटी बनाकर भी जांच हुई। ऑर्डर निकला लेकिन तत्काल खारिज कर दिया गया। दूसरी ओर ऑडिटर जनरल की रिपोर्ट में भी शिक्षकों को दिये गए करीब 3 करोड़ के एरियर की रिकवरी का मामला भी विचाराधीन है। यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. आरके कोठारी के पास इन शिक्षकों को पदोन्नति का लाभ देने की फाइल आई थी। उन्होंने इसे पास भी कर दिया। लेकिन, जैसे ही उन्हें इस मामले की पूरी जानकारी मिली तो उन्होंने तत्काल संशोधन करने के आदेश दिये और रोक लगा दी। डॉ. केएल बत्रा ने बताया कि हम 6 सहायक प्रोफेसर की पदोन्नति के संबंध में राज्य सरकार ने 28 फरवरी 2022 व 20 अक्तूबर 2022 को आदेश के माध्यम से राजस्थान विश्वविद्यालय प्रशासन को 272 अन्य शिक्षकों के समकक्ष मानते हुए पदोन्नति का लाभ देने के लिए निर्देशित किया था।

मंत्री पद पर रहते निष्पक्ष जांच नहीं हो सकती : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

भिवानी (हिंस)। हरियाणा में प्रतिपक्ष नेता भूपेंद्र हुड्डा में भाजपा सरकार में खेल मंत्री पर एक महिला कोच द्वारा लगाए गए आरोपों पर कहा कि गंभीर आरोपों के मामले में मंत्री रहते फेयर जांच नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि उनके पास इनेलो नेता अभय चौटाला का फोन आया था तथा पीड़िता उनसे मिलकर अपनी समस्या बताएगी, तभी वे इस मामले में कांग्रेस का स्टैंड सही तरीके से रख सकेंगे। यह बात प्रतिपक्ष नेता भूपेंद्र हुड्डा ने भिवानी में पटवारी व कानूनगो के धरने को समर्थन देने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए कही। भिवानी पहुंचे भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने पटवारी व कानूनगो के धरने को समर्थन देने के अलावा दिव्यांग अधिकार अधिनियम-2016 को लेकर कई माह से धरना दे रहे दिव्यांगों व दो साल से धरना दे रहे बर्खास्त पीटीआई के बीच पहुंच उनकी मांगों को उठाने की बात कहने के साथ ही कहा कि आज प्रदेश में व्यापारी, किसान, मजदूर, शहरी, ग्रामीण सहित हर वर्ग भाजपा सरकार की नीतियों से परेशान है। इसीलिए धरने-

प्रदर्शनों पर बैठा है। उन्होंने कहा कि परिवार पहचान पत्र के नाम पर बुजुर्गो की पेंशन प्रदेश में काटी जा रही है। पहचान पत्र व राशन कार्ड को लेकर आमजन के सरकारी दफ्तरों के चक्कर कटवाएं जा रहे है। यह मांग वे विधानसभा में भी उठा चुके है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ईवेंट मैनेजमेंट की सरकार है तथा प्रदेश का कर्जा बढ़ाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का काम जनता की आवाज उठाना है। उन्होंने विधानसभा में गन्ने के भाव बढ़ाने की बात कही। भाजपा सरकार द्वारा वर्तमान गन्ने की फसल को लेकर एक रूपया भी दामों में बढ़ोत्तरी नहीं की गई। पत्रकारों द्वारा खेल मंत्री के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि यह गंभीर मामला है कि एक महिला कोच ने खेल मंत्री पर आरोप लगाए है। वे जब तक पीड़िता से बात नहीं कर लेते, कुछ कहने की स्थिति में नहीं है। हालांकि भूपेंद्र हुड्डा ने कहा कि मंत्री पद पर रहते हुए फेयर जांच नहीं हो सकती। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को लेकर भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि हरियाणा में दूसर चरण की यात्रा 6 से 11 तारीख तक रहेगी। जिसके बाद यह यात्रा पंजाब की तरफ प्रस्थान करेगी। इस यात्रा को लेकर वे विभिन्न जिलों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को लांबंद्ध करने के लिए प्रदेशाध्यक्ष के साथ पहुंच रहे है।

भाजपा नेता और पार्षद पुत्र को लश्कर-ए-खालसा ने दी जान से मारने की धमकी

जालंधर। पंजाब के माहौल को एकाएक अंशात करने में लगे अलगवादी संगठन लश्कर-ए-खालसा द्वारा जालंधर भाजपा के जिला उपाध्यक्ष विवेक खन्ना व पार्षद शैली खन्ना के बेटे अभिलक्ष्य खन्ना को जान से मारने की धमकी दी गई है। धमकी देने वाले ने खुद को स्पोकस पर्सन लश्कर-ए-खालसा बताया है। उसने फोन व मैसेज करके भाजपा नेता व पार्षद पुत्र अभिलक्ष्य खन्ना को कहा कि भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो जाओ और कांग्रेस पार्टी को ही वोट दे, ऐसा न करने पर परिवार सहित जान से मार देने की धमकी दी गई है। धमकी देने वाले ने वहट्सएप मैसेज भी भेजा जिसमें लिखा है *तूझे व तेरे परिवार को कुत्ते के मौत मारेंगे, हिंदुस्तान मुर्दाबाद व खालीस्तान जिंदाबाद बोल, पूरे हिंदुस्तान में बीजेपी, आरएसएस मंत्रियों को इंडियन आर्मी को हम निशाना बनाएंगे।* भाजपा उपाध्यक्ष विवेक खन्ना ने पंजाब पुलिस को एक शिकायत दी है कि उनके बेटे धमकी भरे फोन मैसेज आ रहे हैं। उन्होंने उनके परिवार के अलावा पार्टी के कई नेताओं व वर्करों को भी धमकी मिल रही है। इसलिए उनकी व उनके परिवार की सुरक्षा को यकीनी बनाया जाए। जानकारी के लिए बता दें विवेक खन्ना जिला उपाध्यक्ष हैं व उनकी पत्नी वार्ड नं. 17 की कौंसलर हैं।

जूनियर कोच से छेड़छाड़ के आरोपी मंत्री संदीप सिंह को बर्खास्त करे सरकार : मनोज

हिसार (हिंस)। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश प्रवक्ता मनोज राठी ने हरियाणा सरकार से मांग की है कि महिला जूनियर कोच से छेड़छाड़ के आरोपी राज्य के खेल मंत्री संदीप सिंह को मंत्रीमंडल से तुरंत बर्खास्त करके उन पर केस दर्ज किया जाए। उन्होंने कहा कि इस मसले पर सत्तापक्ष व विपक्ष के नेताओं की चुप्पी निंदाजनक है और जनता को चाहिए कि ऐसे नेताओं की पहचान करके उन्हें सबक सिखाए। हिसार में अपने कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए मनोज राठी ने शुक्रवार को कहा कि राज्य के खेल मंत्री संदीप सिंह पर महिला कोच के आरोप गंभीर है और सरकार को इस पर तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मध्यम वर्ग से संबंधित उक्त महिला कोच का आरोप है कि खेल मंत्री पिछले कई दिनों से उन्हें प्रताड़ति कर रहे

थे और जब उसने उनकी बात नहीं मानी तो मंत्री ने उसका झज्जर तबादला करवा दिया। उन्होंने कहा कि खेल मंत्री ने कोच को अपने बिना कैमरे वाले कमरे में बुलाया, वहां पर उससे गलत हरकत की और महिला कोच ने जब बचने का प्रयास किया तो उसकी टीशर्ट तक फाड़ दी गई, जो निंदनीय है। इससे भी निंदाजनक बात है कि मंत्री का स्टाफ बाहर खड़ा हंसता रहा और अवगत करवाने पर मुख्यमंत्री के ओएसडी, डीजीपी के ओएसडी ने भी मामले को गंभीरता से नहीं लिया। उन्होंने कहा कि अपने को गब्बर कहने वाले मंत्री अनिल विज के दरबार में उक्त पीड़िता दो बार पहुंची लेकिन दूसरी बार तो हद हो गई जब उसकी बात सुनने की बजाए मंत्री संदीप सिंह को सूचना दे दी गई कि उक्त कोच आपके खिलाफ शिकायत लेकर यहां आई हुई है।

सेना ने किया कौमी एकता बैठक का आयोजन

जम्मू (हिंस)। चिरस्थायी शांति और खुशहाली को बढ़ावा देने और अवाम के बीच भाईचारे और सद्भाव के वातावरण को विकसित करने के अपने प्रयास को जारी रखते हुए भारतीय सेना द्वारा किश्तवाड़ के शेरगवारी में शुक्रवार को एक कौमी एकता बैठक का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में आसपास के गांवों की प्रमुख हस्तियों ने शिरकत की। बातचीत के दौरान क्षेत्र के विकास के लिए की जा रही पहल और स्थानीय लोगों की समस्याओं पर चर्चा की गई और समाधान की तलाश की गई। इस बैठक का उद्देश्य स्थानीय समुदायों के साथ सकारात्मक तरीके से जुड़ना था जिससे विरोधी के नापाक मंसूबे को नाकाम किया जा सके। कौमी एकता इन विविधताओं को एक साथ रखने के लिए राष्ट्रीय एकता के लिए एक बंधन के रूप में कार्य करती हैं। इस बैठक का दायरा इस क्षेत्र में मौजूद सांप्रदायिक और जातीय परिवेश के विश्लेषण और चिरस्थायी भाईचारे, राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देने में समाज के विभिन्न स्तंभों की भूमिका को शामिल करना था।

भारतीय सेना की दक्षिणी कमान का सात राज्यों में *ग्रामसेवा-देशसेवा* अभियान

जयपुर (हिंस)। भारतीय सेना की दक्षिणी कमान ने महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, तेलंगाना, तमिलनाडु, गुजरात और राजस्थान राज्य के 75 दूरस्थ सीमावर्ती गांवों में *ग्राम सेवा - देश सेवा* अभियान चलाया। रक्षा प्रवक्ता कर्नल अमिताभ शर्मा के अनुसार *ग्राम सेवा - देश सेवा* प्रसंग के तहत, इस अभियान में सेना के जवानों और गांव के निवासियों द्वारा संयुक्त रूप से बड़े पैमाने पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। सेना द्वारा प्रारंभिक जांच के लिए चिकित्सा शिविर भी आयोजित किए गए, जिसमें दूरदराज के क्षेत्रों में 15 लाख रुपए की मुफ्त दवा वितरित की गई। गांव के युवाओं को भी अग्निवीर योजना के बारे में बताया गया और सशस्त्र बलों में करियर के रूप में शामिल होने के लिए प्रेरित किया गया। गांव के युवाओं और सेना के जवानों के बीच आयोजित खेल प्रतियोगिताओं ने उनके बीच एक मजबूत बंधन स्थापित किया। सेना की इकाइयों ने गांव के युवाओं को 10 लाख रुपए की खेल सामग्री भेंट की और उनसे जीवन में खेल भावना विकसित करने को प्रोत्साहित किया। क्षेत्र की वीर नारियों को भी सम्मानित किया गया और उनकी शिकायतों को दूर करने के प्रयास किए गए। भारतीय सेना ने युवाओं और छात्रों को लाभान्वित करने के लिए वॉलीबॉल/खो खो/कबड्डी मैदान जैसी खेल सुविधाओं के साथ मैत्रीपूर्ण मैचों का आयोजन किया। अधिकारियों और सैनिकों ने सैनिक-नागरिक संपर्क को एक अनौपचारिक रूप से नवीनीकृत करते हुए स्थानीय लोगों के साथ भोजन भी किया और जनता के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने और समाज के प्रति अपने कर्तव्य के बारे में नागरिकों, विशेष रूप से युवाओं को जागरूक करने की भारतीय सेना की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

भाजपा सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर की बर्खास्तगी की मांग को सौंपा ज्ञापन

यमुनानगर (हिंस)। संयुक्त संघर्ष मोर्चा यमुनानगर की अगुवाई में कर्नाटक में सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर के द्वारा दिए गए बयान के विरोध में शुक्रवार को लघु सचिवालय में जिला उपायुक्त के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर संयुक्त संघर्ष मोर्चा के संयोजक जरनैल सिंह सांगवान ने कहा कि पिछले दिनों कर्नाटक की एक सभा में भाजपा सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने एक विशेष समुदाय को चाकू की धार तेज करने और दूसरे समुदाय के लोगों की गर्दन काटने को लेकर बयान दिया था। जिस पर कई विपक्षी पार्टियों व सामाजिक संगठनों ने इस भड़काऊ भाषण का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर पहले भी जान

बूझकर ऐसे बयान देकर समाज में आपसी भाईचारा को तोड़ने और समाज में शांति भंग करने की बात करती रहती है। उन्होंने कहा कि महिला सांसद को स्वयं अपना अतीत भी नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी राष्ट्रपति से मांग है कि सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर को लोक सभा से बर्खास्त किया जाए। और इसकी पिछली गतिविधियों एवम लंबित मामलों की दोबारा जांच पड़ताल कर कानूनी रिव्यू पटीशन डालकर न्यायिक कार्यवाई की जाए। और पुराने केसों की भी दोबारा जांच करवाई जाए। इस मौके पर बड़ी संख्या में संयुक्त किसान मोर्चा के किसान व अन्य संगठन के कार्यकर्ता भी शामिल रहें।

ईडी से बचने के लिए भाजपा में जाना चाहते हैं हरीश : बेनीवाल

जयपुर (हिंस)। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की बनाई हुई प्रायोजित पार्टी कहने के बयान पर हनुमान बेनीवाल ने जवाबी हमला किया है। उन्होंने कहा कि ईडी की कार्रवाई से बचने लिए चौधरी भाजपा में जाने की तैयारी कर रहे हैं, इसीलिए ऐसी बयानबाजी कर रहे हैं। कुछ दिन पहले हरीश चौधरी ने बेनीवाल और उनकी पार्टी को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की प्रायोजित पार्टी बताया था। चौधरी के इस बयान को लेकर शुक्रवार को आरएलपी सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल ने भी पलटवार करते हुए हमला बोला। बेनीवाल ने कहा कि हरीश चौधरी जब कॉलेज, यूनिवर्सिटी में पढ़ते थे तो कहते थे कि उनके एक पापा वह हैं, जिन्होंने उन्हें जन्म दिया तो दूसरे पापा अशोक गहलोत हैं जो कि उनके *पॉलिटिकल पापा* हैं। अब क्योंकि हरीश चौधरी ने पंजाब में प्रभारी बनने के बाद जमकर लूट खसोट की है और वह ईडी के निशाने पर आ गए हैं तो कार्रवाई से बचने के लिए भाजपा में जाने की सोच रहे हैं। यही कारण है कि वह ऐसी बातें करते रहते हैं।

SHORT NOTICE INVITING TENDER

No. 1X/JDTBD/2022-23/CJM qtr./Jud./JHT/ Dtd.

Sealed tender affixing Court Fee Stamp of Rs. 8.25 (Eight and paisa Twenty Five) only with a validity of 180 (One Hundred and Eighty) days invited from the contractors registered under APWD (Bldg.) for the following work.

Sl. No.	Name of Work	Approx value of works	Earnest Money 2% (Two PC) 1% (One PC) for SC/ST/OBC/ UGE/UDE (in Rs.)	Cost of tender Documents (in Rs.)	Period of tender Documents (in Rs.)	Eligibility of Contractor
1	Repair and painting of the CJM quarter, quarter No. 6 and quarter No. 7, Jorhat	Rs. 7,90,650.00	1% (One) P.C. Rs. 7906.00 2% (Two) P.C. Rs. 15813.00	Rs. 500.00	60 (sixty) days	Class-I, II & III

Details of NIT may be seen in the Office of the undersigned upto 03.01.2023 during office hours.

Sd/-
Executive Engineer, PW(B&NH), Deptt.
Jorhat District Territorial Building Division

-- Janasanyog /C/17283/22

QUOTATION NOTICE

Separate sealed quotation are invited in plain paper applying non-refundable court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees Eight and Twenty Five paise) only for the interested vendors/contractors/bidders for supplying of goat male/female. Insurance premium and miscellaneous expenses to the District A.H. & Veterinary officer, Kamrup (M) for distribution among the approved selected beneficiaries of Rural Backyard Goat Development Scheme under National Livestock-Mission (NLM).

The quotations will be received by. the undersigned up to 2:00 pm on or before 07/01/2023 and open on the same day at 2:30 pm by the bid committee formed by the officer of this department. No quotation will be received by the undersigned after expiery of schedule time and date. If the date of submission of quotations and opening of quotation falls any holiday or any bandh, the next working day will be considered as last day of submission and opening of quotations may be altered for any unforeseen reason. The undersigned reserved his right to accept or reject any quotations or all quotations without assigning any reason. Therefore, the bidder must submit the PAN Card, up to date GST, estimates and failing to submit any documents as per terms and conditions will be summarily rejected.

TERMS & CONDITIONS
1. The bidder may submit the necessary documents with quotation and court fee.
2. The bidder will supply the require animals in any place as per requirement on bidders cost in the jurisdiction of Kamrup Metro District.
3. The recommended cost norms per goat unit as follows:

Sl. No.	Particulars	Cost	Remarks
1.	Cost of animals-male age group 5-6 month cost @ Rs. 6,000.00x1	Rs. 6,000.00	
2.	Cost of animals - female age group 4-5 month cost @ Rs. 5,000.00 x 10	Rs. 50,000.00	
3.	Insurance premium for 3 years @ 7.5% for 11 nos. animals	Rs. 4,200.00	
4.	Other miscellaneous expenses : a. Utensils @ Rs. 200.00x11=2200.00 b. Plastic rope 1kg @ Rs. 130 x 11 = 1,430.00 c. Mecidines Fentas Plus tab 150 mg @ Rs. 8.50.00 ×11 = 93.50.00. Khurak 100 gm x 11 @ Rs. 8.58 = 96.58.00 Vimeral/Stressvit syrup.60-ml. x 11 @ Rs.102=1,122.00 d. Transportation cost @ Rs. 858.00	Rs. 5,800.00	

4. Successful bidders will have-to supply all animals and materials in condition.
5. The Supplier will earlier experience of supplying animals, birds and other logistics in Agriculture and Allied Sector will get preference.
6. The bidder must submit GST Registration, Trade License Certificate along with an application

Sd/-
District A.H. & Veterinary Officer,
Kamrup

-- Janasanyog /C/ 17355 /22

अमित शाह ने मेगा डेयरी का किया उद्घाटन, नंदिनी व अमूल ब्रांडों के बीच सहयोग पर की बात

मांड्या।
केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कर्नाटक के मांड्या जिले में 260 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित मेगा डेयरी का उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अगर अमूल और नंदिनी मिलकर काम करें तो तीन साल में हर गांव के स्तर पर प्राइमरी डेयरियां होंगी। उन्होंने कहा कि कर्नाटक मिल्क फेडरेशन (केएमएफ) को अमूल से सभी तकनीकी सहायता और सहयोग मिलेगा, उन्होंने कहा कि अगर कर्नाटक और गुजरात इस दिशा में एक साथ आते हैं, तो इससे पूरे देश के किसानों को लाभ होगा। केंद्रीय मंत्री ने मांड्या के मंच से देश के किसानों और सहकारी कार्यकर्ताओं को आश्वासन दिया कि उनकी सरकार उनके साथ धोखा या अन्याय नहीं होने देगी।

उन्होंने कहा, यह भारत सरकार का फैसला है।

आजादी के बाद भारतीय किसानों ने सहकारिता क्षेत्र के लिए एक अलग मंत्रालय की मांग की थी। अगर किसी ने इसे कृषि मंत्रालय से अलग कर दिया होता तो आज किसानों की किस्मत कुछ और होती। शाह ने बताया कि आखिरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मांग को पूरा किया। उन्होंने कहा कि कर्नाटक सहकारी और डेयरी क्षेत्रों में सबसे आगे है।

राज्य ने एक लंबा सफर तय किया और 1975 से 2022 तक अच्छी प्रगति की।

1975 में, कर्नाटक ने 66,000 किलो दूध का कारोबार किया और अब यह 82 लाख किलो दूध का कारोबार कर रहा है। उन्होंने कहा कि फेडरेशन का सालाना कारोबार 25,000 करोड़ रुपये है और करीब 80 फीसदी पैसा किसानों के पास जाता है। पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा ने कहा कि शाह ने देश में सहकारी समितियों और बैंकों के कुप्रबंधन पर ध्यान दिया है। यह कोई राजनीतिक कार्यक्रम नहीं है। उन्होंने कहा, मेरे मन में अमित शाह के लिए बहुत सम्मान है क्योंकि उन्होंने राज्य में परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए अच्छी तरह से आदान-प्रदान किया है।

न्यूज़ ब्रीफ

मामाअर्थ आईपीओ : शिल्पा शेट्टी समेत कंपनी के अन्य निवेशक घटाएंगे अपनी हिस्सेदारी, सेबी को सौंपा प्रस्ताव

नई दिल्ली । आईपीओ में निवेश करने वालों को कमाई एक नया मौका आने वाला है। अब निवेशक इस मौके का इस्तेमाल कर मुनाफा कमाते हैं या नुकसान उठाते यह है तो समय ही बताएगा पर इतना जरूर है कि बहुत जल्द ही वे एक नए आईपीओ में निवेश कर सकेंगे। बच्चों से जुड़े उत्पाद बनाने वाली कंपनी मामाअर्थ की पैतृक कंपनी होनसा कंज्यूमर लिमिटेड ने आईपीओ के लिए शेयर बाजार की नियामक संस्था सेबी के पास अपना ड्रॉफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दायर किया है। कंपनी का 400 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी करने का प्लान है। यह आईपीओ ऑफर फोर सेल के जरिए जारी किया जाएगा। सेबी में दायर डीआरएचपी के अनुसार ओएफएस के जरिए कंपनी के संस्थापक वरुण अलघ, गजल, सोफिना, फायरसाइड वेंचर्स, इवोलेंस इंडिया, स्टेलारिस जैसे निवेशक अपनी हिस्सेदारी बचेंगे। वहीं दूसरी ओर, कंपनी के एंजेल निवेशक कुणाल बहल, ऋषभ मारीवाला, रोहित बंसल और शिल्पा शेट्टी कुंद्रा भी अपनी हिस्सेदारी घटाएंगे। सेबी को दिए गए ऑफर डॉक्यूमेंट में होनसा कंज्यूमर ने अप्रैल से सितंबर 2022 की तिमाही के दौरान 3.67 करोड़ रुपये के मुनाफा होने की बात कही है। इस दौरान कंपनी का कुल राजस्व 722.73 करोड़ रुपये रहा। 31 मार्च 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष में कंपनी का परिचालन राजस्व 943.46 करोड़ रुपये रहा। बता दें कि कंपनी के पास ममाअर्थ के अलावे द डर्मा और बीबीलंट जैसे ब्रांड भी हैं। इसका कुल मार्केट वैल्यू 1.2 करोड़ डॉलर है।

2022 में चार बार बदला घरेलू एलपीजी सिलेंडर का भाव, हर बार हुआ महंगा

नई दिल्ली । वर्ष 2022 में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में चार बार बदलाव हुआ, हर बार के बदलाव में इनकी कीमतों में इजाफा ही किया गया। इस बार भी नए साल के पहले दिन यानी 1 जनवरी 2023 को घरेलू और कमर्शियल गैस सिलेंडरों की नई दरें जारी हो सकती हैं। इस बार गैस सिलेंडरों के भाव बढ़ेंगे या इसमें कटौती होगी यह तो वक्त ही बताएगा पर आइए जानते हैं वर्ष 2022 में इनकी कीमतों में कब-कब बदलाव हुआ। पिछले एक वर्ष में घरेलू गैस सिलेंडरों यानी घरों में इस्तेमाल होने वाले 14 किलो के एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 154 रुपये का इजाफा हुआ। वहीं दूसरी ओर, इस दौरान 19 किलो वाला कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 357 रुपये सस्ता हुआ है। इस दौरान 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर के भाव में कुल 18 बार परिवर्तन किया गया। 12 बार इन सिलेंडर के भाव घटाए गए जबकि छह बार यह महंगा हुआ।

भारतीय मूल के ब्रिटिश नागरिक को डेनमार्क को सौंपेगा दुबई, टैक्स धोखाधड़ी का है मामला

नई दिल्ली । दुबई की एक अदालत ने 1.7 अरब डॉलर की कर धोखाधड़ी मामले में ब्रिटिश नागरिक को डेनमार्क प्रत्यर्पित करने का आदेश दिया है। अदालत ने गुरुवार को फैसला सुनाते हुए कहा कि 1.7 अरब डॉलर की कर धोखाधड़ी मामले के मास्टरमाइंड 52 वर्षीय ब्रिटिश नागरिक को डेनमार्क प्रत्यर्पित किया जाए। हेज फंड कारोबारी संजय शाह पर 2012 से 2015 तक चलने वाली एक योजना बनाने का आरोप है, जिसमें विदेशी व्यवसायों ने डेनिश कंपनियों में शेयर होने का दिखावा किया और कर रिफंड का दावा किया। हालांकि इसके लिए वे पात्र नहीं थे। गुरुवार को यहां जारी एक बयान के अनुसार, यह फैसला दुबई के अटॉर्नी जनरल चांसलर एसाम इस्सा अल हुमैदान की ओर से दुबई कोर्ट ऑफ कैसेशन में दायर अपील पर सुनवाई के बाद सुनाया गया। कोर्ट ऑफ कैसेशन ने एक अलग न्यायिक निकाय की ओर से पुनर्विचार के लिए मामले को कोर्ट ऑफ अपील को वापस करने का फैसला किया गया। इस अदालत ने शाह को डेनमार्क के अधिकारियों को प्रत्यर्पित करने का फैसला सुनाया। बयान में कहा गया है, दुबई लोक अभियोजन ने संजय शाह के खिलाफ डेनमार्क के अधिकारियों की ओर से सौंपे गए सभी दस्तावेज अदालत को सौंपे। इन दस्तावेजों से धोखाधड़ी और धनशोधन में आरोपित की संलिप्तता का पता चलता है।

आकाश संभालेंगे दूरसंचार, ईशा को खुदरा व अनंत को ऊर्जा कारोबार

नई दिल्ली।
अरबपति मुकेश अंबानी ने अपने तीनों बच्चों आकाश, ईशा एवं अनंत के लिए लक्ष्य तय किए हैं, जिन्हें वह दूरसंचार, खुदरा व नवीन ऊर्जा कारोबार की जिम्मेदारी सौंपेंगे। धीरूभाई अंबानी की जयंती पर रिलायंस फैमिली डे के मौके पर उन्होंने कहा कि तेल से लेकर दूरसंचार और खुदरा तक का कारोबार करने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज आत्म परिवर्तन की विस्तृत यात्रा पर चल पड़ी है।

104 अरब डॉलर का समूह चलाने वाले अंबानी ने कहा कि अब से पांच साल बाद रिलायंस की स्थापना को 50 साल पूरे हो जाएंगे।

दूरसंचार : आकाश की अगुवाई में सर्वश्रेष्ठ 5जी नेटवर्क शुरू

अंबानी ने कहा, आकाश की अगुवाई में जियो देशभर में दुनिया का सर्वश्रेष्ठ 5जी नेटवर्क शुरू कर रही है। इस सेवा की रफ्तार दुनिया में सबसे तेज है। लेकिन, जियो मंचों को भारत के भावी अवसरों के लिए तैयार होना चाहिए। ये अवसर हैं घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए अनूठे डिजिटल उत्पाद एवं समाधान उपलब्ध कराना।

खुदरा : ईशा के नेतृत्व में तेजी से बढ़ा कारोबार

उद्योगपति ने कहा, ईशा अंबानी के नेतृत्व में खुदरा कारोबार तेजी से बढ़ा है। जियो की तरह खुदरा कारोबार की वृद्धि का भारत के समावेशी विकास पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा। अधिक रोजगार पैदा होंगे। किसानों को उच्च आय मिलेगी। एसएमई और बड़े निर्माताओं को अधिक उत्पादक बनाने के साथ व्यापारियों को समृद्ध बनने में मदद करेंगे।

नवीन ऊर्जा : अनंत की देखरेख में बनेंगे हरित कॉरपोरेट समूह

नवीन ऊर्जा पर अंबानी ने कहा, यह रिलायंस का सबसे नया स्टार्टअप कारोबार है। इसमें पूरी दुनिया को बदलने की ताकत है। अनंत इस अगली पीढ़ी के व्यवसाय से जुड़ रहे हैं। इसके साथ ही हमने जामनगर में अपने बड़े (गीगा) कारखाने तैयार करने की प्रक्रिया तेज कर दी है। उन्होंने कहा, रिलायंस भारत का सबसे 'हरित' कॉरपोरेट समूह भी बनने जा रहा है।

मेसी के जरिये नेतृत्व-टीमवर्क की सीख

मुकेश अंबानी ने नेतृत्व और टीमवर्क के साथ काम करने के लिए अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनल मेसी की मिसाल दी। कहा, अर्जेंटीना ने कप कैसे जीता यह नेतृत्व और टीमवर्क का मेल है। मेसी अकेले अपने दम पर कप नहीं जीत सकते थे। इसी तरह, अर्जेंटीना भी मेसी के प्रेरणादायी नेतृत्व के बिना नहीं जीत सकता था।

2047 तक 40 लाख करोड़ डॉलर की जीडीपी

रिलायंस प्रमुख ने भरोसा जताया कि भारत 2047 तक 40 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है। हम स्थिर तरीके से इस स्थायी लक्ष्य को पा सकेंगे। उन्होंने कहा, हम ऐसे वक्त में जी रहे हैं जब दुनिया 21वीं सदी को भारत की सदी के तौर पर देख रहा है।

दुनिया की निगाहें हम पर हैं। अगले 25 साल बदलाव के हैं, जो भारत के 5000 साल पुराने इतिहास के लिए परिवर्तनकारी होने जा रहे हैं।

अशनीर ने सिकोइया कैपिटल इंडिया पर साधा निशाना, जिलिंगो की बर्खास्त सीईओ अंकिति की दुर्दशा के बारे में बताया

नई दिल्ली।
भारतपे के पूर्व सह-संस्थापक और प्रबंध निदेशक अश्नीर ग्रोवर ने शुक्रवार को सिंगापुर के स्टार्टअप जिलिंगो की पूर्व सीईओ अंकिती बोस का बचाव करते हुए शीर्ष वीसी फर्म सिकोइया कैपिटल इंडिया पर निशाना साधा, जिन्हें इस साल की शुरुआत में वित्तीय अनियमितताओं के कारण बर्खास्त कर दिया गया था। ट्वीट्स की एक सीरीज में, ग्रोवर ने अंकिती और ग्रोवर के बीच एक छोटी ऑडियो बातचीत पोस्ट की, जहां उन्हें सिंगापुर स्थित फैशन-टेक स्टार्टअप जिलिंगो और धोखाधड़ी के आरोपों पर 220 पेज की रिपोर्ट पर चर्चा करते हुए सुना जा सकता है, जिसे कभी सार्वजनिक नहीं किया गया था।

सिकोइया कैपिटल इंडिया ने भारतपे और जिलिंगो दोनों का समर्थन किया। इस साल मार्च में जिलिंगो ने कथित वित्तीय अनियमितताओं की शिकायतों पर 30 वर्षीय सीईओ अंकिति को निलंबित कर दिया था। स्टार्टअप ने टेमासेक होल्डिंग्स पीटीई और सिकोइया कैपिटल इंडिया सहित शीर्ष निवेशकों से 300 मिलियन डॉलर से अधिक जुटाए थे।

एक स्वतंत्र फोरेंसिक फर्म के नेतृत्व में एक जांच के बाद, स्टार्टअप ने अंकिति के रोजगार को समाप्त करने का फैसला किया।

31 मार्च को अपने निलंबन के बाद, 11 अप्रैल को अंकिति ने पहली बार बोर्ड के ध्यान में पिछली समयावधि से संबंधित कुछ उत्पीड़न-संबंधी मुद्दों को लाया, जिसमें निवेशकों या उनके नामितों के खिलाफ उत्पीड़न की कोई शिकायत शामिल नहीं थी।

अंकिति द्वारा बोर्ड के नोटिस में लाए गए उत्पीड़न के दावों को देखने के लिए एक शीर्ष परामर्श फर्म को नियुक्त किया गया था।

जिलिंगो के अनुसार, जांच से यह निष्कर्ष निकला कि कंपनी ने उचित कार्रवाई की और इन शिकायतों को दूर करने के लिए उचित प्रक्रिया का पालन किया, जो उनके संज्ञान में लाई गईं। मीडिया रिपोर्टें के विपरीत, जिसमें सुझाव दिया गया है कि अंकिति के निलंबन और जांच का उद्देश्य उक्त उत्पीड़न दावे को दबाना था।

कंपनी ने कहा था कि जिस तरह से बोर्ड, निवेशकों और कर्मचारियों पर लगातार लीक और फर्जी सूचनाओं के माध्यम से हमला किया जा रहा है, उसे देखकर कंपनी को गहरा दुख और निराशा हुई है।

ऑस्ट्रेलिया संग 5 साल में 70 अरब डॉलर का कारोबार, समझौता ऑस्ट्रेलिया को चीन से दूर होने में करेगा मदद

नई दिल्ली।
भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से अगले पांच साल में वस्तुओं एवं सेवाओं का द्विपक्षीय व्यापार 70 अरब डॉलर के पार पहुंच सकता है। यह द्विपक्षीय व्यापार भरोसेमंद कारोबार संबंधों को बढ़ावा देगा। दोनों देशों के बीच एफटीए 29 दिसंबर से लागू हो गया है।

आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा कि 23 अरब डॉलर का व्यापार पहले दिन से ही शुल्क मुक्त हो जाएगा। यह भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 2021-22 में 25 अरब डॉलर के वस्तुओं के व्यापार का 93 फीसदी है।

संस्थान के सह-संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, दोनों देशों के बीच यह समझौता कठिन समय में अधिक व्यापार के अवसर उपलब्ध कराएगा। उन्होंने कहा कि भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौता ऑस्ट्रेलिया को धीरे-धीरे चीन से दूर होने में मदद करेगा। 2021-22 में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 8.3 अरब डॉलर का निर्यात किया था, जबकि 16.75 अरब डॉलर का आयात किया था।

23 अरब डॉलर का कारोबार पहले ही दिन से होगा शुल्क मुक्त2023 में दो और एफटीए होने की उम्मीद : गोयल वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को उम्मीद जताई कि 2023 में कम-से-कम दो और एफटीए पर हस्ताक्षर होंगे। समझौते के बाद ऑस्ट्रेलिया भेजे जाने वाले पहले भारतीय माल के लिए मूल प्रमाणपत्र सौंपने के बाद उन्होंने कहा, एफटीए से रत्न-आभूषण, कपड़ा और सूचना प्रौद्योगिकी सहित कई क्षेत्रों को लाभ होगा। हमारे कारोबार को नए मौके मिलेंगे : ऑस्ट्रेलिया पीएम ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीस ने कहा कि भारत के साथ एफटीए हमारे देश के व्यवसायों के लिए नए अवसर प्रदान करेगा। एक ट्वीट में उन्होंने कहा, वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर अगले साल मार्च में भारत का दौरा करेंगे।

एक जनवरी से केवाईसी के बिना नहीं खरीद सकेंगे बीमा, पुराने पॉलिसीधारकों पर भी होगा लागू

नई दिल्ली।
नए साल से किसी भी तरह की बीमा पॉलिसी खरीदने के लिए केवाईसी (ग्राहक को जानिये) देना जरूरी होगा। इसके बिना ग्राहक कोई भी पॉलिसी नहीं खरीद सकेंगे। भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने कहा कि एक जनवरी से जीवन बीमा, वाहन और स्वास्थ्य समेत सभी तरह की बीमा पॉलिसी खरीदने के लिए ग्राहकों को केवाईसी देना जरूरी होगा।

अभी किसी भी गैर-जीवन या सामान्य बीमा जैसे स्वास्थ्य, वाहन या फिर यात्रा बीमा पॉलिसी खरीदने के लिए केवाईसी की जरूरत नहीं होती है। हालांकि, अगर किसी स्वास्थ्य बीमा के संबंध में क्लेम (दावा) एक लाख रुपये से ज्यादा है तो ऐसी स्थिति में पॉलिसीधारकों के लिए पैन और आधार कार्ड देना जरूरी होता है। इरडा के फैसले का मतलब कि क्लेम से पहले अब पॉलिसी खरीदते समय ही केवाईसी का नियम लागू होगा। यह नियम उन पर भी लागू होगा, जिनके पास पहले से पॉलिसी है। अगर कम जोखिम वाली पॉलिसी है तो पॉलिसीधारक के लिए दो साल के भीतर केवाईसी पूरा करना होगा। अन्य ग्राहकों व ज्यादा जोखिम वाली पॉलिसियों के ग्राहकों के लिए एक साल का समय दिया गया है। इसके लिए बीमा कंपनी को संदेश और ईमेल से जानकारी देनी होगी। इस नियम के मुताबिक, अगर आपकी पॉलिसी का नवीनीकरण एक जनवरी, 2023 के बाद होना है तो आपको केवाईसी करानी होगी। इसके लिए फोटो पहचान पत्र और पता (एड्रेस) संबंधी दस्तावेज बीमा कंपनी के पास जमा कराना होगा। अगर आप केवाईसी नहीं देते हैं तो न तो आप नई पॉलिसी खरीद पाएंगे और न ही नवीनीकरण करा पाएंगे।

मोतीलाल ओसवाल-अनुज गुप्ता की टॉप पिक्स

साल 2023 में इंफोसिस-एसबीआई समेत इन टॉप शेयरों में करें निवेश, मिल सकता है तगड़ा रिटर्न

नई दिल्ली।
भारतीय शेयर बाजार ने साल 2022 में ग्लोबल मार्केट्स के मुकाबले काफी अच्छा परफॉर्म किया है। कई वैश्विक विपरीत परिस्थितियों के बीच सेंसेक्स और निफ्टी में इस साल 2प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त देखने को मिली। वहीं ज्यादातर ग्लोबल मार्केट्स में 10 से 20प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड की रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2023 में भी भारतीय बाजार में तेजी देखने को मिल सकती है।

ब्रोकरेज फर्म का मानना है कि नए साल में कैपिटल गुड्स, इन्फ्रास्ट्रक्चर, सीमेंट, हाउसिंग, डिफेंस और रेलवे जैसे सेक्टर फोकस में रह सकते हैं। फर्म ने 14 ऐसे शेयर भी बताए हैं, जो अगले साल शानदार मुनाफा दिला सकते हैं।

वहीं मोतीलाल ओसवाल के सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट (कमोडिटी एंड करेंसी) अनुज गुप्ता ने भी साल 2023 के लिए अलग-अलग सेक्टर्स से कुछ मल्टीबैगर स्टॉक्स चुने हैं, जो निवेशकों को सालभर में अच्छा रिटर्न दे सकते हैं। आइए जानते हैं इन टॉप शेयरों के बारे में

2023 में कैसा रहेगा भारतीय शेयर बाजार

मोतीलाल ओसवाल की रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2023 में भी भारतीय बाजार में तेजी देखने को मिल सकती है। ब्रोकरेज फर्म का मानना है कि 2023 में कैपिटल गुड्स, इन्फ्रास्ट्रक्चर, सीमेंट, हाउसिंग, डिफेंस और रेलवे जैसे सेक्टर फोकस में रह सकते हैं।

नए साल में भारतीय बाजार में जमकर निवेश करने की उम्मीद है। हालांकि, मंदी की आशंका, जियोपॉलिटिकल टेंशन और चीन में कोविड के बढ़ते मामलों जैसे ग्लोबल कारणों से शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। 2023 में आरबीआई के साथ-साथ की पॉलिसीज का भी बाजार की चाल तय करने में अहम रोल होगा।

2022 में शेयर बाजार ने नए हाई बनाए

मोतीलाल ओसवाल की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय बाजार ने इस साल हाई इन्फ्लेशन, इंटरेस्ट रेट्स में बढ़ोतरी, करेंसी में उतार-चढ़ाव, जियोपॉलिटिकल टेंशन और बिकवाली का सामना किया। इसके बावजूद 1 दिसंबर 2022 को सेंसेक्स ने 63,583.07 और निफ्टी ने 18,887.60 का नया ऑल टाइम हाई बनाया था।

पूरे साल में सेंसेक्स करीब 1,500 अंक और निफ्टी 450 अंक बढ़ा है। इस साल निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में भी 3प्रतिशत की तेजी रही। हालांकि, निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 15प्रतिशत की गिरावट आई। वहीं साल 2022 में बैंक सेक्टर में सबसे ज्यादा 64प्रतिशत की रैली देखी गई।

जरूरी नहीं कि मेल एक्टर्स इंटीमेट सीन को इन्जॉय करते हों

– एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया ने फिल्माए जाने वाले इंटीमेट सीन्स को लेकर कहा

चेन्नई (ईएमएस)। एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया ने फिल्म में फिल्माए जाने वाले इंटीमेट सीन्स को लेकर खुलकर बात की और कहा कि जरूरी नहीं कि मेल एक्टर्स इंटीमेट सीन करते समय इसे काफी इन्जॉय करते हैं। तमन्ना भाटिया को हाल ही में हिंदी फिल्म बबली बाउंसर के साथ-साथ साउथ फिल्म गुरटूंडा सीथाकालम में देखा गया। इस मूवी में एक्ट्रेस और उनके को-एक्टर के बीच बाथरूम में कुछ इंटीमेट सीन को फिल्माया गया है जिसे लेकर अब उन्होंने अपने इंटरव्यू में बात की है और इस दौरान हो रही मेल एक्टर्स की फीलिंग्स के बारे में खुलासा बताया है। तमन्ना ने इंटीमेट सीन और मेल एक्टर्स की फीलिंग्स को लेकर कहा कि जरूरी नहीं कि इंटीमेट सीन्स को एक्टर्स काफी इन्जॉय करते हैं। बल्कि कई बार तो ऐसा होता है कि वो इसे लेकर एक्ट्रेस से ज्यादा नर्वस और अजीब करते हैं। वो फीमेल एक्ट्रेस के बारे में सोचते हैं कि वो क्या सोचेगी। ये सब कितना अजीब होने वाला है। एक्टर्स के मन में ढेरों सवाल होते हैं।बहरहाल अगर तमन्ना भाटिया के वर्कफ्रंट की बात की जाए तो वो चिरंजीवी की फिल्म भोला शंकर में नजर आने वाली हैं। वो इस-की शूटिंग जनवरी और फरवरी में शुरू करेंगी। इसके अलावा एक्ट्रेस साल 2023 में ओटीटी पर रिलीज होने वाली कई वेब सीरीज में भी नजर आने वाली हैं। इसमें मलयालम फिल्म बांद्रा भी उनके हाथ में हैं। वहीं चिरंजीवी की फिल्म उनके हाथ बड़े बजट वाली मूवी है। इसका निर्देशन मेहर रमेश द्वारा किया जा रहा है। इससे पहले आखिरी बार वो साउथ फिल्म गुरटूंडा सीथाकालम में नजर आईं। इसमें उन्होंने सत्यदेव कंचरन के अपोजिट रोल प्ले किया था।

इस मूवी में उनका काफी मजेदार कैरेक्टर होता है जो बीमारी के कारण मर जाता है। बता दें कि साउथ और बॉलीवुड में काम कर चुकी एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया को हाल ही में फिल्म बबली बाउंसर में देखा गया। इसमें उन्होंने एक लेडी बाउंसर का रोल प्ले किया था।

चिरंजीवी की फिल्म वाल्टेयर वीरय्या 13 को होगी रीलिज

–तेलुगू के साथ-साथ अब हिन्दी में भी प्रदर्शित होगी

मुंबई (ईएमएस)। सुपर स्टार चिरंजीवी की फिल्म वाल्टेयर वीरय्या 13 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म निमार्ताओं ने घोषणा की है कि चिरंजीवी की फिल्म को तेलुगू के साथ-साथ अब हिन्दी में भी प्रदर्शित किया जाएगा। यह चिरंजीवी की पिछली प्रदर्शित दो फिल्मों सई रा नरसिम्हा रेड्डी और गा-ॅडफादर के बाद चिरंजीवी की तीसरी ऐसी फिल्म होगी जिसे हिन्दी में प्रदर्शित किया जाएगा। वाल्टेयर वीरय्या एक एक्शन फिल्म है जिसका निर्देशन बॉबी ने किया है। इसे नवीन येरनेनी और वाई रविशंकर ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म को मकर संक्रांति के अवसर पर 13 जनवरी को प्रदर्शित किया जाएगा। निमार्ता वाई रवि शंकर ने कहा वॉल्टेयर वीरय्या तेलुगू और हिंदी दोनों में एक ही तारीख 13 जनवरी को एक ही शीर्षक के साथ रिलीज होगी। सई रा नरसिम्हा रेड्डी और गॉडफादर भी सिनेमाघरों में हिंदी में रिलीज हुई थीं लेकिन उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाईं। इन दोनों फिल्मों में बॉलीवुड के दो दिग्गज अदाकारों अमिताभ बच्चन और सलमान खान ने भी विशेष भूमिका में काम किया था। गॉडफादर को तेलुगू और हिन्दी में चिरंजीवी के साथ सलमान खान के पोस्टरों के साथ प्रचारित किया गया था।

उम्मीद की जा रही थी कि सलमान खान के चलते गॉडफादर हिन्दी भाषी दर्शकों को अपने साथ जोडने में सफल होगी लेकिन ऐसा हो नहीं पाया। इसका कारण यह भी बताया गया कि गॉडफादर मलयालम भाषा में बनी अभिनेता मोहनलाल की फिल्म का रीमेक थी जिसे दर्शक ओटीटी प्लेटफार्म और यूट्यूब पर पहले ही हिन्दी में देख चुके थे जिसके चलते दर्शकों का रूझान इस फिल्म के प्रति कम रहा। अब यह देखा जाना बाकी है कि क्या वॉल्टेयर वीरय्या चिरंजीवी को एक अखिल भारतीय ब्लॉकबस्टर फिल्म देती है या नहीं। बता दें कि फिल्म के निमार्ताओं ने हाल ही में इसके शीर्षक गीत की सफलता को अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिये दर्शकों से साझा की थी। अब उन्होंने एक और घोषणा करके इस फिल्म को पैन इंडिया रिलीज बना दिया है।

पठान के प्रदर्शन से पूर्व दर्शकों में जबरदस्त उत्साह

–फिल्म का देश में सिर्फ दो सिनेमाघरों में होगा प्रदर्शन

मुंबई (ईएमएस)। फिल्म पठान के प्रदर्शन से पूर्व दर्शकों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। फिल्म के विवादित गीत बेशरम रंग ने इसका बज बना दिया है। निमार्ताओं का दावा है कि पठान में दर्शकों को उनकी पिछली फिल्मों–एक था टाइगर टाइगर जिंदा है से हटकर एक्शन देखने को मिलेगा। इस फिल्म के कुछ ऐसे एक्शन दृश्य हैं जिन्हें उन्होंने इससे पहले किसी फिल्म में नहीं देखा होगा।इन सबसे इतर इस फिल्म की सबसे बड़ी विशेषता इसका आईसीई थिएटर फॉर्मेट में प्रदर्शित होना है। इस फार्मेट में प्रदर्शित होने वाली यह पहली भारतीय फिल्म है। हाल ही में दिए एक बयान में निमार्ताओं ने कहा दर्शकों को फिल्मों का बेहतरीन अनुभव देने के लिए नई तकनीक अपनाने में हम हमेशा आगे रहते हैं। हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि दर्शकों को फिल्म का बेहतरीन अनुभव देने के लिए पठान आईसीई फॉर्मेट में रिलीज होने वाली पहली भारतीय फिल्म बनेगी। ज्ञातव्य है कि आईसीई थिएटर फॉर्मेट में साइड पैनल्स होते हैं जो मुख्य स्क्रीन से जुड़े होते हैं जिससे फिल्म का अनुभव और भी मजेदार हो जाता है। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर हॉलीवुड की कई फिल्में जैसे कि डॉक्टर स्ट्रेंज इन द मल्टीवर्स ऑफ मैडनेस द बैटमैन और फैंटास्टिक बीस्टः द सीक्रेट ऑफ डंबलडोर आईसीई फॉर्मेट में रिलीज हो चुकी हैं।

पठान को बनाने वाली कंपनी यशराज फिल्म्स में डिस्ट्रिब्यूशन के वाइस प्रेसिडेंट रोहन मल्होत्रा कहते हैं इस फॉर्मेट की शुरूआत दिल्ली एनसीआर में दो थिएटर के साथ हो चुकी है। उनमें हाल ही में अवतारः द वे ऑफ वॉटर रिलीज की गई थी। हम हमेशा सबसे पहले नई तकनीक को अपनाते रहे हैं। बता दें कि यह शाहरुख की चार साल बाद बिग स्क्रीन पर वापसी है इसीलिए दर्शक इसमें शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण को देखने के लिए बेकरार हैं। सबसे बड़ी बात यह है फिल्म 25 जनवरी को प्रदर्शित होने जा रही है और अभी तक इस फिल्म के निमार्ताओं ने इसका ट्रेलर जारी नहीं किया है।

दिवंगत अभिनेत्री तुनिशा शर्मा को याद कर भावुक हुए विशाल जेठवा

जानी -मानी अभिनेत्री तुनिशा शर्मा के निधन ने हर किसी को स्तब्ध कर दिया है। तुनिशा शर्मा ने इसी महीने 24 दिसंबर को धारावाहिक 'अली बाबा ःदास्तान-ए-कबूल' के सेट पर सुसाइड कर लिया था। तुनिशा का दुनिया को इस तरह से अलविदा कह देना हर किसी को झकझोर दिया। वहीं अब अभिनेता विशाल जेठवा ने अपनी करीबी दोस्त तुनिशा के साथ की कुछ तस्वीरें व वीडियो शेयर करते हुए एक भावुक नोट लिखा है। विशाल ने लिखा-'क्यूं खामोश हूँ, इस आस में कि तुम लौट आओगी? मैं आपको बता दूं, यह सिर्फ मैं ही नहीं बल्कि आपके आसपास के सभी लोग, आपके परिवार से लेकर आपके सभी प्रशंसक और शुभचिंतक भी ऐसा ही महसूस करते हैं।यह बहुत दर्दनाक और असहनीय लगता है कि आपने अपने सभी प्रियजनों को बहुद दुख, शोक, सदमा दिया है, लेकिन दुख की बात है कि हमें इस तथ्य को स्वीकर करना होगा कि आप चली गई हैं और हम आपको दोबारा नहीं देख पाएंगे। मैं बहुत अजीब लग सकता हूँ। लेकिन क्या मैं यह कह सकता हूँ कि मैं न केवल दुखी हूँ बल्कि गहरे गुस्से में भी हूँ और आपसे बहुत सारी शिकायतें व सवाल हैं? जैसे कई और लोगों के पास हैं।आपके साथ राधा-कृष्ण की भूमिका निभाने की मेरी इच्छा अधूरी रह गईं। मैडेनिंग ड्राइव्स, लॉन्ग चैट्स, क्रेजी फैमिली टाइम्स के साथ हमेशा आपके लिए मेरे प्योर प्यार को संजों कर रखूंगा.. मुझे नहीं पता था कि 4 दिन पहले जब हम मिले थे तो आपके साथ आखिरी मुलाकात होगी! विशाल जेठवा ने आखिर में सभी के लिए एक विशेष नोट साझा किया और लिखा, "कभी भी किसी व्यक्ति, स्थिति, भौतिक संपत्ति, सपने या यहां तक कि अपने विचारों को भी अपने जीवन से ऊपर न रखें। कभी भी किसी ऐसी चीज के प्रति आसक्त न हों जो आपके जीवन को इतना बेचैन कर दे कि आपको ऐसा अतिवादी कदम उठाने का मन करे...। अभी कुछ दिन पहले जब मैं तुनिशा से मिला तो मैंने उसके हाथ पर एक टैटू देखा जिसमें लिखा था - हर चीज से प्यार करो! तभी मैं उसे बताना चाहता था कि आप इन सब से ऊपर आत्मप्रेम में क्यों नहीं बदल देते?! मुझे खेद है कि मैंने ऐसा नहीं कहा। तुनिशा आप हमेशा सबके दिल में रहेंगी। सच में बहुत जल्दी चली गयी!' विशाल का यह पोस्ट काफी भावुक कर देने वाला है।सोशल मीडिया पर विशाल का यह पोस्ट वायरल हो रहा है।

भीगी साड़ी में रूचि गुर्जर की तस्वीर हुई वायरल

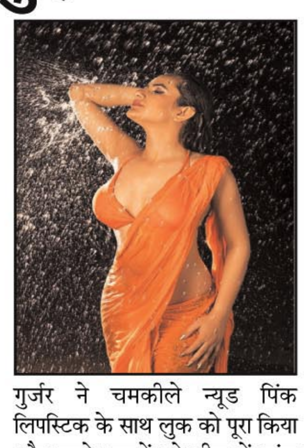

छोटे परदे की एक्ट्रेस रूचि गुर्जर ने अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं। वह आए दिन अपनी नई-नई तस्वीरों से सोशल मीडिया पर धमाल मचाती हैं। इस बार वह भीगी साड़ी में नजर आ रही हैं। फिलहाल रुचि की कुछ तस्वीरें सोशल साइट पर तहलका मचा रही हैं जो आप देख सकते हैं। वायरल हो रही इन तस्वीरों में एक्ट्रेस का साड़ी लुक है जो बोल्ड अंदाज में देखा जा रहा है। ऑरेंज कलर की साड़ी में वह कमाल की लग रही हैं और इन तस्वीरों में वह वाकई बहुत खूबसूरत लग रही हैं। रुचि भीगे बदन में बेहद खूबसूरत अंदाज में पोज दे रही हैं और उनका ये अंदाज उनके फैंस को बेताब कर रहा है। फोटोज में उनके चेहरे की खुशी देखते ही बन रही है और रुचि की इस हंसी से लाखों लोग घायल हो रहे हैं। रूचि गुर्जर ने चमकीले न्यूड पिंक लिपस्टिक के साथ लुक को पूरा किया और उनके बालों को बीच में बांटा गया था। उनका हॉट फोटोशूट कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो गया क्योंकि उन्होंने कैमरों के सामने अपने कर्व्स को फ्लॉन्ट किया और उन्होंने सचमुच हॉटनेस बढ़ा दी।

कैटरीना ने अलग अंदाज में दी सलमान को जन्मदिन की बधाई

अभिनेता सलमान खान के लिए जन्मदिन की शुभकामनाओं की बारिश हो रही है। लगभग पूरे बी-टाउन ने उनके आधी रात के जन्मदिन की पार्टी में भाग लिया। यह पार्टी पनवेल फार्महाउस में रखी गई थी। कैटरीना कैफ जो पहले सलमान को डेट कर चुकी हैं ने भी अपने इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन में सलमान को जन्मदिन की शुभकामनाएं भेजीं। सलमान को ओजी (मूल गैंगस्टर) कहते हुए कटरीना ने बाइक पर बैठे सलमान की एक मोनोक्रोमैटिक तस्वीर साझा की। अभिनेत्री ने सलमान खान को बधाई देते हुए लिखा टाइगर टाइगर टाइगर को जन्मदिन की बधाई। सलमान खान हैशटैग ओजी। कैटरीना और सलमान ने 2000 के दशक में डेट किया और साथ में कई फिल्में कीं। दोनों 2009 के आसपास तक साथ रहे जिसके बाद कैटरीना ने रणबीर को डेट किया। वहीं वर्तमान की बात करें तो कैटरीना कैफ ने विक्की कौशल से शादी कर चुकी हैं।

पठान में शाहरुख के दुश्मन की भूमिका में जॉन

अभिनेता जॉन अब्राहम फिल्म पठान में शाहरुख खान के मुख्य दुश्मन की भूमिका हैं। फिल्म में उसका नाम जिम है। मेकर्स लगातार फिल्म से जुड़ी छोटी-छोटी जानकारियां फैन्स और ऑडियंस तक पहुंचा रहे हैं। उन्होंने हाल ही में पठान का ज्यूकबॉक्स जारी किया और इसमें दिलचस्प रूप से एक पठान थीम ट्रैक और एक जिम थीम ट्रैक है जिसके कारण प्रशंसकों को पता चला कि जॉन का नाम पठान में जिम है। वाईआरएफ द्वारा निर्मित यह फिल्म 25 जनवरी 2023 को हिंदी तमिल और तेलुगु में रिलीज होने के लिए तैयार है। आदित्य चोपड़ा की महत्वाकांक्षी स्पाई यूनिवर्स से ताल्लुक रखने वाली पठान में देश के सबसे बड़े सुपरस्टार शाहरुख खान दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम हैं।

संक्रांति पर दक्षिणी बॉक्स ऑफिस पर धूम मचाने को तैयार

–नंदमुरी की फिल्म का चौथा गीत जल्द ही जारी होने वाला

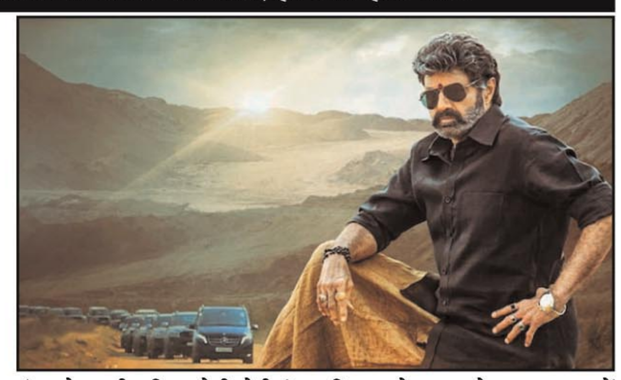

मुंबई (ईएमएस)। एक बार फिर मकर संक्रांति पर दक्षिणी बॉक्स ऑफिस पर धूम मचाने को तैयार है। इस अवसर पर उसे पहले से ही प्रदर्शित होने की घोषित हो चुकी फिल्मों चिरंजीवी की वाल्टेयर वीरैय्या अजित की थुनिवु और थलापति विजय अभिनीत वारिसु से टकराव मोल लेना होगा। अभिनेता नंदमुरी बालकृष्ण की फिल्म का चौथा गीत जल्द ही जारी होने वाला है। इस गीत के बारे में संगीतकार एस।थमन ने संकेत देते हुए कहा कि यह एक रीमिक्स होगा। इस फिल्म के पहले से जारी हो चुके तीन गीतों सुगुण सुंदरी जय बलय्या और माँ बावा मनोभावलु–को श्रोताओं ने बहुत सराहा है। दर्शकों और श्रोताओं को इस फिल्म के 4थे गीत का बेसब्री से इंतजार है। अपने आकर्षक गानों के साथ यह फिल्म चर्चा का विषय बन गई है। थमन द्वारा रचित संगीत ने प्रशंसकों से वादा किया है कि चौथा और नवीनतम गीत विंटेज बलय्या नंबर होगा। वीरा सिम्हा रेड्डी गोपीचंद मालिनेनी द्वारा निर्देशित एक एक्शन ड्रामा है। एस थमन ने ट्विटर पर खुलासा किया कि वीरा सिम्हा रेड्डी का चौथा और नवीनतम सिंगल रास्ते में है। उन्होंने कहा कि यह एक विंटेज बलय्या नंबर होगा यह सुझाव देते हुए कि नया ट्रैक वास्तव में एक रीमिक्स होगा। वीरा सिम्हा रेड्डी जिसे पहले एनबीके 107 के नाम से जाना जाता था एक एक्शन ड्रामा है जिसमें नाता सिम्हा को एक बड़े नए अवतार में दिखाया गया है। कलाकारों में श्रुति हासन वरलक्ष्मी सरथकुमार और दुनिया विजय शामिल हैं। श्रुति के साथ बालकृष्ण की यह पहली फिल्म होगी। यह सैंडलवुड अभिनेता के टॉलीवुड डेब्यू को भी चिन्हित करता है। इसका संगीत एस थमन द्वारा रचित है। 14 जनवरी संक्रांति के मौके पर यह फिल्म सिनेमाघरों में उतरने की तैयारी में है।

एक्टर राम चरण व पत्नी उपासना ने साझा की तस्वीर

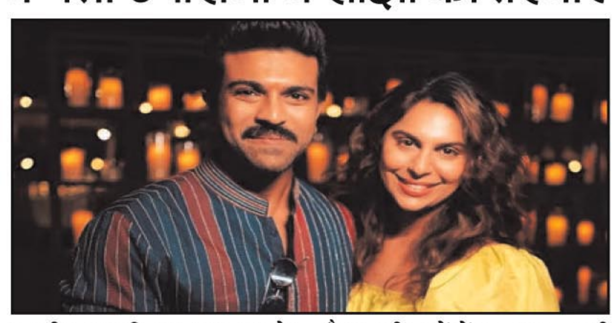

नए साल से पहले अभिनेता राम चरण और उनकी पत्नी उपासना कोनिडेला ने शानदार 2022 को लेकर अपना आभार व्यक्त करने के लिए एक खूबसूरत पारिवारिक तस्वीर साझा की। टॉलीवुड में मेगा पावर स्टार के रूप में जाने जाने वाले राम चरण के लिए यह साल वास्तव में अविश्वसनीय रहा है व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों मोर्चों पर। आरआरआर -- जिसमें राम चरण और जूनियर एनटीआर नायक हैं को गोल्डन ग्लोब नामांकन मिला है। साथ ही शुरूआती ऑस्कर शॉर्टलिस्ट में भी फिल्म ने जगह बनाई। इसके अलावा राम चरण और उनकी पत्नी ने अपने पहले बच्चे का भी स्वागत किया। राम चरण के लिए यह वर्ष घटनापूर्ण और यादगार दोनों रहा है। तस्वीर में राम चरण एक खूबसूरत ऑल-ब्लैक सूट में नजर आ रहे हैं जो उपासना की खूबसूरत फ्लोरल ड्रेस के साथ मैच कर रहा है। उनकी बाहों में उनका बच्चा भी है। इसे देख कर उनके फैंस काफी खुश हैं। इससे पहले क्रिसमस पर इस कपल ने फैमिली और फ्रेंड्स के लिए पार्टी रखी थी। इवेंट की तस्वीरें भी वायरल हुई थीं।

जिस्म का सौदा करने वाली महिला गिरफ्तार दो अभिनेत्रियां छुड़ाई गई

ठाणे (ईएमएस)। मुंबई से सटे ठाणे में जिस्म फरोशी के एक रैकेट का पुलिस ने पदार्फाश किया है. प्रोस्टिट्यूशन का यह रैकेट ठाणे के एक मॉल से चलाया जा रहा था. ठाणे क्राइम ब्रांच की इस कार्रवाई के जरिए देह व्यापार के इस रेकेट को चलाने वाली दलाल महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है. दलाल महिला के रैकेट के चंगुल से जिन महिलाओं को छुड़ाया गया है उनमें से दो अभिनेत्रियां भी हैं. देह व्यापार प्रतिबंधक विभाग से जुड़ी टीम ने दलाल महिला को गुरुवार की शाम को गिरफ्तार किया. जिन दो अभिनेत्रियों को इस रैकेट से छुड़ाया गया है वे हिंदी और मराठी टीवी सीरियल्स और वेबसीरीज में काम कर चुकी हैं. संबंधित दलाल महिला फोन के जरिए ग्राहकों को मीटिंग प्वाइंट के तौर पर अलग-अलग जगहों पर बुलाती थी और तय रकम लेकर ग्राहक के साथ लड़की भेज दिया करती थी.

प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस टीम को जानकारी मिली थी कि ठाणे के घोड़बंदर रोड पर सिने वंडर मॉल के ग्राउंड फ्लोर में मोजूद डोमिनॉज रेस्टोरेंट के पास एक महिला कुछ लड़कियों का सौदा करने के लिए आने वाली है. जिसके बाद पुलिस की टीम गुरुवार की शाम तय ठिकाने पर पहुंची. पुलिस टीम के सदस्य ने ग्राहक बन कर महिला से संपर्क किया. दलाल महिला ने अपने पास टीवी सीरियल और वेब सीरीज में काम करने वाली अभिनेत्रियों के होने का दावा किया. जब सारी बातें तय हो गई और पुलिस टीम के सदस्य के पास सबूत आ गए तो उसने अपने टीम के सदस्यों को इशारा कर दिया. टीम के बाकी के सदस्य वहां पहुंच गए और दलाली कर रही महिला को धर दबोचा. महिला के कब्जे से लड़कियों को छुड़ाया गया. दलाल महिला के खिलाफ चितलसर पुलिस थाने में पिटा कानून के तहत मामला दर्ज किया गया.

सूडोकु नवताल- 6564

★☆☆☆☆ सरल

2		8	5	1	9	6		7
					8			1
		7	4	6		8		9
3	2				7			8
1		9		4		7		5
4			2				9	3
6		3		5	1	9		
8			3					
7		1	9	2	6	3		4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6563 का हल

7	1	9	8	5	3	2	6	4
4	5	3	6	2	9	7	1	8
6	2	8	4	7	1	9	5	3
9	8	2	7	3	5	1	4	6
1	3	6	9	4	8	5	7	2
5	7	4	1	6	2	8	3	9
8	4	7	5	9	6	3	2	1
3	6	1	2	8	7	4	9	5
2	9	5	3	1	4	6	8	7

शब्द पहेली - 7628

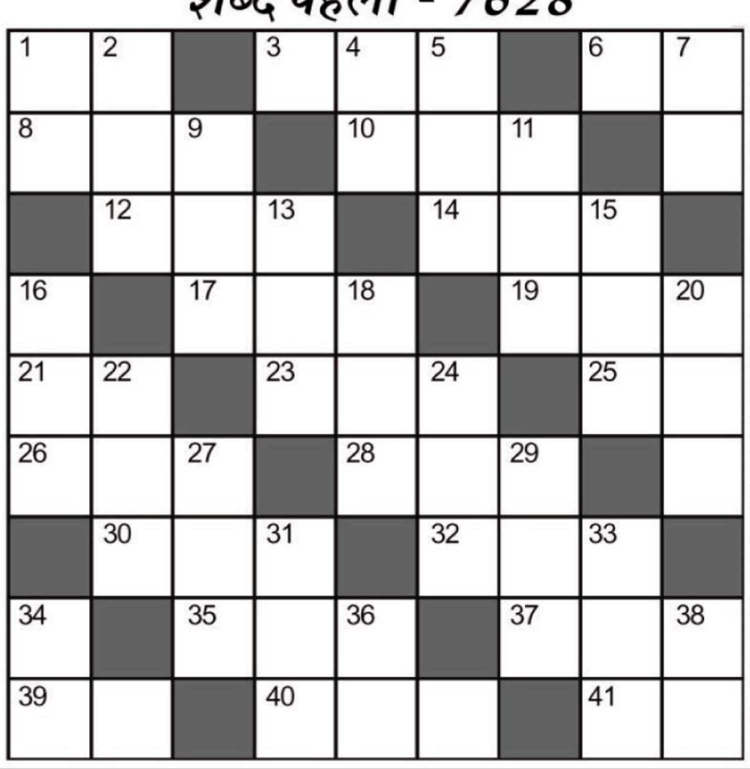

बाएँ से दाएँ

1.ईश्वर,भगवान–2
3.सुंदर,खूबसूरत–3
6.सलाह,मत–2
8.स्नान करना–3
10.वध करना–3
12.निर्माण–3
14.रूई का पौधा–3
17.आयोग्य–3
19.अंजाम देना–3
21.कत्ल,हत्या–2
23.नौकरानी–3
25.गाने का ढंग, शैली–2
26.मुलायम–3
28.एक गहरा व बड़ा बर्तन–3
30.तृतीय, दूसरे के बाद–3
32.सेनापति, अगुवा–3
35.भीरु,डरपोक–3
37.कथा,गाथा–3
39.वध,मर्डर–2
40.राहु का एक पुत्र–3
41.एक विदेशी शराब

ऊपर से नीचे

1.क्रिकेट में बनते हैं–2
2.बसंत का समय–3
4.हद,सरहद–2
5.स्वर्ग का विलोम–3
7.यमराज,मृत्यु देवता–2
9.नृत्य करना–3
11.अपवित्र–3
13.असफल–3
15.सहज, आसान–3
16.श्रावण, आषाढ़ के बाद का महीना–3
18.आराम, मदद, चैन–3
20.मुखिया, सरदार–3
22.भूमि, वसुंधरा–3
24.क्रुद्ध, खफा होना–3
27.मक्खन–3
29.योग्य, काबिल, गुणवान–3
31.दही का एक भोज्य पदार्थ–3
33.एक जाती जो प्राय: डोली ढोने, पानी भरने आदि के काम करती है–3
34.रास्ता, मार्ग–2
36.एक अंग्रेजी शराब–2
38.एक औषधीयुक्त पेड़–2

शब्द पहेली -7627 का हल

	बं	ध	न		आ	द	मी	
क	द		म		रा		न	ल
त			क	या	म	त		जा
रा	य	ता		र		र	च	ना
		क	ला		आ	स		
प	का	ना		मा		ना	का	म
ना			भ	न	क			न
ह	त्या		व		स		म	न
	ग	ल	न		र	ट	ना	

Jagrutidaur.com, Bangalore

ब्राजील के महान फुटबॉलर पेले का निधन, 82 वर्ष की उम्र में ली अंतिम सांस, कैंसर से जूझ रहे थे

साओ पोलो ।

ब्राजील के महान फुटबॉलर पेले का निधन हो गया। वह 82 वर्ष के थे। इंस्टाग्राम पर उनकी बेटी केली नेसिमेंटो ने उनके निधन की पुष्टि की। पेले कोलन कैंसर से जूझ रहे थे। उन्होंने कीमोथेरेपी ट्रीटमेंट का जवाब देना भी बंद कर दिया था। पेले को हाल ही में अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां पता चला कि उन्हें रेस्पिरेटरी इन्फेक्शन भी है। पेले फुटबॉल के सर्वकालिक महान खिलाड़ी माने जाते हैं और तीन बार के विश्व कप विजेता रह चुके हैं। बेटी केली नेसिमेंटो ने इंस्टाग्राम पर लिखा- हम जो कुछ भी हैं, आप ही की बदौलत हैं। हम आपसे बहुत प्यार करते हैं। रेस्ट इन पीस।

तीन बार फीफा वर्ल्ड कप जीत चुके पेले – ब्राजील के मिनस गेरैस राज्य में जन्मे दिग्गज फुटबॉलर अभी भी सेलेकाओ (ब्राजील) के लिए सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 92 मैचों में 77 गोल किए। एक पेशेवर फुटबॉलर के रूप में पेले ने कुल तीन बार फीफा विश्व कप (1958, 1962, 1970) जीता जो अभी भी एक व्यक्तिगत फुटबॉलर के लिए एक रिकॉर्ड है।

फीफा ने उन्हें द ग्रेटेस्ट की उपाधि से नवाजा - पेले का असली नाम एडसन अरांतेस डो नेसिमेंटो था, लेकिन वह पेले के नाम से मशहूर हुए। उनका जन्म 23 अक्टूबर, 1940 को ब्राजील के ट्रेस कोराकोएस में हुआ था। फीफा द्वारा उन्हें द ग्रेटेस्ट का शीर्षक भी मिला। पेले ने तीन शादियां कीं। उनके कुल सात बच्चे हैं।

कोलन कैंसर से जूझ रहे थे पेले – 82 वर्ष की आयु में पेले ने कोलन कैंसर के बाद अंतिम सांस ली। इसकी काफी समय से कीमोथेरेपी भी चल रही थी। पेले को 29 नवंबर को सांस लेने में तकलीफ होने पर साओ पोलो के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालांकि, उन्होंने कीमोथेरेपी का जवाब देना बंद कर दिया। पेले को पिछले साल सितंबर में उनके कोलन से ट्यूमर हटा दिया गया था और तब से वे नियमित रूप से अस्पताल में इलाज करवा रहे थे।

महान खिलाड़ी रहे पेले – पेले ने अपने करियर में (1956-1974) काफी समय तक ब्राजीलियाई क्लब सांतोस का प्रतिनिधित्व किया। इस क्लब के लिए उन्होंने 659 मैचों में 643 गोल किए। अपने फुटबॉल करियर के अंतिम दो वर्षों में पेले ने यूएसए में न्यूयॉर्क कॉसमॉस के लिए खेला। पेले ने छह मौकों (1961, 1962 1963, 1964, 1965 और 1968) में ब्राजीलियाई लीग खिताब (कैम्पियोनाटो ब्रासीलेरो सेरी ए) जीता और 1962 और 1963 में दो बार कोपा लिबर्टाडोरेस खिताब जीता। वह सैंटोस के गोल्डन एरा (1959-1974) के प्रमुख खिलाड़ियों में से एक रहे और उन्हें 1962 और 1963 में दो इंटरकॉन्टिनेंटल कप खिताब तक पहुंचाया। दोनों मौकों पर फाइनल में सैंटोस ने पुर्तगाली क्लब बेनफिका को हराया। अपने एक इंस्टाग्राम पोस्ट में पेले ने अपने प्रशंसकों को शुभकामना संदेश के लिए धन्यवाद दिया था। उन्होंने लिखा था- दोस्तों, मैं अस्पताल में अपना रेगुलर चेक-अप के लिए आया हूं।

न्यूज ब्रीफ

भारत, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 त्रिकोणीय सीरीज के लिए वेस्टइंडीज की टीम का ऐलान

एंटीगा। अनुभवी आलराउंडर स्टेफनी टेलर और मध्यक्रम की बल्लेबाज ब्रिटनी कूपर की शुक्रवार को

दक्षिण अफ्रीका और भारत के खिलाफ जनवरी 2023 में होने वाली टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए वेस्टइंडीज टीम में वापसी हुई। इन दोनों के अलावा, तेज गेंदबाज शामिलिया कोनेल और शकीरा सेलमैन भी अपनी-अपनी चोटों से उबरने के बाद वापसी कर रही हैं। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए 16 सदस्यीय टीम का एलान किया है, जो 10 से 26 फरवरी से दक्षिण अफ्रीका में होने वाले महिला टी20 विश्व कप से पहले उनकी अंतिम तैयारी के रूप में काम करेगी। सितंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे मैच के बाद से स्टेफनी मैदान से दूर हैं और न्यूजीलैंड के खिलाफ पूरी पांच मैचों की टी20 श्रृंखला से बाहर हो गई थीं, जिसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ सफेद गेंद के मैच से गायब थीं। दूसरी ओर, ब्रिटनी आखिरी बार सितंबर 2021 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपनी घरेलू श्रृंखला के दौरान वेस्टइंडीज के लिए खेली थीं। उन्होंने कहा, चयन पैनल ने एक टीम का नाम दिया है। हमें विश्वास है कि भारत और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने के लिए टीम के पास अनुभव है। टीम में स्टेफनी टेलर की वापसी हो रही है जो चोट के कारण इंग्लैंड के खिलाफ हालिया श्रृंखला में नहीं खेली थीं और मध्य क्रम के बल्लेबाज ब्रिटनी कूपर को भी जोड़ा गया है जिन्होंने आखिरी बार सितंबर 2021 में दक्षिण अफ्रीका महिला के खिलाफ खेला था। वेस्ट इंडीज कम से कम चार मैच खेलेगा। 21 जनवरी से शुरू होने वाली त्रिकोणीय श्रृंखला में मेजबान दक्षिण अफ्रीका और भारत के खिलाफ दो-दो मैच खेलेगा। इसके बाद दो शीर्ष टीमें फरवरी को बफेलो पार्क में त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में एक-दूसरे से भिड़ेंगी। वेस्ट इंडीज 16 जनवरी को बीकन बे में त्रिकोणीय श्रृंखला से पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अभ्यास मैच भी खेलेगा।

विवादों में घिरे हरियाणा के खेल मंत्रीः जूनियर महिला कोच बोली- सरकारी आवास में बुला छेड़छाड़ की; संदीप बोले- सब झूठ, मेरे खिलाफ साजिश

चंडीगढ़। हरियाणा के खेल मंत्री और पूर्व ओलंपियन संदीप सिंह विवादों में घिर गए हैं। हरियाणा में खेल

विभाग की जूनियर महिला कोच ने आरोप लगाए हैं कि खेल मंत्री ने अपने सरकारी आवास में बुलाकर उससे छेड़छाड़ की। महिला कोच ने यह भी कहा कि इससे पहले और भी महिला खिलाड़ियों के साथ खेल मंत्री गलत काम कर चुके हैं। विवाद उठने के बाद खेल मंत्री ने दावा किया कि उनके खिलाफ षड़यंत्र रचा जा रहा है। महिला कोच ने बताया कि खेल मंत्री संदीप सिंह ने उसे इंस्टाग्राम के जरिए कॉन्टेक्ट किया। वेनिश मोड पर बात की, जिससे 24 घंटे बाद मैसेज डिलीट हो गया। उसने बताया कि खेल मंत्री ने उसके साथ स्नेपचैट पर बात करने को कहा। फिर मुझे चंडीगढ सेक्टर 7 लेक साइड मिलने के लिए बुलाया। मैं नहीं गई तो वे उसे इंस्टा पर ब्लॉक और अन ब्लॉक करते रहे। फिर उसे एक डॉक्यूमेंट के बहाने घर बुलाया, जहां मंत्री ने उसके साथ छेड़छाड़ की। महिला कोच ने बताया कि खेल मंत्री संदीप सिंह ने उसको कहा मेरी बात मानने पर आपको सभी सुविधाएं और मनचाही जगह पोस्टिंग मिलेगी। जब मैंने मंत्री की बात नही मानी तो उसके बाद उसका तबादला कर दिया गया और ट्रेंनिग तक रोक दी गई।

डेविड वार्नर का भारत दौरे पर अच्छा प्रदर्शन करने का लक्ष्य

नई दिल्ली। आस्ट्रेलिया के अनुभवी सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर अब अगले साल भारत के दौरे में अच्छा

प्रदर्शन करने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं, जिन्होंने एमसीजी में अपने 100वें टेस्ट मैच में शानदार दोहरा शतक लगाया था और दक्षिण अफ्रीका पर 182 रन की जीत दर्ज की थी। वार्नर ने जनवरी 2020 से एक भी टेस्ट शतक नहीं बनाया था और मौजूदा घरेलू सीजन में उन्होंने वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एमसीजी टेस्ट तक छह पारियों में 5, 48, 21, 28, 0 और 3 का स्कोर बनाया था, जिसके बाद उन्होंने मेलबर्न में 255 गेंदों में एक शानदार दोहरा शतक बनाया जिससे ऑस्ट्रेलिया को मैच के साथ श्रृंखला जीतने में मदद मिली। इसके बाद, आस्ट्रेलिया का अगला टेस्ट असाइनमेंट बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के हिस्से के रूप में चार टेस्ट के लिए भारत का दौरा होगा, जिसमें वार्नर सबसे अनुभवी बल्लेबाज हैं। टेस्ट दौरे के लिए तीन बार देश का दौरा कर चुके हैं और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) एक दशक से अधिक समय तक खेल चुके हैं।

झपकी लगने से ऋषभ पंत की कार का एक्सीडेंट

लोग बचाने पहुंचे तो बोले- मैं ऋषभ पंत हूं बीसीसीआई ने कहा- माथे, घुटने और कलाई में चोटें

नई दिल्ली।

25 साल के क्रिकेटर ऋषभ पंत शुक्रवार सुबह सड़क हादसे में बाल-बाल बच गए। पुलिस के मुताबिक, झपकी लगने से यह हादसा हुआ। उनकी मर्सिडीज अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई, जिसके बाद उसमें आग लग गई और पलट गई। एक्सीडेंट के बाद पंत जलती हुई कार की खिड़की तोड़कर खुद ही बाहर निकले। लोग बचाने पहुंचे तो बोले- मैं ऋषभ पंत हूं। उन्हें सिर, पीठ और पैर में गंभीर चोटें आई हैं। डॉक्टरों के मुताबिक, उनकी हालत खतरे से बाहर है। उन्हें इलाज के लिए रुड़की से देहरादून ले जाया गया है। यहां के मैक्स हॉस्पिटल में उनका इलाज चल रहा है। डॉक्टर की एक टीम उनकी निगरानी कर रही है। ऐसा कहा जा रहा है कि अगर जरूरत पड़ी तो उन्हें दिल्ली एयरलिफ्ट किया जाएगा। इधर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंत के एक्सीडेंट पर चिंता जताई।उन्होंने लिखा- जाने माने क्रिकेटर ऋषभ पंत के हादसे में घायल होने से व्यथित हूं। मैं उनके अच्छे स्वास्थ्य और कल्याण के लिए प्रार्थना करता हूं।

बीसीसीआई ने कहा- माथे पर दो चोटें आईं, घुटने का लिगामेंट टूटा – बोर्ड के सचिव जय शाह ने कहा, पंत के माथे पर दो चोटें आई हैं। घुटने का लिगामेंट टूटा है। दाहिनी कलाई और एड़ी में भी चोट पहुंची हैं। एमआरआई के बाद उनकी चोट की गंभीरता का पता चल सकेगा। हम लगातार मेडिकल टीम और उनकी फैमिली के संपर्क में हैं। इस मुश्किल समय में हम पंत को हरसंभव मेडिकल ट्रीटमेंट और मदद देंगे। हादसा

सुबह 5.30 बजे रुड़की के नारसन बॉर्डर पर हम्मदपुर झाल के मोड़ पर हुआ। वह अपनी कार को खुद ही ड्राइव कर रहे थे। झपकी के बाद उनकी मर्सिडीज अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। यह जगह उनके घर से 10 किलोमीटर दूर है। उस वक्त कार की रफ्तार 150 किमी/घंटे थी। कार 200 मीटर तक घिसटते चली गई।

अभी उनकी क्या स्थिति – हादसे के बाद पंत को एंबुलेंस से पहले इलाज के लिए रुड़की के सक्षम हॉस्पिटल ले जाया गया। अभी उनकी हालत स्थिर है। पंत को सिर, पीठ और पैर में चोटें आई हैं। सक्षम हॉस्पिटल के चेयरमैन और ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉक्टर सुशील नागर ने बताया कि एमआरआई के बाद ही पता चलेगा कि उनके घुटने में कौन सी हड्डी टूटी है। पंत को ऑपरेशन की जरूरत भी पड़ सकती है। इसके बाद पता चलेगा कि वे कब तक खेल पाएंगे।

मां को सरप्राइज देने अकेले घर जा रहे थे – पंत अकेले घर जा रहे थे। उनका घर रुड़की रेलवे स्टेशन के पास है। डॉक्टर सुशील नागर ने बताया कि वह अपनी मां को सरप्राइज देने के लिए जा रहे थे।

चश्मदीद ने बताया- पलटने के बाद आग लग गई – गांव वालों ने बताया कि उन्होंने तेज धमाका सुना। देखा कि एक कार डिवाइडर से टकराने के बाद कुछ फीट तक घसीटते चली गई। ऐसा लगा कि पलटी और उसमें आग लग गई। हमने उन्हें उठाया और अस्पताल पहुंचाया। एक्सीडेंट के बाद पंत जलती हुई कार की खिड़की तोड़कर बाहर निकले थे।

डॉक्टर बोले- सीट बेल्ट पहने होते तो कार में झुलस सकते थे – डॉक्टर सुशील नागर ने बताया कि पंत सीट बेल्ट नहीं पहने थे। इसलिए वे सुरक्षित बाहर आ गए। अगर वे सीट बेल्ट पहने होते तो कार में आग लगने के बाद वह झुलस सकते थे।

कार में लाखों रुपए थे, मदद की बजाय लोग जेबों में रख रहे थे – ऐसा बताया जा रहा है कि ऋषभ की गाड़ी में करीब तीन से चार लाख रुपए थे। घटना के बाद सारे रुपए सड़क पर बिखरे पड़े थे। वे वहां तड़पते रहे लेकिन इस दौरान कुछ लोग ऋषभ की मदद करने के बजाय नोट अपनी जेबों में भरने और वीडियो बनाने में मशगूल हो गए। ऋषभ पंत को श्रीलंका के खिलाफ वनडे और टी-20 घरेलू सीरीज के लिए टीम में जगह नहीं दी गई थी।

स्टोक्स, बेयरस्टो, ख्वाजा और रबाडा आईसीसी टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर पुरस्कार के लिए नामांकित

नई दिल्ली।

इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स, मध्यक्रम के बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो, आस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा और दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा को शुक्रवार को आईसीसी टेस्ट क्रिकेटर आफ द ईयर 2022 पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया। स्टोक्स ने मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम के साथ मिलकर 2022 में इंग्लिश टेस्ट क्रिकेट की किस्मत बदल दी है। वे जीत के लिए संघर्ष कर रहे थे और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप तालिका के बॉटम पर, स्टोक्स ने एक अंग्रेजी टीम को संभाला जो आत्मविश्वास की कमी से जूझ रही थी। उनके प्रेरणादायक नेतृत्व ने अब एक भरोसेमंद और आक्रामक इकाई का निर्माण किया है जिसने 2022 में अपने कार्यकाल के दौरान 10 में से नौ टेस्ट मैच जीते हैं। स्टोक्स ने बार-बार खिलाड़ियों से विफलता के डर को दूर करने के बारे में कहा है और यह क्रिकेट के अति-आक्रामक ब्रांड में परिलक्षित होता है जो इंग्लैंड उनके अधीन खेलता है। उन्होंने उदाहरण के तौर पर टीम का नेतृत्व किया है, उनका बल्ले और गेंद दोनों के साथ एक अच्छा वर्ष रहा है। उन्होंने 870 रन, दो शतक और चार अर्धशतक बनाए हैं और 31.19 की औसत से 26 विकेट भी लिए हैं। बेयरस्टो यकीनन मैकुलम और स्टोक्स के इंग्लैंड की टेस्ट टीम का नेतृत्व संभालने के सबसे बड़े खिलाड़ी रहे हैं। अपने आक्रामक खेल को खेलने की स्वतंत्रता को देखते हुए, यह बेयरस्टो के टेस्ट करियर के सबसे फलदायी वर्षों में से एक था, जिससे खेल के सबसे लंबे

प्रारूप के मामले में कुछ हद तक पुनरुत्थान हुआ। बेयरस्टो ने 2022 में 10 टेस्ट मैच खेले, जिसमें 66.31 की औसत और 76 की स्ट्राइक रेट से 1061 रन बनाए। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए छह शतक और एक अर्धशतक लगाया। यह वर्ष और भी अच्छा हो सकता था यदि वह चोटिल नहीं होते, जिसने उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अंतिम घरेलू टेस्ट और पाकिस्तान के दौरे से बाहर कर दिया। ख्वाजा ने 2022 में एशेज के दौरान आस्ट्रेलियाई टीम में वापसी की और सुनिश्चित किया कि कोई भी उनकी जगह फिर से नहीं ले रहा है। उन्होंने मध्य क्रम में और फिर सलामी बल्लेबाज के रूप में कुछ यादगार प्रदर्शन किए। ख्वाजा ने एशेज के दौरान आस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी इकाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, साथ ही अपने जन्म स्थान पर लौटने पर पाकिस्तान के दौरे में उनकी प्रसिद्ध श्रृंखला जीत हासिल की। कुल मिलाकर, उन्होंने 11 मैचों में 67.50 की शानदार औसत से 1080 रन बनाए। उनके नाम कैलेंडर वर्ष में चार शतक और पांच अर्धशतक हैं और उनके योगदान ने आस्ट्रेलिया को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में पहुंचने में मदद की है।

2022 में भारतीय क्रिकेटरों के प्रदर्शन का विश्लेषणः श्रेयस-सूर्या बल्लेबाजी में उभरे, गेंदबाजी में अर्शदीप-सिराज चमके

मुंबई।

भारतीय क्रिकेट के लिए साल 2022 मिला-जुला रहा। भारत ने सर्वाधिक इंटरनेशनल मैच जीते, पर आईसीसी ट्रॉफी पिछले 9 सालों की तरह इस बार भी दूर रह गई। कोहली का फॉर्म में लौटना अच्छी बात रही, लेकिन कुछ स्थापित खिलाड़ियों का खराब फॉर्म और बुमराह-जडेजा सहित कई खिलाड़ियों की चोट ने टीम को परेशान किया। टी20 वर्ल्ड कप और एशिया कप हारना सबसे उदास लम्हा रहा, लेकिन ऑस्ट्रेलिया, द. अफ्रीका, इंग्लैंड जैसी बड़ी टीमों को हराकर टीम ने जश्न के मौके भी दिए। इस दौरान भारत के लिए 7 खिलाड़ियों ने अलग-अलग फॉर्मेट में डेब्यू किया। 2022 में भारत ने 21 द्विपक्षीय सीरीज खेली। इनमें से उसे सिर्फ विदेश में खेली गई बांग्लादेश के खिलाफ वनडे, द. अफ्रीका के खिलाफ वनडे-टेस्ट और न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में हार झेलनी पड़ी। जानते हैं भारतीय क्रिकेट टीम के लिए कैसा रहा ये साल

विकेट लेने में स्पिनर्स आगे, बुमराह की जगह चमके सिराज – गेंदबाजी डिपार्टमेंट में भारत के लिए जसप्रीत बुमराह की चोट चिंता का विषय रही। वे एशिया कप और टी20 वर्ल्ड कप में टीम के साथ नहीं गए, और टीम को हार झेलनी पड़ी। हालांकि, मोहम्मद सिराज ने उनकी कमी बखूबी पूरी की। फिर भी, स्पिनर्स विकेट लेने में सबसे आगे रहे। तीनों फॉर्मेट में युजवेन्द्र चहल और अक्षर पटेल भारत के टॉप विकेट टेकर्स रहे।

एशिया कप और टी20 वर्ल्ड कप नहीं जीते,

टेस्ट में औसत प्रदर्शन – 2022 में भारत ने कुल 71 इंटरनेशनल मैच खेले। इनमें से सर्वाधिक 46 मैचों में जीत दर्ज की। सबसे ज्यादा सफलता टी20 में मिली, जहां 40 में से 28 मुकाबले जीते। वनडे में भी टीम 24 में से 14 मैच जीतकर सबसे आगे रही। हालांकि, टीम एशिया कप व टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल तक भी नहीं पहुंच पाई। टेस्ट मैचों में टीम 7 में से सिर्फ 4 मैच जीत सकी।

बल्लेबाजी में श्रेयस-सूर्या सबसे आगे, कोहली ने किया कमबैक – 2022 में रोहित, कोहली और राहुल के बेस्ट फॉर्म में न होने पर श्रेयस, सूर्यकुमार और पंत जैसे युवा बल्लेबाजों ने जिम्मेदारी ली।

इंडिया ओपन ड्रॉः एक्सेलसन, मोमोता और शी यू क्वी के साथ क्वार्टर ऑफ डेथ में दिखेंगे श्रीकांत, लक्ष्य सेन और प्रणय

नई दिल्ली।

भारतीय पुरुष एकल खिलाड़ियों को योनेक्स सनराइज इंडिया ओपन 2023 में एक कठिन ड्रॉ दिया गया है। तीनों पुरुष खिलाड़ियों को एक क्वार्टर में एक साथ रखा गया है जबकि पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधु का सामना शुरूआती दौर के मुकाबले में अंतिम संस्करण की सेमीफाइनल की अपनी प्रतिद्वंद्वी सुपनिदा केटेथोंग से होगा, जिससे वह हार गई थीं। एचएसबीसी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सीरीज के हिस्से के रूप में मशहूर योनेक्स सनराइज इंडिया ओपन को इस साल सुपर 750 श्रेणी में अपग्रेड किया गया है। अपग्रेडेशन का मतलब है कि विश्व बैडमिंटन के लगभग सभी शीर्ष सितारे 17-22 जनवरी, 2023 तक इंदिरा गांधी स्टेडियम परिसर के केडी जाधव इंडोर हॉल में एक्शन में होंगे, जो रोमांच से भरपूर होगा। भारत की खिताबी

जीत की उम्मीद किदाम्बी श्रीकांत, एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन की तिकड़ी पर टिकी हुई है, लेकिन ड्रॉ के भाग्य का मतलब है कि उनमें से केवल एक क्वार्टर से अंतिम आठ की बाधा को पार कर सकता है। इस सूची में मौजूदा विश्व और ओलंपिक चैंपियन डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसेन, चीन के शि यू क्वी और जापान के केंटो मोमोता भी शामिल हैं। डिफेंडिंग चैंपियन सेन अपने अभियान की शुरूआत हमवतन प्रणय के खिलाफ खेलते हुए करेंगे और उनके मैच के विजेता के मोमोता से भिड़ने की संभावना है, जो इस साल फॉर्म के लिए संघर्ष करने के बाद 2023 में पहली बार मैदान पर उतर रहे हैं। जाहिर है, मोमोता को फार्म की तलाश होगी और इस कारण वह अपना श्रेष्ठ खेल दिखाने का प्रयास करेंगे। पूर्व चैम्पियन श्रीकांत को शी के खिलाफ होने वाले संभावित मुकाबले से पहले शुरूआती दौर में शीर्ष वरीय एक्सेलसन की चुनौती से पार पाना होगा। शी ने करीब 10 महीने तक मैदान से बाहर रहने के बाद मजबूत वापसी की है और ऐसे में उन्हें हराना आसान नहीं होगा। अन्य तीन क्वार्टर में से कोई भी इतने मजबूत स्टार नहीं हैं, लेकिन आगे देखने के लिए कुछ ऐसे मुकाबले होंगे, जिनका फैंस को बेसब्री से इंतजार होगा। तीसरी वरीयता प्राप्त और पूर्व विश्व चैंपियन सिंगापुर के लोह कीन यू पहले दौर में तेजी से उभरते जापानी कोडाइ नारोका से भिड़ेंगे जबकि छठी वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया के एंथोनी सिनिसुका गिंटिंग का सामना चीन के लू गुआंग जू से होगा। महिलाओं के एकल वर्ग में, जापान की पूर्व विश्व चैंपियन नोजोमी ओकुहारा और स्पेन की कैरोलिना मारिन का सामना शुरूआती दौर में होगा।

किसी के चेहरे पर चोट तो किसी का घुटना टूटा

फिर भी नहीं मानी हार....और नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में जीत लिए मेडल

भोपाल।

श्रुति यादव, माही लांबा, राधा पाटीदार और अंजलि शर्मा। वे जांबाज खिलाड़ी। जिन्होंने दर्द से जीतकर भोपाल में पिछले दिनों आयोजित नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में मेडल जीते। भले ही इन लड़कियों ने गोल्ड न जीता हो, लेकिन अपने जज्बे से फैंस का दिल जरूर जीत लिया। चैंपियनशिप के बाद इन मुक्केबाजों को अपने दफ्तर बुलाया और उन्हीं की जुबानी जानी मेडल जीत की दर्द भरी कहानी।

श्रुति यादव, सिल्वर – सेमीफाइनल के दौरान श्रुति के चेहरे पर कट लगा। उन्हें इलाज कराने के लिए हॉस्पिटल जाना पड़ा। मैच के बाद डॉक्टर ने उन्हें फाइनल खेलने से मना किया, लेकिन श्रुति ने कहा कि वे फाइनल खेलेंगी। हालांकि, वे फाइनल हार गईं और उन्हें सिल्वर से संतोष करना पड़ा। चोट पर श्रुति कहती हैं, बचपन में पापा को बॉक्सिंग शुरू करने के लिए कहा। तब थोड़ी भी चोट लगती तो मम्मी खेलने से मना कर

देती थीं। लेकिन, मेरे अचीवमेंट्स देखकर खुद मम्मी ही बाद में बॉक्सिंग के लिए सपोर्ट करने लगीं। उन्होंने बताया- मुझे निखत (जरीन) दीदी के मूवमेंट्स बहुत अच्छे लगते हैं। उनका डिफेंस पसंद है। मार्च में विमेंस वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप है। उसमें मेडल जीतना अगला टारगेट है।

माही लांबा 7 सिल्वर – सेमीफाइनल से पहले माही लांबा का घुटना टूट गया। डॉक्टर्स समेत कोच और साथी प्लेयर्स ने फाइनल न खेलने की सलाह दी। लेकिन, उन्होंने फाइनल खेला और सिल्वर जीता। एक मैच में उनकी आंख में भी चोट लगी। माही लांबा इस पर कहती हैं- ये मेरी फर्स्ट सीनियर नेशनल चैंपियनशिप थी। यही सोचा था कि चाहे जो हो जाए, मेडल जीतना ही है। कोच के साथ ट्रेनिंग की, वेट कैटेगरी चेंज की। उन्होंने एग्रेसिव गेम खेलने के लिए कहा। वही किया और मेडल जीत लिया। माही कहती हैं, पहले मैं बहुत आलसी थी, लेकिन बॉक्सिंग करने के बाद से मैं फिटनेस पर ध्यान देने लगी। फिर मुझे हाईजीन-सफाई की अहमियत पता लगी। कोच ने मेंटली स्ट्रॉन्ग बनाने में हेल्प किया।

राधा पाटीदार 7 ब्रॉन्ज – राधा पाटीदार ने कहा- पहले मैं बहुत अलग थी। मुझे बहुत गुस्सा आता था, लेकिन बॉक्सिंग शुरू करने के बाद से खुद के इमोशंस पर कंट्रोल करना सीखा। अब अपने गुस्से को पूरी तरह से रिंग में उतार देती हूं। मैं अपनी पर्सनल लाइफ में काफी अनुशासित रहती हूं।

अंजलि शर्मा 7 ब्रॉन्ज – अंजलि शर्मा ने कहा- ग्वालियर में जूनियर लेवल पर मेडल जीता तो बॉक्सिंग एकेडमी में सिलेक्शन हुआ। मेरे शहर में काफी दिक्कतें थीं। दादी और रिश्तेदारों ने खेलने से रोका, लेकिन पापा ने मुझे बॉक्सिंग करने के लिए भोपाल भेज दिया। लवलीना के साथ कैंप में रहते हुए काफी सीखने को मिला। चैंपियनशिप में मेडल जीतकर खुश हूं। सभी लड़कियों के कोच रोशन लाल ने कहा, हरियाणा ले जाकर लड़कियों की ट्रेनिंग कराई। नेशनल चैंपियनशिप के लिए दूसरे स्टेट प्लेयर्स से मैच खिलाए। इससे इनमें कॉम्पिटिटिव स्पिरिट पैदा हुई और बड़े प्लेयर्स के खिलाफ खेलने का कॉन्फिडेंस आया। खिलाड़ी पर जूनियर लेवल से 5-6 साल तक मेहनत करनी होती है, तब जाकर वह सीनियर लेवल पर मेडल दे पाते हैं।

मेडली टैली में दूसरे नंबर रहा मध्य प्रदेश – मध्य प्रदेश की टीम नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में दूसरे नंबर पर रही। टीम ने एक गोल्ड, 2 सिल्वर और 5 ब्रॉन्ज मेडल जीते। मंजू बंबोरिया ने 66 किग्रा वेट कैटेगरी में राज्य को एकमात्र गोल्ड दिलाया। रेलवे की टीम 5 गोल्ड, 3 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज के साथ पहले नंबर पर रही।

सलाह

7 दिनों तक खाली पेट खाएं लहसुन और शहद, शरीर को मिलेंगे इतने फायदे

लहसुन को सबसे शक्तिशाली सुपरफूड्स में से एक माना जाता है। हालांकि, इसकी तेज गंध हर किसी को पसंद नहीं आती है, लेकिन लहसुन से कई बीमारियों को होने से पहले की रोका जा सकता है। लहसुन से एथेरोस्क्लेरोसिस, कोरोनरी हार्ट डिजीज, हार्ट अटैक, ब्लड प्रेशर को कम करने और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को भी कम करने में मददगार होता है।

छोटी-मोटी बीमारियों जैसे आम सर्दी, फ्लू, बुखार, फंगल इंफेक्शन, दस्त और कीड़े के काटने में कारगर इलाज साबित होता है। यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को समाप्त कर प्रतिरक्षा बढ़ता है और यह प्रभावी रूप से पुराने ऑस्टियोअर्थराइटिस, बढ़े हुए प्रोस्टेट और मधुमेह के लक्षणों का इलाज करता है।

जब अदरक और शहद के साथ लहसुन को मिलाकर इस्तेमाल किया जाता है, तो इसका प्रभाव अधिक बढ़ाया जाता है। यह शरीर से उन जहरीले पदार्थों को निकालने की क्षमता रखता है, जिनमें कीमोथेरेपी जैसे आक्रामक उपचार की जरूरत होती है।

बेहतर परिणाम के लिए लहसुन को कच्चा ही उपयोग करना चाहिए। लहसुन को कुचल कर करीब 15 मिनट के लिए छोड़ दें फिर खा लें। इसे कुचल कर खाने से इसमें मौजूद तत्वों की बायोअवेलेबिलिटी (जैवउपलब्धता) बढ़ जाती है। गर्म करने पर लहसुन में पाया जाने वाले एक्टिव कंपाउंड एलिसिन की क्षमता कम हो जाती है। सीधी भाषा में कहें, तो खाना पकाने से इसके चिकित्सकीय गुण कम हो जाते हैं।

लहसुन को खाली पेट खाने की सलाह दी जाती है क्योंकि पेट भरा होने पर इसके पोषक तत्वों पूरी तरह अवशोषित नहीं हो पाते हैं। शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए नियमित रूप से शहद और लहसुन के टॉनिक का सेवन करना चाहिए।

एनर्जी बढ़ने के लिए यह करें

2 से 3 लहसुन की कलियों को पीस कर एक चम्मच शहद के साथ रोजाना लें। इससे शरीर की ऊर्जा का स्तर बढ़ता है और कुल मिलाकर स्वास्थ सही रहता है।

फ्लू का टॉनिक बनाने के लिए

लहसुन की 5 कलियां कटी हुई, 2 लाल मिर्च कटी हुई, 1 चम्मच अदरक कटी हुई, एक नींबू का रस, कच्चा और अनफिल्टर्ड सेब साइडर सिरका मिलाकर पीने से फ्लू का असर नहीं होता है।

अंधेरे में मोबाइल का इस्तेमाल बना सकता है अंधा

अगर आप अक्सर अंधेरे में स्मार्टफोन इस्तेमाल करते हैं तो सावधान हो जाइए, क्योंकि यह आपकी आंखों को बुरी तरह से नुकसान पहुंचा रहा है। एक रिसर्च में यह बात सामने आई है कि जो लोग रात में बेड में लेटकर तीस मिनट तक मोबाइल पर नजरें गड़ाए रखते हैं, उनको अंधेपन का सामना कर पड़ सकता है।

डॉक्टरों का कहना है कि जब भी आप रात में स्मार्टफोन का इस्तेमाल करें तो उसकी स्क्रीन को डार्क रखें। यानी ब्राइटनेस बिल्कुल खत्म कर दें। न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन में छपे में एक लेख के मुताबिक डॉक्टरों के पास इस तरह के दो केस अब तक सामने आ चुके हैं।

यह दोनों महिलाएं थीं। इन दोनों ने क्षणिक अंधेपन की बात बताई। डॉक्टर का कहना था कि क्षणिक अंधापन आंखों को नुकसान पहुंचाता है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अगर स्मार्टफोन का इस्तेमाल सावधानी से किया जाए तो इस समस्या से दूर रहा जा सकता है।

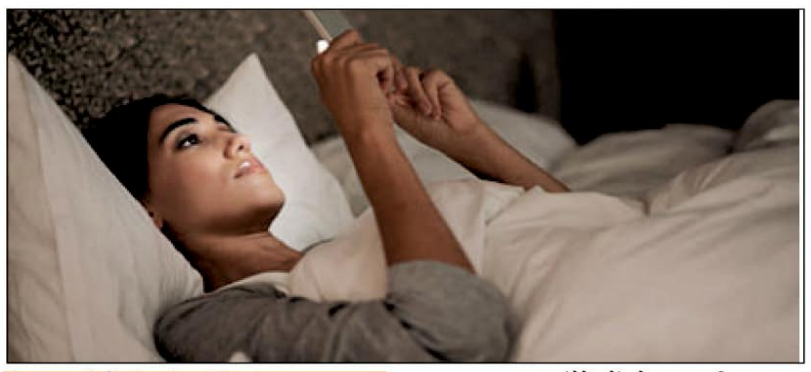

हो सकती हैं ये परेशानियां

अंधरे में स्मार्टफोन का इस्तेमाल करने से बॉडी में मेलाटोनिन हॉर्मोन का लेवल कम होने लगता है। मेलाटोनिन हॉर्मोन का लेवल कम होने के साथ-साथ ब्रेन ट्यूमर का खतरा बढ़ जाता है।

अगर आप अंधेरे में रोज 30 मिनट तक स्मार्टफोन का इस्तेमाल करते हैं तो आंखें ड्राई होने लगती हैं, साथ ही इससे हमारी आंखों के रेटिना पर बुरा असर पड़ता है। अंधेरे में स्मार्टफोन का इस्तेमाल करने से हमारी आंखों और ब्रेन पर काफी बुरा असर पड़ता है।

दो साल के बच्चे जैसे होते हैं डॉगी,

पेट पैरंट्स के दिमाग में यही सवाल कौंधता रहता है कि आखिर हमारा पेट हमसे क्या कहना चाहता है, अगर थोड़ा ध्यान दें तो पेट की भाषा को समझने में ज्यादा वक्त नहीं लगेगा।

कुत्ता पालना न सिर्फ एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है, बल्कि पेट ओनर बनने के लिए आपके अंदर ऐसी शारीरिक क्षमता होनी चाहिए कि आप अपने कुत्ते या पेट की बॉडी लैंग्वेज समझ सकें। पेट पैरंट्स के दिमाग में यही सवाल कौंधता रहता है कि आखिर हमारा पेट हमसे क्या कहना चाहता है, या फिर ये अपनी पूंछ क्यों हिला रहा है? क्या ये इस वक्त खुश है या फिर डरा हुआ है, ये मेरे-पीछे पीछे पूरे घर में क्यों घूम रहा है? कहीं इसलिए तो नहीं कि इसको भूख लगी है या फिर ये मुझसे बहुत प्यार करता है इसलिए ऐसा कर रहा है? वैसे अगर आप थोड़ा ध्यान दें तो अपने पेट की भाषा को समझने में ज्यादा वक्त नहीं लगेगा।

आप उसके बिहेवियर से आसानी से जान सकते हैं कि वह इस वक्त खुश है या परेशान है। कई रिसर्च से पता चला है कि कुत्ते इंसानों खासकर टीनेजर्स की तरह न सिर्फ मूडी होते हैं, बल्कि छोटे बच्चों की तरह इमोशनल भी होते हैं। इन रिसर्चों में पता चला है कि इनके ब्रेन की बनावट इस मामले में इंसानों से मेल खाती है और उनके ब्रेन में भी ठीक वैसे ही केमिकल चेंज होते हैं, जैसे किसी इमोशनल बच्चे के दिमाग में होते हैं।

यह भी पाया गया है कि इनके दिमाग में भी दूसरों के लिए प्यार और ममता जैसे भावों के दौरान ब्रेन में बनने वाला केमिकल ऑक्सिटॉसिन बनता है। लेकिन इनके हर तरह के इमोशन को समझने के लिए फिर भी इंसान को थोड़ी मेहनत करनी होगी। एक वयस्क आदमी के बजाय कुत्ते का बिहेवियर एक दो साल के बच्चे की तरह होता है। कुत्तों के दिमाग में छोटे बच्चों वाले इमोशन ज्यादा भरे होते हैं। अपने कुत्ते के इमोशंस को समझने के लिए आपको नीचे बताए गए पॉइंट्स पर काम करना होगा ताकि आपका कुत्ता आपको समझे और आप उसे।

हमेशा पेट से हंस कर मिलें - कुत्ते बेहद सेंसिटिव होते हैं। उनके सामने आपका बिहेवियर कैसा है, यह बहुत मायने रखता है। जिस तरह एक दो साल का बच्चा आपकी तरफ अपनी हर जरूरत के लिए देखता है, उसी तरह कुत्ते का बिहेवियर आप पर डिपेंड करता है।

आपके पॉजिटिव और नेगेटिव इमोशन का उस पर बहुत बड़ा असर पड़ता है। कुत्ते इंसान की बॉडी लैंग्वेज समझने के काबिल भी होते हैं, इसलिए जरूरी है कि आप जब भी अपने पेट से मिलें तो हंस कर मिलें। अगर आप गुस्से में अपने कुत्ते को डांटते हैं और उसने अपना सिर झुका लिया है तो यह मत समझिए कि वह गिल्ट महसूस कर रहा है। इसका मतलब होता है कि वह आपके गुस्से को महसूस कर रहा है। इसलिए कुत्ते से नाराज होने पर डांटना अवॉइड ही करें, क्योंकि वह इसे नहीं समझता।

उसकी डाइट का ख्याल रखें - उसे हमेशा कंप्लीट और बैलेंस डाइट दें। यह पता लगाना कि आपके डॉग के लिए क्या अच्छा रहेगा बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि डॉग्स भी आपके बच्चों की तरह ही इमोशनल होते हैं। जबकि उनकी खाने-पीने की जरूरतें हमसे बेहद अलग होती हैं। हम लोग सोचते हैं कि हम खुद जो खाते हैं, वहीं अपने पेट को देकर हम उससे लाड़ जता रहे हैं। जबकि यह एकदम गलत है।

अगर आप भी अपने डॉग को अपने जैसी ही डाइट देते हैं, तो अपने आपसे पूछिए, क्यों छोटे बच्चों को बड़ों के मुकाबले हाई प्रोटीन, फैट और माइक्रो न्यूट्रीएंट वाला खाना दिया जाता है? क्योंकि उनकी शारीरिक रचना अलग होती है और उनकी ग्रोथ भी अलग होती है।

किसी बच्चे की तरह ही डॉग को भी प्रॉपर डाइट चाहिए होती है, जिससे उन्हें अपनी शारीरिक रचना के मुताबिक पोषण की आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिले। क्या आपको पता है कि डॉग्स को अपनी डाइट में विटमिन सी की जरूरत नहीं होती, क्योंकि वे इसे खुद बना लेते हैं। जबकि वे विटामिन डी नहीं बना सकते, इसलिए उन्हें अपनी डाइट में इसकी जरूरत होती है। छोटे डॉगी को एक बच्चे के मुकाबले में तीन से चार गुना प्रोटीन और 50 गुना ज्यादा आयरन चाहिए होता है।

उसकी आंखों में देखें- आंखें आत्मा के आइने की तरह होती हैं। अमेरिकन सोसायटी फॉर द प्रिवेंशन टु क्रूअलटी टु एनिमल्स के मुताबिक, अगर आपका कुत्ता खुश और आराम में नजर आ रहा है, तो उसकी आंखें नॉर्मल शेप में होंगी। जब आपका कुत्ता अलग-अलग गतिविधियों में मशगूल होता है, तब उसकी नजरों की तरफ ध्यान देना चाहिए। अगर उसकी आंखें सामान्य से बड़ी हैं, तो वह तनाव में हो सकता है या उसे किस चीज का डर भी हो सकता है।

खान-पान

मांसाहार का बेहतर विकल्प सोया पनीर टोफू

कैल्शियम और प्रोटीन से भरपूर सोया पनीर बढ़ते बच्चों से लेकर गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों तक के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसे सोया दूध से बनाया जाता है। टोफू शरीर में कैल्शियम और प्रोटीन के स्तर को संतुलित रखता है। जिम जाने वालों के लिए भी यह बॉडी बिल्डिंग का अच्छा विकल्प हो सकता है। **आइए जानें कैसे** -

कलेस्ट्रॉल कम करने में मददगार टोफू से शरीर में खराब कलेस्ट्रॉल का स्तर कम होता है। अगर आप मांस की जगह टोफू का सेवन करेंगे, तो ट्राइग्लिसराइड और कलेस्ट्रॉल का स्तर कम हो जाएगा।

बीमारियों से बचाए

इसके अलावा इसमें मिलने वाले ऐंटिऑक्सिडेंट शरीर में पैदा होने वाले फ्री रेडिकल्स को नष्ट करता है, जिससे आप उम्र से जवां नजर आते हैं। अगर पर्याप्त मात्रा में टोफू का सेवन किया जाए, तो यह ब्रेस्ट कैंसर, हृदय की बीमारियों और ऑस्टियोपरोसिस को भी रोकता है।

हड्डियों को मजबूत बनाए

टोफू खाने के फायदों में एक हड्डियों की मजबूती भी है। टोफू मांसपेशियों के साथ हड्डियों को भी मजबूत बनाता है। इसमें पाए जाने वाले प्रोटीन और मिनरल्स हड्डियों को मजबूत बनाए रखते हैं। इसका उचित मात्रा में सेवन महिलाओं के लिए भी फायदेमंद होता है।

मांसाहार का अच्छा विकल्प

टोफू मांसाहार का अच्छा विकल्प होने के कारण शाकाहारियों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। एक शोध से पता चला है कि नियमित और पर्याप्त मात्रा में टोफू का सेवन करने वाले मांसाहार खाने वालों की तुलना में ज्यादा प्रोटीन लेते हैं। इसमें वह सब पाया जाता है, जो मांस में होता है। इसमें अमीनो ऐसिड और आइसोफ्लेवोनिस पदार्थ पाया जाता है, जिससे मांसपेशियां तेजी से विकसित होने लगती हैं।

प्रोटीन से भरपूर

टोफू प्रोटीन का एक बेहतरीन स्रोत है। सिर्फ आधे कप टोफू से हमें 10 ग्राम प्रोटीन मिलता है। इतना ही नहीं इस 10 ग्राम प्रोटीन में 88 कैलरी एनर्जी होती है। यह एनर्जी बिना त्वचा वाले एक मुर्गे से सिर्फ 45 कैलरी कम होती है। टोफू में जिंक, आयरन, सेलेनियम, पटेशियम और अन्य कई विटमिन और मिनरल्स भी पाए जाते हैं।

...तो ऐसे होगी कम पैसों में ज्यादा शॉपिंग

शॉपिंग करना भला किसे अच्छा नहीं लगता, लेकिन इसे करने का मजा तब दोगुना हो जाता है जब आप कम पैसों में ज्यादा चीजें खरीदती हैं। अगर आप प्लानिंग से चलेंगी, तो आप अपना बजट 25 ह तक कम कर सकती हैं, **बस जरूरत है इन्हें फॉलो करने की...**

सबसे पहले उन चीजों को एक डायरी पर लिख लें, जो आपको खरीदनी हो। क्वॉन्टिटी भी जरूर लिखें। यह न हो कि चाहिए दो ड्रेस और आप खरीदकर ले आएं चार ड्रेस। लिस्ट में चीजों को प्रेफरेंस के बेस पर खरीदें।

अगर सारी चीजें न खरीद पाएं, तो जरूरी चीजें लें। चीजों पर कितना खर्च होगा उसे काउंट करें और उसमें से 25 पर्सेंट कम कर दें। खास ख्याल रखें कि अब जो खर्च आया है, उसी पर टिके रहें।

आप सोच रहे होंगे कि आखिर कैसे/ तो इसके लिए ध्यान रखें उन दिनों चल रही सेल व ऑफर्स पर। यह आपके बजट को कम कर देगा। एक ही दुकान पर जाकर शॉपिंग शुरू न कर दें। पहले दो से तीन दुकान के रेट चेक कर लें।

जगह तय करें

शॉपिंग किस मार्केट से करनी है, यह पहले डिसाइड कर लें। जगह ऐसी चुनें, जहां रीजनेबल प्राइस में अच्छी चीज मिल सके। अगर आप प्लैनिंग करके नहीं चलेंगे, तो आप केवल एक दुकान से दूसरी दुकान पर घूमते रह जाएंगे।

और आखिर में जो मिलेगा उसे खरीद लेंगे। इससे समय तो खराब होता ही है, पैसे वेस्ट होंगे। सबसे अच्छा तो यह है कि उन जगहों की लिस्ट बना लें, जहां आपकी पसंद का सामान सही प्राइस में मिलता हो। उसके बाद उन जगहों में से एक को फाइनल कर लें और वहीं शॉपिंग करें।

क्रेडिट कार्ड से तौबा

शॉपिंग करते समय क्रेडिट कार्ड का यूज न करें। दरअसल, क्रेडिट कार्ड से पेमेंट आप फटाफट करते चले जाते हैं, जबकि कैश करने पर आपको सोचना पड़ता है। क्रेडिट कार्ड से ऐसी चीजें भी खरीद ली जाती हैं, जिनकी बहुत जरूरत नहीं होती, क्योंकि उस समय दिमाग में यह रहता है कि इस समय खरीद लेते हैं, बाद में किस्त देते रहेंगे।

पता कर लें प्राइस

आपको जो सामान या चीज खरीदनी हो, उसकी जानकारी के लिए आप उनकी वेबसाइट चेक करें। इंटरनेट पर आपको अलग- अलग ब्रैंड्स के प्रॉडक्ट्स की कीमत भी पता चल जाएगी। इससे आप यह भी जान पाएंगे कि कहां कौन-सा रेट चल रहा है। कौन-सी कंपनी क्या ऑफर दे रही है और कितना/

स्कैनर पर रखें नजर

पेमेंट करते समय स्कैनर पर जरूर नजर रखें। हो सकता है कि कैशियर एक प्रॉडक्ट को दोबारा बिल में जोड़ दे या वह किसी प्रॉडक्ट की कीमत ज्यादा लिख दे।

पीक आवर्स में शॉपिंग न करें

हमेशा शॉपिंग ऐसे समय पर ही करने जाएं, जब भीड़ कम हो और पेमेंट के लिए लाइन छोटी हो। साथ ही आपके पास भी फुर्सत हो। हमें कोशिश करनी चाहिए कि शाम, रात और रविवार की दोपहर में शॉपिंग पर न जाएं।

माउथवॉश से दूर हो जाएंगी स्किन की पुरानी से पुरानी परेशानियां, ऐसे करें ट्राई

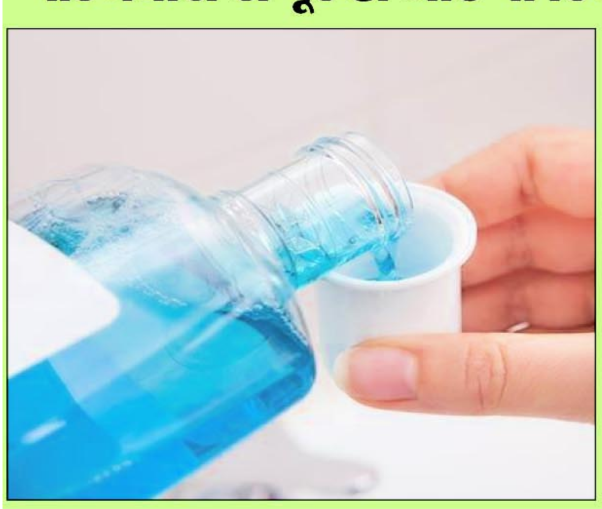

मुंह से आने वाली बदबू को दूर करने के लिए लोग माउथवॉश का इस्तेमाल करते हैं। क्या आपको पता है कि माउथवॉश सिर्फ मुंह की दुर्गंध के लिए ही नहीं बल्कि और भी कई परेशानियों का हल है।

माउथवॉश से जुड़े ब्यूटी टिप्स शायद ही महिलाओं को मालूम हों। माउथवॉश से ब्यूटी से जुड़ी कई परेशानियों को दूर किया जा सकता है। अगली स्लाइड में जानिए माउथवॉश को किस तरह इस्तेमाल करने से स्किन की समस्याएं दूर हो जाएंगी।

मुंह से आने वाली बदबू को दूर करने के लिए लोग माउथवॉश का इस्तेमाल करते हैं। क्या आपको पता है कि माउथवॉश सिर्फ मुंह की दुर्गंध के लिए ही नहीं बल्कि और भी कई परेशानियों का हल है।

माउथवॉश से जुड़े ब्यूटी टिप्स शायद ही महिलाओं को मालूम हों। माउथवॉश से ब्यूटी से जुड़ी कई परेशानियों को दूर किया जा सकता है। अगली स्लाइड में जानिए माउथवॉश को किस तरह इस्तेमाल करने से स्किन की समस्याएं दूर हो जाएंगी।

रूसी

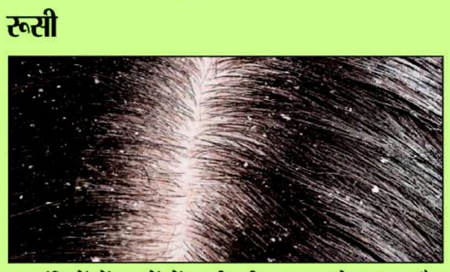

ठंडियों में बालों में रूसी की समस्या होना आम है। इस समस्या के लिए माउथवॉश कारगर साबित होगा। बालों को शैंपू के साथ धोने के बाद जड़ों पर माउथवॉश से मसाज करें और फिर पानी से बाल धोकर कंडीशनर करें। हफ्ते में एक बार ऐसा करने से एक महीने बाद रूसी गायब हो जाएगी।

रेसिपी

घर में ऐसे बनाएं गुजराती नमकीन चोराफली

सामग्री

गुजराती डिश में हम आपको एक गुजराती नमकीन की रेसिपी बताने जा रहे हैं। इसे एक बार बनाकर रखने से आप इसे एक महीने तक खा सकते हैं। गुजराती नमकीन का नाम चोराफली है।

इस नमकीन को चोराफली फाफड़ा भी कहते हैं। आमतौर पर गुजरात में चोराफली त्योहारों पर बनाया जाता है, लेकिन कुरकुरे और चटपटे चोराफली को आप अपने स्नैक्स के लिए बनाकर रख सकते हैं।

ऐसे बनाएं

- चोराफली को बनाने के लिए बेसन, उरद दाल का आटा, 2 टेबल स्पून तेल और नमक डालकर मिला लें
- इसे पानी की मदद से सख्त आटा गूंथ लें
- तैयार आटे को 1 घंटे के लिए ढककर रख दें
- एक घंटे के बाद आटे को एक बार फिर अच्छे से मसलते हुए सॉफ्ट कर लें
- अब इसकी छोटी-छोटी लोइयां काटें

लोइयों को पतला बेलें

- तैयार पूरी को 1-1.5 सेमी की चौड़ाई में लंबी-लंबी पट्टियों में काट लें
- इसके बाद कढ़ाई में तेल गर्म करें और इन्हें तलें
- जब ये फूलकर उपर आ जाएं तो इन्हें पलटें और हल्का ब्राउन होने तक फ्राई करें
- गर्म चोराफली पर ही काला नमक और लालमिर्च पाउडर छिड़ककर मिक्स करें
- इस तरह तैयार गुजराती नमकीन चोराफली

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**